७। विभेष्ठम् इयह्रभत्रह्म् स्टिमी ह्मेर्चिमी श्रीचिमी स्याप्त सम्याप्त स्वाप्त प्रियापाय स्वाप्त प्रियापाय स्वाप्त स्

७९। किंश भूते गूरि पुरित्र चिमा यो भगा निमा णहा। । श्विट हे मालक प्राय मुर्यार्टेट्याक्नि.पर्हिणास्त्री ।स्रयाराप्रस्थर्यर्यर्यायायासाक्नियर्या म्बिम्स्य । क्रिन् गुर्वे स्वार्षे हैं निवेद तकर त्या पर्ना मिट में इसू पर्स्या नमुन्दुं स्पनिष्प्री । क्विट र्योपे न्रुक् या मार्था नम् निया निवा । य्रुपायप्रेग्नुद्रिय्ययं केंश्वाया द्रियं चुंद्र्या । त्राप्त्र्यद्र्या । त्र्यं प्रम्य प्रम् सर्जिं से वेदे प्रमान क्षा निर्मा सके दू प्रमान है दू प्रमे के न मीर्शक्षित्र्या पर्देरमाट ह्विम् पर्वेद पर पुराय हो रूट रेप हें सुमारा उह्न नूर्गेन् भर्रे मुयायस्य यूने छेन हिन सम्स मुर्य मुर्य पार्वे य ने प् मिट्यर्देशेषित्र र्यास्यस्य स्याप्त स्वर्या न्द्रेश प्रवास्य प्राप्त स्वर्या प्रवास्य प्राप्त स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या प्राप्त स्वर्या ठैमां र्चेत्रं पर र्रूट र्णिट्य रदं रेते मुयामन एट्रे केंट्र केंग णें सेट्र द्वार त्रां पं रे जिटा वा वा वा वा वा विकार विकार के वा विका तकर्ने हैं तहे के संतर्भात में त्रिक्ष में न्ता स्यार्थेन्यायुर्येन्याय्याः स्याप्त्रे मार्थाय्ये मार्थाय्ये स्वाप्त्रे स्वर्ण्याय्ये स्वर्णे स्वर्ण कर्'त्म्'श्रेत्रित्राक्ष्र'न्द्राय्यक्ष्य्यायम्'क्र्यायम्

य्येत्राक्षेत्रम्यंक्रक्ष्रम्र्ल्ट्यास्याग्याग्राम्केष्यम् स्याग्याया उद्ग गुनायाष्ट्रमाम्द्रामेषे क्षेत्रदामो क्षेत्रे के स्यूष्यस्य उदा गुर्या गुहा है। स स्तात्मित्यास्य स्वयं स्ययं स्वयं स म् विट्याप्तिद्यार्र्ययाः सुरास्या अर्थायाः स्वरायाः सुरायाः स्वरायाः स्वर्याः स्वरायाः स्वरायाः स्वरायाः स्वरायाः स्वरायाः स्वरायाः स्वरा हेत्र 5 नर धुग में भूर निबर्य हे शेस्यू उर्दू 5 सम ह से र परे रें क् सूर्य र द्रेत्रं त्वा मृत्यू प्रमुख्य ्यंयां क्रम्क कें क्रांक कें के क्रम्य कें क्षेत्र में कें क्रिक कें क्रम्य कें क्रम्य कें क्रम्य कें क्रम्य कें इसके क्रम्य कें क्रम्य श्रेयानित्। नेति येगात् गाठ्रयो भ्रन् क्षे निते सेग्या शुक्यें है द्र्याया से सित

*য়ৢ*৴ॱन*ଵ*ेटॺॱॸ॓ॱॸऺऺय़य़ॱॾक़ॱॸॗऺॺॺॱॗ॔ॱॸॣॖॻॣढ़ॱॖॻॿॖॸॱॹॖ॓ॱक़ॕ॒ॺॖॱॹॖॆॺॣॱॸॣॕॸॱॶॗय़ॱ स्वार्यस्थात् के स्वार्यस्थात् स्वार्यस्यात् स्वार्यस्थात् स्वार्यस्थात् स्वार्यस्थात् स्वार्यस्थात् स्वार्यस्य स्वर्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वर्यस्य स्वार्यस्य स्वर्यस्य स्वर्य मान्यार्ट्य स्थार्थ्य स्थार्थ स्थार्थ्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थाय्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थाय्य स्थाय्य स्थार्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय स्थाय्य स्थाय स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्याय स्थाय्य स्थाय्य स्थाय स्थाय स्थाय्य स्थाय स् म्यानाम्भूरान्वित्याने न्याया स्रान्ध्या प्रदेश प्र मैक्यम् र्रंभर्यं से निर्देश्यम् निर्देश्यम् स्वारं र्ने प्यट माट प्रश्निया परिया मार्टि स्वया भी मार्टि स्वया मार्टि स्व मुँ अभिन्न स्तर्भ स्तर् अर्नरः सूर्के केन भे 'लेगू 'या भे 'हेगा 'य क्वे 'तूगा राभे 'य कु ता कु 'तू खु द श' अर्नरः सूर्के 'केन' भे 'लेगू 'या भे 'हेगा 'य क्वे 'तूगा राभे 'या कु ता कु 'तू खु द श' इस्य स्था के। निरुष्यमा निर्मु र ग्री निर्मेश किया स्था निर्मित स्था मार्टि

म्यार्थम् प्राप्त विदेशेष्ट्र प्रमेत्र हुन नेत्रियाक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्माक्ष्मान्त्रियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्त्रियाक्ष्मान्त्रियाक्ष्मान्त्रियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्त्रियाक्याक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्याक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्याक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाविष्याक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्तियाक्ष्मान्त में भं यद्। व कुंदे केंश है 'पेंग्रें पिये 'प्रमें कुंदे 'पें लेश च 'प्रमें प्राप्त केंद्र हैं 'पेंग्रें प्रमें कुंद्र 'पें लेश 'प्रमें प्रमें प्रमें कुंद्र 'पेंप्र 'प्रमें प्रमें प्रम नसून ए न नुरुष के हिर सेया है र्सेन संम् किए हुया हुन ए मार संन्रा सहसा यदे दार्पर देग्रेन प्यक्षमशुक्षा ग्री प्रोसे मुच्या प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र विद्या प्राप्त क्षेत्र विद्या विद्य र खुट र महुट र नश् नह्या पर् दर्गेट्य दय केंग्यू यू र द्यार्थ र हैत अकर हेन नम् स्पूर्व प्रतिमा उसू मासुर्य प्राप्त देवे क्रेनू अर्केट हेनू द्रमा ठिमार्वेद प्रमेश्यम् यद्माम्बर्ध भेति हैं क्ष्य है क्ष्य है क्ष्य मुद्द का केद सुर्य प्रमेश क्ष्य है क्ष्य मुद्द का केद सुर्य 5.मट्ट्रमश्केर मुर्दे स्ट्रेट केंगश मुक्र ख्याकी केश ह्दे गाउन सूरा धना हैं द्वा क्षेत्रा भ्रम्य मासुस्त्र क्षाप्त प्रमान क्षा क्षा होते सुवा

क्यायत्रामुयान्वेतार्यात्री क्राहिताम्डेताक्ष्मानुत्रीयुयासुरस्यानुता माशुभाराये भें मुल्याय पुरमा रगूर ग्राह्म स्वार्थ स्वार्थ से मार्थ मार्थ स्वार्थ स्वार सुर्म्म सुर्मा स्वीत्रां यो प्राप्त स्वीत्रां यो प्राप्त स्वीत्र स्वी मार्शेन मुंग्नित्रं मेन्या प्रेत्रं में केन स्वाप्त मार्शेन स्वाप्त मार्शेन स्वाप्त मार्शेन स्वाप्त स् र्गर्रा गर्र्यं में रेन केन गरेश प्राचित्रा गर्ने ग्री गर्ने प्राचित्रा में महिर्देश में देश महिर्देश महिर मान्न या निनाया केंग्र हें ये केंग्र मुंग्र मुंग्य हैं हैं या की प्राप्त की प देनेन नमुद्रमाव्यक्षेत्र भरमा मुद्रमा के मा अहित नम् अनुद्रमा स्ट्रा द्रों अश र्नेट्राणुर्रम्य शेक्षेत्र्यास्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य र्गुट्गूट्शलर्ग्या अगश्चाराम्यामेग्या केयाहानेयार्यके हेर्ते ह्री मैं अं अक्तिर्श्वयं सुर्भ्य प्राचीत् दुर्गा यदे दुर्गायां यमा या द्वित्या द्वादिया है . यु स्वाक्ष्य या स्वाद्य द्वादिया है . यु स्वाक्ष्य या स्वाद्य द्वादिया है . यु स्वाक्ष्य या स्वाद्य द्वाद्य स्वाद्य स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वत्य स्वाद स्व र्देन्य ग्री अंश्वर्त्त स्थाप स्थाप प्रविद्या प्राप्त विद्या प्राप्त स्थाप स्याप स्थाप स तप्तिम्य,तत्रक्र,य,चोश्ट,यर्चा,श्रैंज,त्रा,क्षा,श्रावद,रत्राज,यबट,य्री प्रय,विट,

नर्मः भरी शास्त्रमा भारति हो हेम हिमा से निर्देश से निर यानेमार्या पर्यट्र में श्रीत देश मानेमार्था देश देश में में प्राप्त मानेमार्था प्रयोग मानेमार्था देश पर्या विषय स्वाप्त स्वाप् नर्तरपदे भ्रम्य दर्मा भ्रम्य दिन् देग्र मार्थ स्रम् स्य म्वेग्या यक्टाइटायां हें हे मुँगू यें येयायाया वर्षे देव केतर्व बटायी नेतें श्रेशंश्क्रं स्कृत्यमुत्रं भवेदायमा वार्क्रशं हे गुक्र देगतुं वेग्राश्क्रं त्वित्राभर्ते। दिव्यादेवाच्युत्मात्र्यां भरते सत्याचे मार्क्याहे त्यों पते समें निर्देश मर्दि यो के रस्य पर्देश देश मानुद्र स्वस्य पर्देश प्रमान के निर्देश मानुद्र मानुद र्गुर्या निर्मेट्रच्चर पहें निष्ठ रामुक्य मेर्ट्रच्चर विकामुस्कारा स्रें हैं दें पेंदे न में दें पांपेंट मार्श मार्था नर मूर्ट दें पदे हैं र के मूर्ट देंग नत्भग्नर्भं रूट्यो श्रुपः य नगुः श्रुर्भः य ह्या स्वीतः ग्रीतः य निर्देश्येषाः व श्रम्भान्यक्रस्तुः श्रम्भान्य विद्याप्त्राचे स्वास्त्राचे पद्यमार्था र्चेत्र वैरार्चेत्र । क्षिमाल्य मात्र स्थाय रेट्या के रेट्रा । विकार्यमाय प्रमाय । विकार्यमाय । व

मूंश् रितासीत्रेत्यार्रियार्त्या है लूटिश उहुये युष्यार विषये श्रेट मार्चर निया स्वास्त्र स्वा ॻॖॏॺॱॻॖॖॖॖॖॣॱॻ॓ऄऺॺॱॺॖढ़ॱॾॗॆढ़ॱॾ॓ॱॺऎॱॸढ़ॱज़ॻ॓ॴज़ॴॣॗॴॗॱढ़॓ड़ॣॺॖॱय़ॱक़ॱॻऻड़ॖढ़ॱढ़ॾॕक़ॱ सूयायते सुप्तगारे नर्दा हैया न्याय ने क्याय निष्ठ प्रति स्थाय निष्ठ प्रति स्थाय निष्ठ प्रति स्थाय न्याय न्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य सत्ति सुद्दा त्या मानुद्दा तद्दे र सुत्रा या द्वा र सुद्दा त्या सुद्दा सुद्दा त्या सुद्दा सु ॻॖऀॺॱॶॱॻॿ॓॔ॸॱय़ॸऻॱॸॸॱय़ॱॸढ़ॱढ़॓ॺॱढ़ॿॖढ़ॱॻॏॗॺॱॖॾॗक़ॱक़ॻॱॻॺ॓॔य़ॱढ़ढ़ॱय़ॗॗॻऻॱ वयार्थे हिरानेश प्रेनं पार्ट केश श्रुवा स्वर्ण के स्वर्ण प्रवास स्वर्ण के स्वर्ण स्वर्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर् नगाय अके दु त्य्यू लेगा अहर दे लया गुरा अपन लेखा याये की गया हे त्रुया चृतिं न्यर मीश्रारे लिगां भ्रुं भु रादं त्यंश्रादे त्य या स्थित । या प्रायत । श्चित्रभी नामार र मुलेश लेश मार्थया नामा श्ची नामार र मिसूर रेने में के र र म्यान्यस्थरणे त्वीत् प्रति । विश्व न्यान्य विष्य प्रति । विश्व न्यान्य विषय विषय । विश्व विषय । विषय । विश्व विषय । विश्व विषय । विषय

यश् य्मासर न्मू नम्भू प्याविदे र्न्न सर्रे र्यस्त म्ह्रु पर्दे भूपश है 'येतु' त्र संदेश में श्री के स्मान्य के सम्मान्य के सम ষ্ট্রিদ্যান্ত্রীন্যান্ত্রশ্বামান্ত্রমূর্য মার্মার্ক্রমান্ত্রীন্ত্রমান্ত र्मेन प्रति प्रति प्रति प्रति । ज्वा के किन्य प्रति । ज्वा किन्य किन्य प्रति । ज्वा मानेमार्य पासेन नै। पर्यापास्य व्यापास्य विष्य स्थित साधिस्य विष्टित प्राप्त मुंशर्त्रेय्यां वियंद्रां गुराययां द्रयेरात्र भ्रेयाकेत्र गर्ता विगाया कियाँ सुरायदेशभ्याद्रयेदात्। वियापाद्याम्याया वियापाद्याम्या डैमा हेर् या पर्वेम विश्वां । रिक्षिय प्यमाशू यदे मार वमा स्थ्ये यूर मीश् वया निवस सहित प्रायस दूस प्रायम हम निवस के प्रायम प्रायम स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य यते'याना त्रुपते र्वेत् उत्राद्यि रावे र्वेश्य प्राप्त विश्व प्राप्त विश्व प्राप्त विश्व प्राप्त विश्व प्राप्त <u>५८१ सूर्य क्षेत्र में ५ पदेश्वर में ई हे पद्वर में द्वेर सें दे सुर्दे पं पर्वे ५ सूर्य प्रें ५ सूर्य स</u>्थार न्ययू मु अळ्व उव मार यूषा वस्य उन् सु मु व स्य पे पे पे सु सू न्य सु सू सू नशुट विट क्षुट न नटा भें वेश सर्गे क में क्स सामें के यें समस्य गुरा गुरा नर के दारोवा विट

हैन यश नेय के लेट यूगे में पर्टा पर्यों में में ने पेंटे हेने में बुग रा अहें गणग म्बर्गमाट दु न द्वेत के दू नियं में में प्राप्त में में नियं भी मान मान स्थान मान स्थान मान स्थान मान स्थान १५०० संस्त्र चुटा चरु संदे मुला चार्य मुला स्त्र स्त्र अक् बुर्ण स्त्र खेला शुर्ण स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र चार्य स्त्र मुला स्त्र स्त्र चल्ला स्त्र स मीं मंशिट हमाँ श हीं मां प्रवित र प्रिंमिट्या है अक्र मानाश राये र राया लहा। नैति सेंद्र प्राप्ति के प्रति दे प्रति स्था में स्था मे स्था में स राक्षात्रे त्युद्य क्षेत्र ग्रे बेथा निद्रा के निया में विषा ग्रे बेथा सहियाना र्डमें श्रीमा ने प्यत्र के सर्वे प्रक्रिया ने स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के स र्बेर पर्दर याद्दर दे अर्क्ट्र के प्रमाश्चर हे से प्रम् केंश् ग्रे मुया येश पदे देन्'रूट्'घ्रंभ्रथ्'ठ्न्'यूथ्'भ्र्न्यान्ट्र्'ब्र्यं'य्'के'च'र्थेट्'ब्रेयं'युट्'च्रुक्ष् स्याप्तरं वर्षेत्रं स्वरं स्व क्केट्रिंट्र मीर्था सुर्या निर्देश देया राजेंद्र कर्त्र स्मार्थ में स्था में स्था में स्था में स्था मार्थ स्था

श्रामान्यानुरावसूरायदे साम्रमास्य हेत्यनेयान न्राये स्वापन्य र्रेन् **अट्यासुर्द्वेत्र हे प्रुम्याय निहार लेटा न्याया अ्या अस्य गुरु गुरु गुरु प्राया प्राय** न्गाय नयं रूट् नल्वे प्रसंस उत् साम्रेव स्थाने न नेवि स्थाने दूर् है सासु अध्वाप्ताप्ता क्षेत्र केथा माश्चाप्ता प्राप्ता मालक क्षेत्र माश्चाप्ता प्राप्ता मालक क्षेत्र माश्चापता क्षेत्र माश्चापत शेश्वरात्त्र विद्या श्री त्र प्रदार क्षेत्र क्षेत्र प्रदार क्षेत्र क्षेत्र प्रदार क्षेत्र क्षेत्र प्रदार क्षेत्र र्शनायाम्बर बिट्रा सुन्यानेगा दुर्शेया यदि मार्ने र द्वेया मार्न्र الْمُرَاعِ الْمُرَامِ الْمُرَامِ الْمُرَامِ الْمُرَامِ الْمُرْمِ الْمُرَامِ الْمُرامِ च्याययम्भ व्याप्ति प्रमान्ति उत्तरम् अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य रेग्बर्द्य रेवर्भेयार्थेग्बर्यं अपन्तियार्थेया प्रस्तिया प्रस्तिय प्रस्तिया प्रस्तिय प्रस्ति न्यंत्रमक्षेत्रत्रार्ये प्राप्तान्य प्राप्तान्य विष्या स्वार्ये स्वार् र्देन'र्या'र्स'विट'विन'र्या'स्या'र्यते'र्सेमामूँश'स'चेत'र्या देस'स्रिट्स स्विट्स'र्याते' रमा'तेन'सामत'नमामास्य 'ण्ट्रांसम्'र्यते'त्रु'तेनु'णेस'स्नुन'र्यर'र्नात'ना द्याय वित्र क्राप्त में भेर सेंदे हिंद रखा है में विषय है। महरा ने हर ने हर इमाय सेंग्रास पर भुदी नम सह र्या सेंग्रास होतर म्या है स्वास हूँ एत्स् ट्रांसक्तर्यं वित्रां विस्त्रां उट्रांसिक्तरारा म्यां रापार रापार सामा पर्रास्ते से रासी न'गर्न'से' व'न'लेग'गे'लेश'सकेग'र्सन'गुन'य'कुट'क्षेर'ग्गगशा रे'नेश'

त्मुद्रास्त्रित्व प्रवेश प्रवेश स्वराधित स्वराध यंदेः मान्याः ब्राँयां यह प्रांत्र स्वरं या द्याः च्याः विष्या विषयः व र्चमास्य प्रमान्त्र क्या मार्च क्या प्रमाणम् । महत्र क्या प्रमाणम् । महत्र प्रमाणम् । प ल्त्रा क्र्या मार्थित के भी मार्थित के भी मार्थित कर्या में में मार्थित कर्या में मार्थित यामिश्रम्पेते पंति पंति मार्था स्थाने या ह्य हूँ य अ प्येक यू रे माशु ८ माश्य बिट र मा या हैं मा मी बुर से हु या कु र য়৾ড়য়য়ড়ৢয়ঀৢয়য়৾ঀয়ড়ৢয়য়ড়ৢয়ড়য়ড়ৢয়ড়য়ড়ৢড়য়ৣঢ়ঢ়ঢ়৾য়ড়৾য়ড়৾য়ড় मोशुटू न र्रेश मं है अयं न्या वार विश शु न म हो न र्रे । यू न से प्रारं श मुबाण्यस्वायां मुन्दा मुन्दा प्राप्त स्वाय मुंशराप्तर्भित्यायार्थः शुँ तर्मायाय्याः भूति । त्रायाः वर्षे माटा अरह अरु गुपार पार्ट पार्ट कर पेट के में के में भू रे पार्ट के पार्ट किया

पहेंग्रुं इस यर नगर ने पे सिर्म्य माया नि नि नि के प्राप्त के न नुस्ति। यून्य सहित्री। दित्र संहे मिटिश्न संग्रुट दे येवशी अवहे शेष्य य नस्ति। यून्य स्ति। दित्र संहे मिटिश्न संग्रुट क्रिन केश सेट्य क्षेत्र स्ति। यून्य सिंप्य सिं ब्रिट्यं हिंद्र 'दे' पर्सेन्य 'केन्य प्राप्त क्या प्राप्त प्राप्त क्या के प्राप्त क्या के क्य र्शेन्यरम् निव्यान्य क्षात्र । देव्या देव्या क्षेत्र प्रमानिया क् यभाषाम्यम्भव्यक्षयात्त्रेत्यम् स्वाप्त्रेत्ये निष्ठा मिष्ठियम् प्रमास्य मिर्द्रमा मिर् वर्षम विद्रम्मयान्येयसम्बर्धित्यं स्त्रम्भ विद्रम्भ विद्य वन्रार्भग्राट्ट्रा क्वेंयायार्वे र्नेराम्बेंद्रायार्हेन्यायार्वे र्मेर्यायार्थे स्वां कुं केन रोते क्रेर्यान्न मान्या कर्णम् ५८ र पठमू स्वार सम्बार मूना विज्ञान्य मिन्न मिन वर्षायभागवर्षे भूर द्वार्टा वर्ष्ट्राय रेष्ट्रेश्याम्वाय र्षे उर्देम् इट मुख्यायायायायायायायाया ग्रेष्ट्राय हेम पर्वेपाप्रें प्रेय्यूयायायाया युन्यं था अप्टर्निनं यदे रे केंश्रे सूर्या सुर्भा र्की कें सुन्यं रे हे मासुर्भ खी र यर्वू यौ मस्टारमा वस्या उरा की क्षेटा ये ता क्षेत्र ये वरा मासदाम् स्या सुरा के मिर्देर्भ्यां स्थ्रेश प्रप्रां मुत्यम विस्था उत् समिन प्रांच क्रांच क्रा

म्वेरम्बेरवर्षेवेर्षेत्राष्ट्रित्रदर्वेषाकेम्या वर्षेत्राष्ट्रिकेषा स्त्रिं से मार्थ में से मार्थ में से मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ र्येते हेम्यारेश मयद्याद्याद्या स्वार्थे हेम्यार्थे ह्या स्ट्रिस्य क्वेरायाकेषाणुः मुग्यायायाया रयया प्रमाय प्रमाय प्रमाय विद्वास्य या प्रमाया मूल्यान्य प्रति स्वर्धित प्रति प्रति स्वर्धित स्वर्य स रैमार्यापेटिं र्यंते नमे पूर्व श्रूट सेंते लूनेशूर्व वेट न नहिंग हुंगी वेर्गे ने व्यम्मा कर ग्रीमा नग्री में भेरे दे दे रहे से मानी प्रति ग्रीमा प्रमा में भागी माने प्रति । र्वेर् अहतामित्र वर्षि भूति तस्या श्रूट मो मार्चा तमा पट केर् यर स्वाया राष्ट्री पूर्वा नेरावर्ष्यायवास्त्र स्वार्था स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया केर यं प्रया केंद्र १ व्यवा क्षेर अद्या अहरी दे वब 'येर ये हु' दे हैं दूरी हैं अ विट मी मानमू अप्ते मान प्राचित्र अमाया मुन्या निर्या केम मा प्राचे भू प्रो नेश णुः श्वेद द्रोद्या स्विन् णुट क्या गुट घट मो मात्र श दे वर्ष सुना हु त्रु दे न्याक्ष्मां य्राप्त विश्वा दे त्या न्याया या व्याप्त या विष्टा विष्ट्र त्रभेत्वर्भ संभून पूर्वर्गाव वेतर् दूर्वर सम्पर्भ मुग्रेश से स र गोर खेर दे प्रचुर विट्रा हेर पर्वेषा ग्री के ने हार मार्डिय पुराय है के प्रायम के किए मेर के हिए के से मार्ग सा शहता श्रेय तथा में कर शहर वंश श्रेर तर्मा ग्रेट क्य में ट्रियं ये प्राप्त भ्रम्य देर खुया न्त्र यो सुग्या देर मञ्जू रा प्राप्य प्राप्त प्रमा अराधा

मालवा प्रशासित केत् भे निस्वा में खुत को नैसा कर्त स्थिन में मार्खना वा स नस्या नस्तर्भ्राप्तर्व्याप्ते प्रत्याप्ते प्रत्यापत्ते प्रत्यापत् इस्र ग्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री हैं क्र के ने निव के ने स्व के ने स दुर्चुरु'ष्ठ्र'याचेर'यायायहेर्न्युरु चुर्डेन'युअट'येदेग्वुर्या त्नुपा त्नुपा मुंग्रें प्रमें ॲर्केम'न्यम्'नु'र्अन्'र्डेट'न्यसंसम्भित्रं'र्से' मुन्द्रम्'र्स्य नेत्रं स्वार्थित्रं स्वार्येत्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्थित्रं स्वार्येत्रं स्वार्थित्रं स्वार्येत्रं स्वार्थित्रं स्वार्येत्रं स्वार्येत्येत्रं स्वार्येत्रं स्वार्येत्रं स्वार्येत्रं स्वार्येत्रं स्वार् ष्ठ्यं प्रति क्षे प्रति केषा वा श्वार्थ विष्ठ । द्रम्वार्थ प्रति क्षे क्षे प्रति क्षे प ष्ट्रं प्रयान के कार्य मैक्'फु'ले'मूर्ये'र्बुर्'प्राप्रा'न्ट्र स्वामा माटार्ये'के'न्ट्र प्रेये सुमूर्या ग्रीस् मंदे दुर्भे व में मा मार्थर मुंगद्वमा दिए कु ख्रेव मुंगिय वर्षा दस्र पिर्देशमा

व्यम् उत्रम्पे विद्यदेत्या प्याप्ता भुते भूते भूत्र त्राप्युर प्राप्तुर प्राप्तुर र्श्वम्याम्ब्रीमः ब्रेट्याप्ता प्रमानित्तं क्रिया गुर्शेष्य गुर्शेष्य गुर्शेष्य गुर्शेष्य गुर्शेष्य गुर्शेष्य भ्रम्य प्रमानित्र प्रमानित् युवें श्वरं श्वरं माञ्चारां से माञ्चारां यूर सूर्या प्रमाय के प्राप्त के स्वरं से प्रमाय के प्रम क्रिमार्य नियम मुंभेन पति र्स्थि केत से अदि स्मिर्य ने मार्गेन स्थित स्थापन्य निद्रा ५५५ मां या या के का से यू युवा पक्या दे क्या क्षे के ये ये का या वर्षे म्नेर्केन्यं भ्रं भ्रं तुं स्ययं रूट्ट्रमे तुं तुं या क्वतं द्र्यं दे तुं ते तुं ते केन्यं भ्रे केन्यं यदे द्र्य क्वा या विष्यु या क्वा यदे तुं या क्वा या विष्यु या विषयं या विष्यु या विषयं या नगेरा लेग्राज्य कुर्वे पर्वेर् सुक्ष सुभार्क्ष म्यूर प्लेग्राय खेर्येगः अर्च प्रमुख्य देवाया के प्रमुख्य के बाक क्षा के का किया के बाक के का किया के का किया के का किया के का किया के क अर्च प्रमुख्य के किया के किया के किया के का किया के बाक किया के का किया के किया के किया किया किया किया किया कि यदेतु र्येके प्याद्वप्य महेत् यहेतु स्थायम कुँगु या यहे युषा अदाया वि नत्रक्षेष्वग्रम्भ्याची न्यान्या द्वार्या स्वार्या स्वर्या स्वार्या स्वर्या स्वर्या स्वार्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वार्या स्वर्या स मार्थियो सहित् दे तेया देनयो या सुक्ति दें निर्मा न गुरु द्वाद स्वाय प्रम्य राष्ट्र राष्ट्र स्या स्या स्वाय प्राय प्रमाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय अँद्धेन नेप्य नेवर में लेश में शिय नेपे थे मो निर्म्य सा विष्युं ए अरपे मार्थेया ग्रें येमार्य पत्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त में स्व रहेत् येम् या क्षेत्र ग्रें प्राप्त विकार र्दिर्द्रा द्विश्द्रि विषायां अभिश्चायां भित्र विष्ट्रित्र देवि देवि से मार्थ के स्ट्रियां कि स्वायं के स्ट्रियां के स्ट्र द्वर्यास्त्री मुर्था हैता हैन बुना ने सुना र्यम्य मिर्ट दिन मिर्द ने मिर्ट विगर्णे केया के किता पे हि केट तया यहा आपन क्षेत्र हो निवा पर प्रमुख्या भन अट'रोश'न्मा'ब्रूट'केक'रोश'योगाश'यनुय'अहें ५'रा'न्टा एट्'राम्'हे'रान्

नगरन्नर र्सेश्ट्र प्युगिकेम् सुग्रुग्तुर विद्यु है र न्र र सेंशिनेय है र निया प्रदार प्रवासी मुं मुं सामुका कर्त्रा या क्षेत्रा का प्राप्त प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प याकेत में मैं मा पूर्वी प्राप्त के त्राप्त के स्वाप्त युरियमायम्। युराष्ट्रमार्भेष्यम् गुर्ने प्रम्द्रम् प्रम्द्रम् युर्मे प्रम् युर्मे प पुरायेषायाः मिट्र सुर्वा सुर्वा र्हेम् स्वा पारी दमी सर्वत मुर्वे के सुद्र प्राये प्रमारी दि म्निन्तर्ष्ट्रिर्श्रेम्राश्यूश्यम्बुर्द्शरम्द्रेर्यम् देश् नगुः अघतः श्रुमा नम्श्रम् वतः थर्त्रां श्रें र श्रें म्यां भारत्या स्थाप्त का स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स् क्रेन्'क्रेंन्'येते'्न्यून्'र्यूष्ट्रियां हेंगायां या देंग्'रेन्'नठ्यू'या अवर्'धेन विट र्तृद्र'र्नर'सद्दर्ते हैं गो स्रूटर्से द्र एए येग्स हुर सुर्मुत्र गृहस सद्दर र्देटा भ्रमायर हैं में अधित्य या चे पार्य प्रमुख्य अट से प्रमें पार्वे पार्ट के अप के पार्ट प्रमुख्य के प्रमुख्य के प्रमुख्य के स्वाप्त के प्रमुख्य के <u>५६८५७७७ मुमब्राम्यक्षास्याचे प्राप्त स्थानायम् ५८५० मा द्वाम्यकः</u> त्रिम्भुं र्द्ध्यायात्रामेशाम्ययाञ्चटाङ्गेर्भा मुद्रिम्भा मुद्रिम्भा मुद्रिम्भा

स्ना से नायन न्यान निर्देश वासी के निर्देश क र्नट्नभूर ने र्हेन्द्र तर्गे नशा मन्तरहे मन्द्र गुर्ने हैं में यह से स्था है से स्था है यह से स्था है स तहमाश्चिर्णेर्न्ट्रिंट्र्न् मुर्खेर्अस्तम् अप्याहेम्श्चरा नगादर् न्रुन न्रुं भारा रेपि पुर कुन र्शमाया सर र् मायकु रे निलेन यू शु न्रमा केर् नर्भेन्द्रभयान्न र्ये वैयाण्या मुनक्रियं सके स्वेया स्वीय क्षेत्र सके स्वीय स्व मुन् न्यायायम् निर्देशम् न मार्डमाध्येत्रमाश्चरमा माल्काध्यर् कर्ने स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स् मुर्द्रा वर्षे देश में क्रिया वर्षे प्रमासी में देश में प्रमासी के प्रमासी में र्दा द्वांशर्भे श्रेतं दर्भेतं श्रेवाशं वाश्वार देतु र्वेवाँ दिए। युत्र ते क्षेत्रं वाश्वरं अदेवा उत् या श्रेतं वाश्वरं प्राया स्वार्थ स्वर्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वर्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स ८८ १ तर्नेयामानुसाहसायर देशां यद्रे द्वार चेशू या केंद्रा येसामू सदाविदा न्नेत्रपुर्गुर्गुर्गुर्ग्वरम्बद्धार्भुर्भे ब्रिंग्यूर्ये खुर्या दिस्रुर्ग्नुर्भे अर्था णुः भार्त्वार्यास्त्र्य्यास्त्रा मान्याक्षेत्रास्यामोयाद्यापार्मारासेतास्यापा म्राट्यार्रे केतारी है ये देया पार्टी में याया मृत्या यहता पत्रायमा प्रचूटा में भुं नगेर क्या नलुग्या स्माय सिंदा स्मार्टी स्थार्त निर्मार से स्माय न्नेदेशम्बर्श्याच्छुन्मे न्रुक्षेत्रप्तान्त्रम् वार्षेत्रप्ताने स्वार्थान्य स्वर्थान्य स्वर्यान्य स्वर्थान्य स्वर्यान्य स्वयं स्वय्यान्य स्वयं स्वर्यान्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वर न्वतः ब्रेट्रंशं उत्र किं न्वे त्रेशं क्रियां प्रति हैं प्रति त्रेशं हैं प्रति क्रियां क्रियं क्रायं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रि निह्न केश शेरे मार्मायमा मिट न न्लुग्या पार्टा र्पया या श्रुप् केन पा नर्भर क्रम्भ रन्द्र संदेश्यम्भ रम्भ मुं हेन रु। ग्रयद्र देश सुदे से लगा भा

ॻॖऀॱर्र`हेॱक्ष'ॸ्ग्'रेग'य'अ्पुट्यूर्'तृदेर्'र्रुअ'य्'त्रर श्रूट'य'त्ब्ग्राय'क्ष'तु' शहर् निर्मास्याप्तर्या अर्केग्रा मुर्दे अर्क्ष निर्मास्य निर्मे मुर्दे निर्मे अर्थ निर्मे र्मार्वन र्वे देव देव में देव वर्ष ने के त्र के नाम्य का मार्थ मार्थ के मार्य के मार्थ के मार लगायम् त्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत्राक्षात्राचेत् सर्वेद्र'स्ट्रें 'स्ट्रेंस' स्ट्रेंद्र' सेत्र' सेत प्रवाह निर्मा प्रवाह निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्म के न म्सुद्राप्ते गर्दरम्णदक्षाः कुरमा अशुष्यप्तक्रम् वर्षायम् अस्य यहाँ मार्ग्नित्र निर्मा स्थानिक मार्गित्र मार्थित निर्मा न अ'नह्य'लुग्राकेत्र'ये'रूट'येट'कु'येत्र'य'दर्ग् ठेर्यानस्ग्राय'र्ट्। र्र्य

नेरालन्यादुर्देनपीके भेरानगर ग्रेंभे मुख्या हैगानलेय मेरा हे शेर् यदिःस्थास्त्रेर्त्वार्थाः स्थान्याः नगुदाः विद्वार्थाः विद्वार्थार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्यार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्यार्थाः विद्वार्थाः विद्वार्यार्थाः विद्वार्यार्थाः विद्वार्यार्थाः विद्वार्यार मानाश दे देश अके दूर्ण के अहल द्रें अशु लेना श स्ट्रिं चु श में दि मा द्रिंद मा लूद स्में र्यो के से से त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्र के त्रा के त्र के त्रा न्यालमा सुमा मुग्ने स्थान समा है से हैं है देश में स्था में स्था है से स्था में स्था मे स्था में स्था मार्प्यं सुमा हेया द्वारा प्रिंद्र प्रेंद्र प्रेंद्र के के प्रेंद्र के क्रिया हुंद्र है। यर्द्र प्राप्त महिंद्र रहा कर्षित प्राप्त है। युग्य के हिंद्र में प्राप्त है। युग्य ५८१ मिर्पानहरात्रामां वेशासुराना हुसस्य दुर्शासी । दे दूर्गामास् र्मर्तरमें माल्या न्या न्या न्या स्वाप्ता माल्या मा सह्यान्य विश्वेषा भेषात्य स्यान्य प्राप्त विषया मुट्टी प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त वेरा नग्वापूर्वितं संरानुशार्शि दे स्राम्याद प्रत्यां प्रसितं प्राप्ति से स्राम्याद स्राम्य स्राम्याद स्राम्य स् केंशें द्वा श्रें केंगेश गुर्ग नसूत्र में दूर तूर्गे नते दूत मुक्ते अहिंद पायश

ढ़ॖऻॕॳ॔ॿऀॿऻज़क़ॺ॔ख़ॕय़क़ॖऀऺऺॻज़ॖऀॺॴॿॕॴॸ॔ॻऻढ़ॖऀॱॻॕॿऻय़ॕॴढ़ॻॣढ़ॖॱॷॕॸ॔ढ़ॕऀ॔॔ड़ॗढ़ ष्ट्रिं प्रस्पर क्षेत्र प्रस्तु स्पृत्तेश मुर्देश हेत केतु तमाय सूट र्षेट या अ सुवा त्येते से राये विषय के से प्रेंट प्रति कु से माय के राये के रा देश'य'णट' सेना पेन'णुट्र'वर्त्वय'से दूर्मश'य'वर्गा युर्ग खेन'सुवा होन'न र्द्यायायात्राक्तायात्राद्वाद्वात्रां क्रियां याकग्रयां क्रियां याकग्रयां क्रियां याकग्रयां क्रियां याद्वात्रां वित्रां स्टर् म्टर्गुर्भासिंद्र्या रास्टाम्टर्गुर्भास्य स्ट्रिंद्र्याय्य यश्रण्याम्बर्धाय्यस्य विद्याप्त स्थाप्त स्थाप् याम्बर्धां लेक केन में प्रिंग्य में ने हेन निर्देश में प्रिंग्य में स्थान मे रेश ग्रेश नृत्या पर्यु र उँट्रा एट्रा पर पाउँट मो सुमाश प्राकेश क्रीट मो के <u> त्र्याअत्रुते मगरा क्रेन अर्क्क अंदा यम अदा अदा सुदा क्री में गान सीया दिया</u>

शु'अर्वेट्'बेट्'म्मायाया हे'र्बेट्'मार्डट'यदे'र्नोट्स्'यायत्ट्'यट्'देरे न्यात्र स्थात्र स्थात र्भाष्ट्री मुन्द्रभाष्ट्रीयायाद्रमार्भाष्ट्रमार्थायाद्रमार्थात्रमार्थायायाद्रभाष्ट्रमार्थायायाद्रभाष्ट्रमार्थायायाद्रभाष्ट्रमार्थायायाद्रभाष्ट्रमार्थायायाया त्र्मार्ययाची यार्थायाद्य निष्य हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो प्राप्त हो प्राप्त हो स्थाप हो स्याप हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो स्थाप हो स्था हो स्थाप हो म्निर्याण्यां प्रत्याचित्रा विद्यान्त्रा विद्यान्त्र विद्यान्य विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त्र विद्यान्य द्विगायते त्रभूकं या दम् लेट्र क्यायम् त्र व्यक्त मार्थे त्र क्या या विष्ट क्या विष्ट क्या या विष्ट क्या विष्ट क्या या विष्ट क्या व केंत्र'में ट्रांत्र'ने अ'ग्रें 'वित्रा'णें यात्र मार्या देश मार्वे या या देश मार्वे या या प्राप्त प्राप्त प्रा नर्वित्रत्तुं नर्वे स्वर्धान्य स्थान्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वर

मार्द्धमायम् । यद्देशमार्द्धाः नर्द्धने । वेशान् । यद्देशमार्थाः । यद्देशमार्थ यग्रित्रम्भ्रम् विष्यग्रित्रम्भ्रम् विषयम् विषयः म्वर्यस्य सुन् देवरा देवे प्रदूर्वमा ये द्विर्के के विषय प्राप्त की र्वेम् प्रेले र्देर्'णु'नर्'र्सेम्'र्ध्मा'स्ट्रमा'स्ट्र'र्देर्'रेस्यर'र्घेत्'ठेट'रुस'क्वेमश'स'ध्यादेंदे'र्र्ट्र' नवित्र रु: शुरा हो होना नर्भेन यू इति नगाय कैसस् प्रेसा दुसा न्यु हेर् शोगा इट्यं सेंग्रें मार्थं से स्थी। निर्दे श्री निर्दे श्री निर्दे श्री निर्देश हैं से स्थित से स्थी। निर्देश से सिर्देश त्त्व (नर्भेश्वायमान्य नेर्वेश्वायन्त्रेत्र्ये वियोग्यन्य के वियोग्यम्य के वियोग्यन्य के वियोग्यन्य के वियोग्यन्य के वियोग्यम्य के वियोग्य के वियोग्यम्य के वियोग्यम्य के वियोग्यम्य के वियोग्यम्य के नित्र म्हारामद्द्र कर् सेत्र नित्र मेश्रिक में नित्र माद्दे माद्दे में अद्दे प्रेम् अप्याप्त माद्दे प्रेम अप्त माद्दे प्रेम माद्दे प्रेम अप्त माद्दे प्रेम माद् संग्रित्य में स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स म्हेंबांची विश्वासी है के के के किया के प्राची के मानी का महिता के प्राची है के प्राची के मानी का महिता के प्राची क यूया ग्राट्मो क्षेत्र क्षर प्राट्य क्रिया यावत र मोया या र टा क्ष्मा या क्राया स्थ्या ग्रीया श्रें नुवार्ये निम्मे मिट् बिट वर्सेमा स्टान्या रूट निम्र सेन सम्प्रमा है नग्ंभिनान्दा सक्तिके में सामार में प्रया हैत् मुक् से करू या तृहा हिसा मक्राययम्प्रम्पा सर्किन् श्रम्किन ययम्य स्थाना म्या स्याना स्याना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स् हेनम्यस्य र्भेष्णुयम्भैयानुरम्मित्रान्तान्य न्यान्यस्य स्व श्रीं र स्यू वर्षा अर्वत श्री र प्ता प्राप्त प्राप्त वर्षा स्वर्षा प्राप्त स्वर्षा प्रस्वा केंस्रयाणेश्रास्राक्ष्यायान्त्रा दसम्बायायाचे संगो सेम्रायाम्ब्रास्य न'इसरा'न बुट'क्रा'न्द्र'मेंया'नु'पर्केट'न'न्टा सु'मासुट'युमारा'णे'हेत'

ननेगर्डेटरन्द्रभेद्र्णेमुक्क्रिनेदर्भेत्र्यार्भेग्र्यार्भेद्र्भेद्रभ्यास्य यूनं यंदे मार्गात्र्यां दूरा है व सिट से हैं असा मार्ले नदीगें है ने हैं ते है ते हैं ते है ते हैं त यम्या इट् ट्रा क्षेम्यायायाय प्रत्ये द्या ट्रायेटा प्राया प्रमाय प्रम प्रमाय प् यश्रिप्तिं द्र्येट्शं याष्ठ्रमूत्रात्रात्रमूत्रात्रम् स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्रा 5्रार्श्वर्द्धर्मेट मो खुर्यू र्युमाय पर्ने दमा प्रयम्य या शुर्द्र स्याम नेम्या सुर्वा पहिमाराम्भ्राभ्यं में महाने निष्ट्राम्य निष्ट्रम्य प्रमार्थिया स्तर्भा नसूत्रं स्रेत्रुवारा विश्रामाश्यमा दे प्याराष्ट्राम् वास्त्रुत्रुवारादे रूप्यामे वास्त्रामा एर्नेन्यास्त्रुं केत्रां नगानेनाता इस्मुयायस्य मुर्गेन्या नित्रुं सेन्या स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् श्री मिष्ठ जट प्रदान मेर् अट सं ज्या क्षेत्र मेर देश से क्रिय मेर क्षें भें ने शुं रें दाया वर्ते शूर्वों शया पर्। दें र्मा हु शद्रा सुरा शुं त्रे सुरा या विद्यूट न्यू त्र विद्यू रेट । युगू वाहे के वे भे शेट् म् उव् ह्यू वा भे वे नागवा पत्रुमायमाप्त्रे भूत्रहेमा तुमाणे घामाया व्यामा हे केता रेपि पसून्यम दूर नर्दे रुश्शु है अं क्वें सेंमां शंशु प्रश्नित्र मूर्य न्य स्वर्ध मार्थ केंग्यों मुयारेंदिरहुँयां दुर्चेत्रं वृष्णं चस्त्रायां दूरा र्षेष्ठाया उत्तर्भे । विषणा वृद्धार्थे । विषणा वि त्याद्रश्राम्यस्याद्रा अत्याप्त्रम्याद्र्याम्यस्य विष्ट्रा देन्द्रभाष्ट्रम्यस्य विष्ट्रा देन्द्रभाष्ट्रम्यस्य विष्ट्रा देन्द्रभाष्ट्रम्यस्य विष्ट्रा देन्द्रभाष्ट्रम्यस्य विष्ट्रा देन्द्रभाष्ट्रम्यस्य विष्ट्रम्यस्य विष्ट्रम् र्टा उमामो भ्रुत्रा समीत संघु कैत केश णे मुया से पर्टे हैं दे हुए सूर्या य'त्रद'र्द्धत'र्ये र्रेत्याले'त्र'यार्द्धर्यात्र'र्थ्थ्या वर्ष्ट्रर दुर्द्धर'येत्र'या देत्र'तु

्रेयेश्वासमीत्र्येशायापित्रेयेश्वायाप्त्रायम्यायाप्त्रायाप्त्रेयाप्त्रेयाप्त्रेयाप्त्रेयाय्यायाप्त्रेयाय्यायाप्त् भ्रामेश्वासमीत्र्येशायापत्रेयेशायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्रायाप्त्र येवं निर्वित्रयम् वर्षायि क्षेत्रप्रेत्ये वर्षाये क्षेत्रप्रेत्ये वर्षाये क्षेत्रप्रेत्ये क्षे श्रीत्र त्र क्षेत्रे त्र क्षेत्र क् मह्याद्वित्राधित्रायाणाः वैद्याला है प्रमुख्या स्थित् स्थित है महिंद्र प्रमुख्या स्थित स्य इंसॅश चैं मात्रमा । दुश सूनम खेंवा नर् द्र सुर् । पा दुवा नर पु निरे त्त्रायं भेटी प्राधित पर्ते न प्रति (व त्र न पर्ते मार्च प्रति से प्रति । व त्र या व त्र व त णुयाया निया प्राप्ता वार के ति ता स्था के त्या के त्य ट्नारायाध्यात्र्रायायात्र्याय्याय्याय्याय्या देराकेराह्येयाः श्रे क्ष्रश्चा व्याप्त विद्या विद्या के त्र क्ष्या क्ष्या के त्र क्ष्य के त्र क्ष्या क्ष्य क्ष्य के त्र क्ष्या के त्र क्ष्या के त्र क्ष्या के त्र क्ष्य के त्र क्ष्या के त्र क्ष्या के त्र क्ष्य क्ष्य के त्र क्ष्य के त्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य के त्र क्ष्य क्ष्य के त्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष त्रयात्माम्भेषात्रेवार्यस्थार्थात्रेष्ट्रायते त्रम्भेवायते स्रायामानेगुषा निद्रा देश'ग्रेश'भूद'र्दरेवेव'म्बार्ट्स हिट्याम्बार्च्य प्रमुख्य स्थार्थ्य सहित्यायम्

मों खुरामाट प्रें पर्मेगु हे इस्स्यु सु सु ट्यं प्रहेत रेटा ५५ रहत सट में य नक्षेत्र नगुरुषे दुर पे अश्वार्य रेश देगार क्षे दूर्भ अर पश्चर यासुस सेवास यर्त्यं नामिर्मिकेर स्या रेर्मा हर्मा संस्थाय से हित्र न्या स्थाय से हित्र न्या स्थाय से से स्थाय से स विर खुमा में। यूरे 'ठु म्ब्रिम्बर' हे। बर्ब असी है। यूर्व कर ये हैं। दूर खुर पर है। दूर यह कर ये के दूर यह कर ये के दूर यह कर यह कर ये के दूर यह के स्वार पर के के से के से के से के के से के के से क वित्र शुर्या केना सामा स्ट्री में प्राप्त में में प्राप्त स्थान स् यान्य केंद्र भाषय क्षर णे र्द्र केंद्र भट्ये लग भेर्षेट महिट केंद्र प्राप्त प्राप्त केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र मुंभान्यर्ग्नेयायायान्याक्षेष्ठां संभाग्ने अत्रयायम् स्त्रे अराष्ट्राम् यस्य ल्या देवा ने व्यापाद में पाद्य क्या प्रमुद्र हु दर्जे मा खुर्य दु प्रमुद्र है कि मुन्यत्रेन् भे मान्यास्य निवास स्राप्ता वर्षमा स्राप्त स्था है सम्या है निवास है मान्य है निवास है निवास है निवास स्था वर्षमा है सम्या है निवास है केंबा सुराया या बार्या केंद्रा स्टार्स केंद्र स्टार मार्थाया मार्चम्या भ्रेन्या मार्नेट रेड्या मार्थाया प्राप्त मार्थाया मार्याया मार्थाया मार्थाया मार्थाया मार्थाया मार्थाया मार्थाया मार्था र्दा नगरमभ्केर संगया कुरायर मान्या रेजया तहसा र्युट्या केया हेति मान्व श्वानि केव सुमा हुँ र्चेवा ने र्यं चंडिंतू ने से र प्रचुश के माया श्वा विवा ने स्वा के स्व प्रचा के स्व के स्व के स्व प्रचा के स्व प्रचा के स्व के त्वैद्युत्य महाराष्ट्र महित्य मुर्भेर्भेर्न्यत्त्र्यार्जन्यम्भाग्धेराष्ट्रियार्थेर्म्यकेन् भ्रुद्यार्भेर्न्य

सहयाम्बर्ट र्ब्र्गायायर्वेरात्रास्यसा ने न्यार्थे सेत्रीत्रास्यसायास्तर् म्बिम्बर्भर्भे क्राप्ट्रम्बर्गेष्ठा हो स्वर्धित हो स्वर्धा होता हो स्वर्धा होता हो स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व गुणर्अर्युगरु ५ १५ ८ यट १५५ ३४ ३४ गुगरु ५१ दे भूट निकु ५ ५ वे अर्थु अर्थे र्येग्याय्यम्याय्याय्याः स्तर्भात्याः स्तर्भाग्याचेग्याः स्वाय्याः स्वाय्याः स्वाय्याः स्वाय्याः स्वाय्याः स्व पर्मापर सूर्दि <u>[</u> देवस सुर्धे या से दि सुर्धे या स्वाप्तिया स्वापतिया स्वा यम्नि यात्रहेत्र सर्दि यम् सर्वे प्रति यात्र यात्र स्याप्त स्याप्त स्थाप्त स्थापत म्रित्रश्या पर्मार्यम् पर्देश्चर्यस्था पर्वाप्या स्थाप्या स्था स्थाप्य स्था स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था स्थाप्य स्थाप्य स्य म्नेदंगे र्सुगर्या वर्धारा उठ्र दुं द्विया यहा के क्षेत्र मूर्य द्या स्वा देवा मा का यर्केदा दीरमित्रभाषमाक्रेमप्तिर्भारमित्रभार्द्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाषेत्रभाष्ट्रभाषेत्रभाष्ट्रभाष्य रुष्ट्रिम्श्यापादापाळाचाओरुपयापायार्गेमायदेशक्ष्याम्बर्धाः यदियोगिः हेन दिर्पत्र्यायाद्वीं वान्याद्वायाद्वीया वान्याद्वायायाद्वायायाद्वायाद्वायायायायाद्वायायाद्वायायायाद्वायाद्वायायायायाद्वायायायायायायायायायायायायायायायाय ᠬᢖᢖᢆ᠍ᢀᡩᢀᡝᢩ᠑ᠸᢂᠸ᠖ᢩᢐᠬᢏᢋᠳ᠘ᢩᠮᠫᢍᠸ᠑ᢆᡟᢂᢣ᠒ᢆᠫᠸᢩᡯᢆᢪᡧᢧ ब्रिट्यम्मायाळे निह्न से हेत् स्रम्यस्त्र में हुट्ययम् प्रम्यस्त्र में स्ट्रिय्य स्रम्यस्त्र में स्ट्रियः स्रम्यस्त्र में स्ट्रियः स्रम्यस्त्र में स्ट्रियः स्रम्यस्त्र स्त्रम् स्ट्रियः स्रम्यस्त्र स्त्रम् ॸॖॱॻॾॖऀॻॺॱॻऻॱॺॖॖ॓॔ॺ॒ॱॸॖॕक़ॱ॒ॺॸॱऒॺऻॱढ़॒Eऒॱॻॖ॓ॱढ़ॺॱॻॺॱॿॻॺॱढ़ॸॖॕॕॸॱढ़ॻढ़ॱॿॺॗॱ

भ्रम्या हे भ्रम्यम क्र्रिण मुलार्सि हे द्रायत्र महिन्यमार वर्षेत्र भागिरेग्या स्वायां प्राप्ता स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स ष्ट्रिं रूपें भू र्वेमाया हैर प्रमुग्नियों निर्मित सरे क्रिं से से हिर पर हैं। क्रिं से से हिर से से हैं। क्रिं से से हैं। क्रिं से से हिर से से हैं। क्रिं से से हिर से से हैं। क्रिं से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से से हिर से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से से हिर से हिर से से हिर से से हैं। क्रिं से हिर से से हिर से ह गुंबाने। श्रें सेंट्र हें दादमीबाद्धवार्थीमुं गुटा ना द्वा देवे हे बाबदेबा वर्टी ना स्ट्रिंद्रिंद्रिया प्रचिमान्त्रम्याण्यात्रिंद्रम्यायायाः विकाराम्याः विकार्याः प्रचारम्याः विकार्याः प्रचारम्याः विकार्याः प्रचारम्याः विकारम्याः विकारम्य बेर्पार्या रेपि हेब रेन्स्क्रिंग्सेंग्सेंग देन सुवाय हंबब एवर महास्थ्री हों याम्बर्यान्यं निवेदा नगायं र्विमा श्लेक्ष्म मुना सेन् प्रयोगम्याम् यास्याम्याम् श्चरमाल्यास्यामानुत्राचार्ट्या देरायनुमायामस्याम्ह्रास्ट्रमान्द्रसा ॻॖऀॺॱय़ॖॻ॑ॺ॓ॱॻ॑ॺ॑ॺॱॺॱ८ढ़ॕॱॻॖऀॱॿॣय़॓ॱॡ॔ॱॺॖॱय़ॺॱढ़ॾॺॱय़ॣॗॗऻ ॺॖॕॻऻॺॱक़ॕॸॱॺॖॱय़ॺॱॾॖॻॱ यदे देशे अहर या अम्मिना यह र्विम्या स्व र्वेम्या स्व रेम्या स्व रेम्य स्व रेम्या स्व रेम भाग्नेमार्यते द्वा गुर्द्धा युर्वे स्थ्या र्यूया संस्था रस्य संस्था रस्य स्था रस्य स्था रस्य स्था रस्य स्था र मूर्नेम्राश्रेश्र्राउद्मार्वेद्याशाचेद्याया वित्रुष्ट्याया देत्र ह्यू म्यानेम्या शेव द्या ग्रे पंगा या वेव दु अह यूर् यम् यूर्य पूर्ण ग्रूट । वि वेदे या वेश कु दूर्नर्धेन र्यम्भगण्टिर्ने ने प्रमा भनायां समगण्डे हिराने भना प्रमे भना योग्रेन्येत्रमिन्यम् अर्द्यास्य स्थान्य स्थान् क्रमार्डेन नर्गेश यम ण्ट्रमाय्य हेंग्रायये यद्ये यह शे क्रियं के द्ये क्रियं क्रियं म्शुटूश्यं पं दिया थे नेशं समें क् रेंट्रे कु द हे सब द दमं देग री सदे श्चर्णं र्वत्यामाश्चरमायर्गा पर्मा पर्मा क्रियामार्के साम्याया स्वासार्थम् अंदेर हुंद 'णु'प्रशचुश'या इसश'प्रमा'या प्रेर्क क्रो न्वृणु'श्रुय'यपद 'प्रमा'यर'

उर्वा द्रा बर्ष मुरा ध्राम्य मुरा मुरा मार् राय के बर्ष मार् के विकास मार्थ के बर्ष मार्थ र विवास मार्थ के बर् ने अव देन जैसाओ निमान देशसम्बे नुराम स्वेन हें हा क्षेत्र महामी नेन सिया द्याप्त भूमः यत्र कर्ष्य प्रमाणि व स्त्र प्रमाणि । क्ष्य प्रम म्तर्सेन्यस्त्रित्तं विराद्यस्ति । विरादस्ति । व भेरत्यम्यम्भक्ष्र्द्रयम्भ यरत्रुमाश्चे मिर्नेश्चर्यम् प्रत्यक्षश्चरमारायश्चर्यश्चर्यात्रम् स्था वर्षे क्षे में ट्रुप्तुं मुन्यों स्निम्या पोवू पूर्वा द से व ग्री क ग्री क व दिव के व इटा इटमोशमार्ड्यायदेशस्य विनायदे हैन यहमा सम्या विनायटा समूया ग्रैंश के या श्रेमा मांचा कु या क्षुर रेसा माँद के हर् ग्रेट्र रेप छित्र या श्रेपे हे के र्या के राम हिता है रेप माँचे के प्राप्त के या श्रेपे के रेप पर्मा मिर्म्पा हैं। म्यूं मिर्म्य के मुं मिर्म्य के म्यूं मिर्म्य के मिर्म् वेन्नम्ययायात्रीवेश्वंद्रास्य प्राप्तात्रीय क्षेत्रम्य प्राप्तात्रीय क्षेत्रम्य कष्टिन्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य कष्टिन्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य कष्टिन्य कष्य विष्य कष्टिन्य कष्टिन्य कष्टिन्य कष्टिन्य कष्टिन्य कष्टिन्य कष्य विष्य कष्य विष्य कष्य युग्राचे ८ र्यर ग्वाय के लेश गंश्रा रा हो य रेया छै प्रश्रा है र हा से देया र्विमा न सुर्या दे क्या देश मुंखं घेद घेया से मी शुट यद शे से रासके मा दस्त

नन्भशू तस् ज्ने श्राह्म द्वार प्राप्त स्था सुत्र त्या से सुत्र प्राप्ते प्राप्त स्था सुर्थ के स्था स्था स्था स सूत्राण्णेसकेंग्'रु'नर्द्वात्र्यं ठे'गश्राम्यणे'नगत्रेंस्'यर्'त्र्यं प्रश्रा क्ष्र्र यत्र मानायाया सेनाया निर्देश सेनाया विश्वाद्यत्य विद्यानुस्य प्रियानास्य प्रकेता प्रेयान्य प्रेया प् श्चेर्णे'प्रश्रिक्षायाम्यापदे स्वायापायाम्याप्ताम् अत्रापार् र्भेंदें अं र्वेर के हिराया क्षेत्र पर है अया पद र र्पूट के मूर्य स्थ्य प्रमा से तया नमुन्ने क्षेत्रीत में के दिन्य सुने देश सम्मिन्ने वित्ते के हैं किन निम्ने के सिन्ने क विश्वायोग्यायम्। यद् प्रभाव द्वायो क्ष्यायो क्षयो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्षयो श्चित्रणेगार्डण्टार्ळग्राशुगुर्यट्यात्यार्ने रेट्यायर्हे त्रास्तुर्यहत र्चे हुँ न्द्रा ने प्रत्या के स्था ने में प्रत्या में स्था ने यते^ॱशुग्राशॱहेतें'त्राय'णुय'यनें'यतें'से'सेंस्'इसया'णु'ङ्गेट'य'नर्डत्'श्रम्य'

शुःलुम्यारे ने सम्याणेशा तम्मार्या मर्दा ममुद्दा मस्यार्थ मर्मेया मार्थ म ट्रॉकें'व्ट्रेख्र हेर्प्यूकें देवाबाल्या वार्टी वे वाव्य केत्र केत्र हेर्रे हे स्वावा युट्नी श्रीत्रं या श्रीतं मार्श्वराणीया परित्रामार्श्वराय विद्या या परित्रामार्थ्य या स्थार स्था स्थार र्ये न्या केंब्रं क्रेंट्र मी न्या केंद्र न्या विक्रं न्या केंब्र्य थे क्रिया केंद्र में प्रेंट्र केंद्र में प्रेंट्र केंद्र मार प्रवाद केंद्र मार केंद्र मार प्रवाद केंद्र मार द्रास्त्रित्यं मार्वे क्रिंग्नु क्रि क्रम् स्थित्। स्थानिक र्वेता रेम भेमें ने अर्मेत में अर्थ नियम में मार्थ है सूर्य समा अरम्भ पर्य दिय मॅल्ला प्रमान निया निया में नि उन्दर्भसुयानदे म्म्यास्टर्णा स्वर्षे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्ये स्वर्णे स येते में द्रांत्र स्वाप्त के क्षेत्र के का में के स्वाप्त के स्वाप्त यार्भेयायाः भ्रम्पायाय्वेरावयार्थेयार्थेया विद्रुत्यमा स्थया ग्रीया विद्रुत्यमा स्थया स्थया विद्रुत्यमा स्थया स्थय रिगमो के गर्दा में मुया भे भू रेख़ इस पर गर्दे के पद के पर राष्ट्र है पर राष्ट्र मु घर्मसंयास्याप्त्रें न्याः मेश स्वाधानाः न्याः मूख्यां यस्य स्विधाः प्रितः म्याः स्वाधाः स <u> न्यमा न्यें क त्या गुप्ते या गुप्ते प्राप्ते प्रमा भूते प्रमा सुर्य प्रमुर प्राप्ते क प्रमा</u>

ष्टेर हे ज्ञास्त्रे भुभड्त ५ ५ ५०। ५५० ५ ६ मा से श्रे र मर्ट एये दूरमा रस्ट केंद्र सेंद्र क्षेत्र या या या या अस् इसू सम् कुर् प्रत्र कुर् स्व प्रत्र स्व स्व प्रत्र स्व स्व प्रत्र स त्युरा इद्यान्य विश्वास्त्र त्वुंगार्केशं श्रेट्या सुं र्चुं त्र्यासून्य विश्वा न्यायां में प्राप्त क्षार्यों क्ष्र्यायां मान्द्र प्रमायां नेयायां क्षेत्र मुद्रिक्ष के कि प्रमायां क्ष्रा मान्य यम यम् यम् यम् यम् यम् प्रमायाः के विद्यायां स्थायां क्ष्रा मान्य स्थायां क्ष्रा मान्य स्थायाः के विद्यायाः के व रातः भ्रम्यश्ह्रेतः हश्रुः सुयाया भ्रित्या देरा त्रुवा केश् श्रेट्या शु जेट्या केत वैन'य' इसर्थ दुट' वर् 'णुट' स' वैग्राय में हे 'है र 'सुग् 'फु' पत्तू ये 'हे दे पूर्व में यश्चम्यानेत्र निर्देश प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्र श्रेन्युगरागारेश्णु नस्तर्यप्टेंत् र्सूट् श्रेयानया हे से सूर्यम् युगरा मुं भे र्शे र्शे र्रे में मुंश दर्श क्षे में प्रया भें के पर्दे से दर्श भाषा के मुंश प्रमाश है।

वेर'णु'ख्य्र्दु'सुरु'र्स्या'य'ययदा'इस'ईम्'क्रेर'चेर'रेट'म्र्रेत'णु'मर्देर'य' र्ने न्मा मुर्शेट में इंश्रेश या सर्दे सुर्शे पुरे के त्यु या सुर्वे में श्रे के कि सुर्शे हैं के स्था से कि सुर्शे के स्था सुर्शे के सु <u>५५०१ हैं हे प्रेंहें के या कें कुर्भे के नाग प्रमम्बर्भ कुर्दा या वे अधुक्या मुक्र</u> चर्ते कुर्यं शुर्वा के श्रिक्य में प्रति के स्थान्य के प्रति के स्थान्य के स्थान के स्थान्य के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान्य के स्थान्य के स्थान्य के स गुँ हेर नंबेट राया नहीं। नमें पर्व शुँ पर्के तूर्यम् राया मुह्न सेरी गुँ न् केंया मुन्यास्य स्वाप्त विकार् निर्माय क्षेत्र प्रमाय क्र च्यमायामादाददामादादमामोगा भिक्रमायोगमाद्रीयम डेशमहार्थरमं हिर्म र्शेर्सिये सेंशेंदे र्से संतु प्रतिस्थान र्वेतु पर्दे अध्या निगर सेश एया या पद्या अद्यु सुद् सिट दु र्चु त वय तु प मॅंडिंग'र्डभ'युगंभ'र्नभू'य'यलुगंभ'रुभ्'अयु'भूय'यदे'गवभ्'णे'युर्'येधूर्' हुः १ स्थाप्याप्याप्या । समीन संग्रान स्थाप्य स्थाप्य दे हो । स्थिन प्याप्यापा रैंअ'मेश'गु। विश्वप्रचुट'या भ्रम्प्याया यो मेशासमान पर्वायसमानमा

न्य्रम्याभुकेंद्रार्थम्याम्याम्यास्य स्वयास्य स्यास्य स्वयास्य स्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य कें हे मार्टर प्रमादित रेम या लिये के मार्थ में प्रमाद त्वमायागुन्भेम्बाण्यानुदार्बर्द्याद्वर्पन्नहुन्द्वर्णस्यासुर त्युद्यायायायां हे के द्वादाया सुत्र तहत विश्व विष्य विश्व व र्पमायेन्या रेर्द्रेन्यं के के र्यायक्ष्य पहिन् हैर्द्रित में तुर्वा प्रमाय क्ष्य मान्यां भी प्रति स्वर्धां सेनायां के प्रति स्वर्धां सेनायां से प्रवर्धां से स्वर्धां से विषा गुःक्ताशेससूर्वपतः केत्र्यां इससा ते गुर्यास् विषा वृद्या गुर्या निषा निष्या विषा निष्या निष्या निष्या निष ५८१ वृश्य्यं कुर्धे व्याप्य अर्थे यश्याश्वर्षा यदे कुष हे भ्राप्य विद्युद्ध न्मिन्या है। विनाया र्वत न्वानिया या स्थाप के स्याप के स्थाप के स नग्रमाकेन यापि क्षेर पक्षन हे लेंदाया हो दूरे सुन् विदान्ते सुर प्रशा मार्डेन् प्रेंत्र मुंद्र प्रेंत्र मार्थ्य मार्था । माल्य प्रांट प्रेंत्र में स्था से मिल्र प्रांट प्रेंत्र में स्था से मिल्र प्रांट मार्थ निवेत् भ्रुत मौन 'ग्रे' हेत 'प्रोप प्रोमय 'प्रमु मुर प्राती ये मेथ अमेत 'पे मुन'

हमारासर्वेमा पृ सुर्पर मार्ने का सी मान्य देर स्मृ मान्य देर स्मृ सी सार्वे का सी सार्वे का सी सार्वे का सी सा अह्यान्यम्प्रमान्त्रीत्र्रम् मानुन्यस्य वर्ष्या वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्षाः माश्राद्यवश्राण्यस्थात् स्टूर्यस्य हिर्मान्तस्य हिर्मानस्य हिर्मान्तस्य हिर्मान्तस्य हिर्मान्तस्य हिर्मानस्य हिर्मानस्य हिर्मानस्य हिर्मानस्य हिर्मान्तस्य हिर्मानस्य हिर्मानस्य हिर्मानस्य हिर्मान्तस्य हिर्मानस्य देन संक्रिया क्रिया क्रिया मार्थि हैं जिस क्रिया क्रया क्रिया क् रेतु भे क्रिया सुमा नू रेत्य लेट मा माया ५८ केया केत रेत्या राज ना माये ५ जा समीत् सं अहेश प्रति श्रिश्च द्वा मिठिए स्ट्रा स्वर्थ से स्वर्थ प्रति स्वर्थ स्वर्थ प्रति स्वर्थ स्वर्थ प्रति स्वर्थ स्वर्थ प्रति स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर् क्रिंट रूपर्'तु पूर्वा यदे संग्रंपदे क्षा मुन्य क्षा मुन्य यदे हो स्राम्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स रॅंद्रम्बंशकेर्द्रभ्ये स्ट्रीमशूटशू देखा प्राप्त विद्यान के स्वाप्त के स्वाप् विषामाश्रुम्याभार्ते। प्रित्र्यामामा । प्राधिषासुम्येष्ठा सुरायाभारा । विषामाश्रुम्याभार्त्रे । प्राधिष्ठा । न बुक्त सुनुत्रे केंद्र दे वहें के खे देवा महामूख्या महिला विकास महिला के कि कि महिला के कि कि कि कि कि कि कि क मशुँभ भर्कें ने रे 'ग्रे' ह्या ग्री र तरे 'क्ष्मा महि सुमा सुट मुंग र र करें 'ग्रेंस' र दा के स्ट मा सुमा सुद मुंग र र र करें 'ग्रेंस' पर्ने द कम्बार्य देवे कु द द एष्टम इस ने बाय इस द मुद्द द मुद्दे देवे स्वार्थ है स

क्रूयायायेम् नुप्रम्यायुर्यासूर्या र्रिण्णे स्ट्रेंत् नुर्रित् नुप्रदर्शेयायर श्रुक्त विषय विषय प्रतार प्रतार क्षेत्र क् रे मुंश्मीत रेट में के में के पार्थ के में विट मार्श रा निर्देश में स्वारी समीत रेति मुन प्यान विदेश महाराय राष्ट्री स्वाप्त माना विदेश स्ट्रिस स्वाप्त स न्यास्त्राधेत्रासम्बर्धेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् सहर्ते। विश्वार्श्वेर्म्यानायदे मुग्यार्दे त्यास्त्रीय स्वार्थे त्यास्त्रीय स्वार्थे स्वर्थे स्वार्थे दित्य नियम् यदि म्मायं देव क्षेत्र अदिव श्रुं या दुर्ग या क्ष्य स्वार्थ हैत या देव स्वर्थ हैत स्वर र्सेमात्त्रचार्यं अर्थेटाचार्यं संगित्यं त्र्यां सेमान्यं व्याप्तां त्र्यां प्राप्तां व्याप्तां व्याप्तां स्वाप्तां स्वापतां श्चार्गे 12.र्भेट.क.पर्नेजॅ.पर्वेट.चर,प्रक्रैर्ग विश्व.र्ग.सेर्ग वर्वेश्.यी.क्र्य.ता. <u> नगाये से हे कॅराबा उन ग्रेजिं न्या अवाकन या ग्रुटा क्षी गठटा गोर्श्वाया सुन</u>

र्केम्बार्म्यामुयापर्द्वार्थे। ५८ प्यरुषान् विष्णु मी स्पूर्णे प्राप्ति विष्णु र्द्रण्टायत्र्रेर्श्टा वर्णात्र्वांग्यय्र्येग्यायर्षेग्यायर्श्वेत्राक्रा वर्षेर्येषुरे भूर ठेशमशुद्रा है। युम्बामा हैश वर्षेर वेश वर्षेर पर् इ.एडीमान्त्राचेश्वाचेट्रा रित्त्या हेश्यत्रीमान्त्राच हेथ्या हि.ए यंग्राम्य न्त्र त्रुद्धिया नड्डू । अत्र न्य प्रे नते न ने में में प्राप्त क्षेत्र न ने में प्राप्त क्षेत्र में प्राप्त क्षेत्र न ने में प्राप्त क्षेत्र में प्राप्त क्षेत् यद्भवर्षा विद्यानिक्ष्य स्वापित्र न्या विद्यानि । प्राप्त विद्या मार्थेन । मार्था उन प्रतापेश एहेमा हेन नगर। । श्रुपा परि सेन प्रथा कर त्मिद्यं भवी । मुः संक्रुं न्यू न्यू द्वा । दें भारा । दें भी से स्वाय महिष्य । स्वी । क्षेत्रप्रसेत्रभ्रौ ।सूर्वरश्चेत्रस्यामेत्रत्येत्रम्राम्यम् । ।सघत्रप्रलेत्नायस् श्री सेया निर्माय के प्राप्त के प्रमाय के प्रम यतर व्रेम खुया रु पर्दर पर्दया सुगा या लेखा ग्रामा बार पर्दर हो हो हो स्वर स

<u>ॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖ॔ॶॺॱढ़ॖ</u>ॕॱॾ॓ॱढ़॓ॺॱॻ॒ॻॺॱय़ॱॸॕक़ॱय़ॱॻॖक़ॺॱय़ॖॱॺॱॿॸॱॶॖढ़ॱॺॏॺ॒ॱॻॖढ़ॱग़ॗॻॱ ह्ये अम्बिर्ने र्रे र्रे मुन प्रमुद्धार्य वर्षे र पर्दे पर्दे पर्दे अस्य र है से स्थान है से स्थान है से स्थान म्मार्ग के का स्तार्थ स्त्रार्थ स्तर इस्राया के के प्राया में प्राया स्याप्त र्द्वे तर्भया में निया में रे पाट केर में पि लिट दिर भी श्रीमा के भार हा न उस लिया उट्देन। बर्देत्यव्यत्त्र्वयाय्यंत्राद्याः केष्याः व्यव्याः व्यान्यः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्यव्यः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्यवयः व्यव्ययः व्यव्ययः व न'न्यात्रयारेट्यास्नव्याण्यानस्र स्वेत'ययात्रेट्'न्'यावरा दैर'णेंद्'णेंको' इसर्ग्णेशयारे नयम् हे तूर दुवारा पशू य ने हे वास्वा नय देश देवा न्तु वर्गानु नून यात् रेश लेश दर्गश यदे देश अर्धर अर्थर । भ्रागत्वार प्र महेंद्रायाक्षे रे भूअद्वाणे लया्द्रणामा अप्यरमा यमा श्रमाय देवा यो देवा है हा है। वह्रियम्भामाध्यम्पराप्तराप्तराप्त्राच्यान्या व्यक्षाव्येताः वायर दुःग्व्याय प्रथय उद्दर्ग्वर में व्याद निवेद स्थाय उत्ते चुर स्था मुना तकेंगे हैं चुनाय न्या यय ने वेट्या यर वु नया नासुर र ने माने द र द्या येषा पर्दाप्त प्रदेशका येदे दूयदा में हा । दिवा मुर्जेना यदे अशुकेता या विश्वान्याने प्राप्त नियान्य प्राप्त नियान्य क्षा विश्वान्य नियान्य विश्वान्य विष्य विश्वान्य विश्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विष संक्ष्माया ने ब्रम्बा ने दे निया हुन हो बाबा से प्रम्या से प्रम्य से प्रम्य

मालक में मार्मिया ना भावें में त्रीया है. त्रा क्रा है मार्मी से मार्मिया में मार्मिया नर्भित्र देर्भ्या भूषा हैं से मुर्ग हो सुर्भिया के र दिवह है हैं दिया विषय स्याप्त्रमार्थेन्य्याप्त्रम्यार्थेन्यः श्री वित्ता सार्येयः त्रायाः स्याप्ता सार्येयः सार्येयः स्याप्ता सार्येयः सार्येय न्रेर्पत्युर्र्पत्र्पत्युर्पण्यात्र्वातः भ्रेत्रचेत्रप्तात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्यात्र्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः प्रमाण्यात्र्या ने भू रे रूट रेते अयु के दे के शेंग में या पार्टी या नर्टि या न्टि या सक्त क्षेत्र मुक्ष एत्र प्रमान क्षेत्र हो। क्षिम् केत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्ष स्त्र क्षेत्र मुक्ष प्रमान प्रमान क्षेत्र क्ष रार्गिवरातहग्तर्भह्रात्रा विद्यार्गत्यात्रेयार्ग्यूर्ये राष्ट्राया वैत्रा ग्रीका प्रवेष में भ्री वित्र प्रवादि ध्रामा पे प्रवेष में प्रवेष में किया के किया में में किया र्माद्वे ख्रीयामार्वेद दुं 'हुँमा दें या कुंदु देन स्वेनयां पूर्वेद बेन के दें दुं न स्वाया या चलेता लच्यां दुरं रेतं केतर्ये केतर्ये केत्र म्याया रेतं प्रदायमे चलेता त्रा क्रिं क्र र्रोप्या श्रीत्रा केत्र श्रीत्र केत्र भीत्र क्षीत्र क् चैन'क्यूर्फ्रक्र्य्चेन प्रेने देशें राज्ये वार्षे स्वार्ष्ट्र र्शेम्र्रणे मार्ट होतू नंडबी कें सूंब भूव नवट निमान पंदे में मांब में हिंदा भि मांब में खुवें हैं

नभ्रेत्रणट र्युम् अपेर पर्देश। पिर्यया न व मूर्य एर्से म् पर्दे से पर्दे से पर्दे से पर्दे से पर्दे से पर्दे स न्ति देशा श्राह्म स्थाने स्याने स्थाने स्था त्त्यात्रंभाभकेत् भ्राम्या द्वार्यात्र मार्थित मार्थित मार्थित स्त्री मेर्येत्र हैं। स्त्र प्राप्त मार्थित मार्थित मार्थित स्त्र मांत्रद्येशं यात्रं रु.स्.में मांश्रद्भेत्रं प्रेत्रं मांश्रद्भेत्रं प्रेत्रं प्रेत् यदे'ये'अर'वेश'यदे'वर्गुर'क्षेट'यदे'त्रोगश'यश'स्याच'र्'क्षेट्ट्'चय'येदे' भ्रायट द्वाय प्रति में द्वाय प्रति माल्य प्रति माल्य प्रति में में माल्य प्रति में में माल्य प्रति माल्य प्रति माल्य प्रति माल्य प्रति माल्य प्रति माल्य मा यम् सहित्रे दिन्त्राहे न्या स्वाद्या के स्वाद्या के स्वाद्या स्वाद र खुट अं नेमा अन्द्रा पुर्यमा में विषय स्था अर्घन से प्रश्नि प्रमुद्ध होते द्येत्रा सुंमिन्नेस्पेर्द्धयाम्स्त्रा द्युश्मिर्द्धयाम् स्त्राम्य त्रा अवतः श्रुतः मान्या अद्भार्थः व श्रुपः । द्र्याः अवतः श्रुतः अद्भार्थः । व श्रुतः अवतः । व श्रुतः । व श्र

अप्येष्वेषण्णुः भुष्पुत्र्वयम् विष्युष्ठेष्ठा अटवः षूटा गुर्वे हेनः मुत्रुवायाणुः भु मुन्यःमेद्रा भेर्द्रेन्द्रं नेलुन्यास्यं नार्थियः है। न्राचित्रः चनाः खनाः वर्षाः क्षेत्रः कैन्यः चीत्रः चीत्रः वर्षाः क्षेत्रः निष्ट्रे न गुँभर्द्रा मानुरायार्थम्यापर्दित्यं वर्षित्रहुर्द्रा नुस्यापर्वे स्थान्त्रास्यास्य विगायदायाद्वा वर्षायात्रास्य मानुदार मेत्रु में क्रिये द्वाये प्राप्त में मानुदार में क्रिये क्रिये द्वाये प्राप्त में मानुदार में क्रिये क्रिये द्वाये प्राप्त में मानुदार में क्रिये क्रिये क्रिये प्राप्त में मानुदार में क्रिये क्रिये प्राप्त में मानुदार में क्रिये क्र त्रम्यात्र विद्यास्य प्रम्य क्ष्यात्र विद्या विद्य मतः द्वार्यक्रिक्त में श्रें क्या द्वारायक्रियं प्राप्त स्थान्य स्थान यते हिटाटे वहें में क्षेत्रमा द्राम्यमानुदान केत् येश क्षेत्रायस प्याप्त माल्क मुं भैमा यसं र् प्रेमाश सं सं सं सुं दे लिट । मार्ट प्रायय इसस् र हुँ ए बर् प्राय

म् अस्याय्राहे क्रिन्या मिय्स्याय्या समाया मित्रा स्राक्षेयाया इट्राइयां नुसासकें द्राहेता केता यें पालें ट्र्या पाये दें में पिता या माने दें दें। दि त्रा हें हैर रिगुर्गार या हैर र्यं दुर् यवेश र्यं दुश्य श्रियाया गर्द श्रामीर् र् निवेद्यान योग्या हुसा रूट चुनु । यर द्वारा के या से माया या हन मा शुका चुन त्रन्यार्यम्बर्धार्येते द्वीटात् वर्षेकेत् या क्रियाय्यम् यस्यान् वर्षे येत्रायात् वर्षे व यम्।यूट्यायर्र्यं प्रविद्यायर्थयात्रमात्र्यात्र्यात्र्यात्रमाय्यम् र्षे, र्पंत्र र्पंत्र र्पंत्र प्रचेषा ग्री के यू र रूट यू बेर् ग्री बार मेर र चेट्र ब्रेंट्र विश्व पर्दे देश शुः श्वाय देट्र केंश चे में प्रिंट्र पर्दे हैं माद्र हैं चे केंश हैं के केंद्र पे पर्दे हैं माद्र हैं माद्र हैं चे केंद्र केंद्र पे पर्दे हैं हैं माद्र हैं माद्र हैं हैं माद्र है माद्र हैं माद्र इमानमुः १ मुन्दा र्या द्वीता वर्षे यदि सुमार्था होया यो सिद्रां यहिता है र दें १५ द्वारा के र गादि सुर में स्वारा यदि हुन दुसमारा होना सिद्रा यहिता है । मानेद्रा भीट र यह सूर्य हूँ दुरा सिहें गासेर लिट सुमान से हैं हैं गुर्र लिस म्बर्भुक्षराद्राप्यर्थाणुं सकर्या कूर्यूर्याणुं प्रायम् प्रायोद्गद्रमादाः क्षेत्रासु केंत्र में प्रदेश श्राप्त में प्रदेश स्थाप केंद्र स्याप केंद्र स्थाप केंद्र न्य शहर दे। रिदे के रमार क्षेत्र मार्था प्राच्या माया में प्राप्त मार्था त्वमार्क्षेश्वास्यार्केन केश हे त्वमायते नसूत्रे याया नस्याप्तिते तुस्रे पति

म्यास्त्रां मिट्र क्या द्वाद्र प्राप्त मिट्र में पिट्र क्या देवी प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प केंतर्या इसमार्शियाण्या नर्रन्य में केंत्र शेर्प्त स्वापित स्व र्देत्। स्वाराप्त्र्याणुः र्रोतायान्त्र्यान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्त्य र्येशं सूर्दर्भियं उद्देश्या युवेन के के मु र्याद्या सर्वे या पूर्व युवेन ये स्यान्यान्य विमान्न सेटावी मान्य स्या निर्देश के निर्दे मुरायहिंग्या दे क्षेट तुमान्त्र मार्य वट्यायय मुराया दुया दूर्य या र्येश्रामा भ्रामियामार्टेर्येषूर्श्निर्मा मैंतामार्ट्याभ्रामियामार्थे अर्नेगान्दाअष्ठुत्रायदेर्देत्रायेष्ठे श्वाकेषायाययात्वानायान्दे। गायुन्दा<u>्</u>ट्रेदेरे स्राप्ता स्थान स्यान स्थान स्य है तर्रेग्राग्वर्गम् इत्रां पं क्ष्रूर्यं पं क्षर्यं येते हेटा देत्रे केते गर्ग्या इत्रां केते गर्ग्या इत्रां केत्र गर्ग्या इत्रां केत्र गर्ग्या विद्या येत्र हैं स्वर्थे केत्र गर्म्य विद्या येत्र हैं स्वर्थे केत्र गर्म्य विद्या येत्र हैं स्वर्थे केत्र गर्म्य विद्या येत्र हैं स्वर्थे केत्र प्राप्त विद्या विद्य दॅमेवामार्टान्दामुणुः श्रुचा पदि दिसेवामार्टा मोशमार्थेश न्यारे प्यकुन मार्शेर

कर्यसुगार्येषेटाकुराक्षेत्रविदेश्चित्र्यं हेन् झ्राक्षेत्र्यं सूर्या चुटा पदे हैर्यू सु भ्रेमा भ्रम्वित्रसूट ना भ्रेन्यार्थम्या प्रक्रान्या न्तु ला खट में म्बिस स्वास्यां भार्यस्य विद्यान्य विद्यान्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य यते मी बुंदश केते हे के तर्राया प्रथम शोधा ख्या प्रथा प्रश्ने राया मा बुंदश के कू हो हानकुष्यम् अटार्यो नकुरार्रेटायाम्बर्यास्य स्वाम्य विटार्यास्य कुरार्थेत् मीम्बर्गन्य स्ट्रा है में द्राया स्थ्य कि नेगाय यहा साम्य है से किया में स्थ्य कि स्था में स्थ्य स्थ्य कि स्था में स्थ्य स्य स्थ्य स्य स्थ्य स्य स्थ्य स्य स्थ्य स्य स्य स्थ्य म्बेरप्रदृश्यां र्यम्बार्वर हुते र्मायायां कर्षा यो वर्षेत्र या प्रमा प्रमुकेमाया र्श्वासायां विश्वाणे हेसास्टार्यसाये विश्वासाय प्राप्त के स्वासाय के स्वासा ञ्कुर'यव्यार्पे अगया चुर्यामा ५८ म्हेर ५६या च्यां के ह्या मुगाया पर्पे ५ गूर त्विरंपे केश्यपे क्षूरा घर्या प्रतिद्ये प्राप्त स्कृता क्षुरा सुरा मुक्ता मारे र्भे क्या ८८ में यमें विप्त इट पा मारे या या सुमी के ग्रे में या मारुया पारुया

ननद्गम् लेट रना मुग्नुस यूदे नहे सर्वेगु र्रेस द्वट में कुर यस मांशुटशयो पांलेका नयवार्से हे प्रहें का या के का यी है न 'ग्री या पर में मां यूर्र्य हुं में क्रां भारत मां भी यां अद्यामार्थिय प्रदेश मुर्ग स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार त्यास्त्रयां ने ने प्रायाः भे प्रीयायां के प्राया के प्राय के प्राया के प्रा षट त्र में त्र मार्थिय दें त्र क्षा न त्र के स्थान में त्र क्षा न क्ष त स्था में क्षा माना न मार्थिय त्र त्र क्षा में किन मार्थिय मार्थिय क्षा मार्थिय क्षा मार्थिय मार त्रेन्यर्थर्थर्थं व्यवस्थात्र विवस्य स्थात्र विवस्य स्थात्र विवस्य स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्य स्यात्य स्थात्य स्थात्य स्यात्य स्थात्य स्थात्य स्यात्य स्थात्य स्थात्य स्यात्य लेंग यु नित् श्रुन मान्या श्रुट हेट प्टेंन यू ब्ट में प्रहत शुर् शुं र्युन पत् र्यून र्शेट में नश्री मान्ने नलुमाशं या नश्रा यं ते रहेश हें न या न टे रहेश हैं। स्वा मान्न स्व या मान्न प्रा या न व रहे न स्व या मान्न स्व या मान्य स्व य न्या है। सूर्व र्द्ध अहेरा माने का स्या देश मार्थ स्वा स्व र्या स्व राज्य स्व अहें । एन स्मान्ति है निविते निवित्र निवित्र स्मान्य स्मानित स ५'पर्'र्थ'प'र्श्वेप'र्देर्येर'केर'र्ये'र्छ' इ'W'ग'रपे'युग्या 'र्णेय'र्केगे'र्दे'हे'सेर्'

न्येमयायर्ग्न्य्ता र्नामी स्वया र्वेर्ग्य के यह रिकेत्र में नुण वैया र्नेर्णुयारु में हे से्र प्राप्ति प्राप्ति मान्य प्राप्ति प्राणे से स्था शुर्याम् उद्देश में के त्रेया प्रमा के त्रिया के प्रमा के स्था प्रमा के त्रेया के प्रमा के स्था प्रमा के त्रेया के त्रिया के प्रमा के स्था प्रमा के प्रम के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रम के त्त्र्वश्चिष्वः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्राप्तः विद्रापतः व वर्षाहे हैर देगुट मार्थ शुरु उर प्रवेश प्रते हुं यमा यात्र शर् हैं या पर प्रते स्वर्ध या प्रते स्वर्ध या प्रते स्वर्ध या स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध या स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स् रम्याप्तर्रो में रम्या के निर्मात् में हुन प्राप्त हैन प्रम्य के निर्मा के निर्माण के नि दम्भात्रमा तून्मायमिद्दानम् निर्मारेष्ठ्रम् । विष्ठा मिद्दान्य विषय । विष्ठा मिद्दान्य । वित्र ने द्रांस्य में भ्रांस्य प्रस्ते स्था के र्दाहेश्रास्याविषान्यात्रास्यात्रास्यात्राक्षाः स्राधाः वाषाविष्या स्रा सर्वस्थान्य स्थान्य । प्रत्ये प्रत्ये स्थान्य स्थान्य स्थान्य । प्रत्ये स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । प्रत्ये स्थान्य स्थान *ऄॖॖॸॱ*ॸढ़ॎॱख़ज़ॱॻॖऀॱॸ॔ॾ॓॔क़ॱढ़ॻॣॺ॔ॱॺॗढ़ॸॎॱक़ॗॺॱॸॺक़ॱॸढ़ॱॸऄ॔ॻॺॖॱक़ॗ॓क़ॱॸॿढ़ॱ र्भरत्युर देश याम्बद्ध हे है दि गुँग सुद्ध प्रशाय प्राप्त भी में सुसा अदि

द्रश्क्षेश् क्रेया वर्षा अटारेये पक्रिय क्रिया यू क्रिया यू पक्षेय्या या या यं भेता देव णुट् देत स्टार् बुग् या बेर पदे हेंगू पदे भा र्हेट हिंद हेव पश्री म्बायां प्रज्ञायां स्वायां या मुक्ते स्वायां स्वया मुख्या मुख्या स्वया मुख्या स्वया याश्चे अदिरम्द्रम्य प्रम्प्त स्वार्थ स घ्रम्भ रूट्य क्रियं वर्षे क्रियं म्यान्य क्षेत्र क् यट मंश्रुंट विटा दें दुशं भुदे अळ्थशाण्या दुः येंद दें दें दुर्श कुषे भेंश र् क्ट्रं भेग्रं यद् द्वार बेर प्रश्ने प्रश्निय सुवार प्रश्ने द्वा यवा वा हेश दूट र्गर्भायर्प्तर्थ्वेट्राम्ब्रुणट्रें के अर्द्यार्यूर्ण्या पुर्युगर्र्द्राय यर्डेन'यार्डेवा'याकेन'र्यू'र्याद्देव'युटा'ट्या'यासेन'रेटा स्वाप्यस्य से विषय ठट्रम्बर्याची निर्देश के स्ट्रिं के ब्राह्म स्ट्रिं में ब्राह्म स् ॻॖऀॱॾॖॖढ़ॱॻॖऀॺॱढ़ॕ॔॔॔ॱॕॺॏॱॳढ़ॱॸढ़ॱॺ॔क़॓॔ॺऻॱ॔॔ॺढ़ॱॺऻॺ॔॔॔य़ॱॸ॔ॸॱॺफ़ॗऀढ़ॱय़ॱॸ॔ॸॱऻॱॸ॓॔ॺऻॱ

नत्मात्र्याष्ट्रमाय्यास्त्राम्यास्त्राम्यास्त्राम्यायाः यहें त्र्यूर्यया विश्वया यह र किया विषय के प्राप्त के प ठैंग'णु८'से'न्लुगर्य'पॅरे'ग्स'मुे'बर्यायुर्धेर'य'र्5्नेय'्न'र्थगूर्याव्द इट्रिंद्यट्अटेंन् सुमाद्या दमायदे के माया हैन दमी माया हैन दमी माया हैन दमी माया हैन हमी हमा भुंदे हैं पर्वेर दुर्ग कुंश रा देश यू नहा मावन यह हेश पहना में मानु सुन बेर्किन्। न्यम् अद्राप्ती यायम् यदि न्निर्यायया नर्केन प्रमुखे ग्री विभूयाया विद्राप्ती विभूयाया विद्राप्ती विभूयाया यद्भार्यात्वर्भास्यात्वर्भास्यात्वर्भाव्यव्यव्यव्यव्यवस्थित्वर्भावर्भात्वर्भावर्भात्वर पर्डें मार्चे स्वाप्त मिटा मन्स्यापंत्रं सर्वेगाणिक् ने । निस्म्यान्य स्वाप्त्रं स्वाप्ते प्रदेश स्वाप्ते स्वाप्त स् हार पूर्वे र भेर पा के या के पार्ट पार्ट के भारती मुन्त र देवी पार्ट पार्ट के भारती मुन्त के पार्ट पार्ट के भारती मुन्त के पार्ट पार्ट पार्ट के पार्ट पार्ट के पार्ट पार्ट के पार्ट पार्ट पार्ट के पार्ट पार्ट पार्ट के पा म्बर्भाश्वाक्षेत्रं प्रतिवेदं पर्म्यश्चित्रं स्वाक्षेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाक्षेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वावक्षेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वावक्षेत्रं स्वाकष्ठेत्रं स्वावक्षेत्रं स्ववक्षेत्र

न'विग्री'मेर्ने न'यन्ग्रीमा'त्र्गे'न्द्र्ग्यायक्य'ययर'त्र्येयाय् नगर को नग्त्रा याउट दें की गहेन हैं दें हैं या श्रम रूप रूप रूप रूप रूप रूप म्ब्याय्द्वाले मियार्थेट्य दे संसर्भायां दें से क्याने विमासी चेंद्री में देंद्री मार्थी र्वूर्यं र्वर्षा न द्वृत्ये मोत्रशाख्यां प्रदेश्यम् प्रमा क्वेन पर्वेत पा विमा की चेन के क्षमा यत्वित्वर्ष्यं स्वार्यात्वर्षात्वार्यात्वर्षत्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षत्वर्षात्वर्षत्वर्यत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्षत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वरत्वर्यत्वयत्वर्य नगत्म्यस्था स्वृहित्द्नान्ष्ष्रं त्र्र्याक्ष्यं केष्वेष्यं हेन् हेर् हेर्नु गुर्धे ष्ट्रेन्ट्रेन्ट्रेश्वर्यप्रेणेन्युमान्यूर्वेभाषा अटान्यान्यत्वा<u>न्यन्त</u>्रम् 시'(MA) 황다'중시'(화도'신'(화시'중)'디죏디시'(四도'되었'진'(도'(고도) 취'시'진) हते वियानमा मर्गाया श्री भरे विष्मेता युराया श्री भरें भरें मेरा मेना यमा पर्तेमा यादिता स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापत यां अ नुशक्ष नगर् र्ने पर्योश्वर्ष अं प्रति । या नायर्ने न र्यारे प्रयाप्त । स्वाप्त निर्मा अपना पर्योग पर् शुः सूना निस्त रें तकतामस्रायमार्गा विसायमा हिरार् सामित्र विसायमा हुट्डी र्देट पर्देट पर्देट । हुट्डी र्निद्य म्यूट पर्दे पर्दे स्वार्थ साम्यूट हैं में श से द द राज्य निष्ठ निष्ठ निष्ठ में राज्य निष्ठ निष रूअ'य'ग्रेंबा ने'ढ़ेंन'तुब'य'ना नेते'त्<u>चब'त्</u>चं लेगा क्षेत्र'र्येटा क्षेत्र'र्ये चुट'

य्श्रिमा म्यार्य विट्न दे तह्य विर्याप्तिमा विरायाने या विटा दार्शिमा न्यायाय्या विटा दा भें हैं ने केमेश के हैं ने भें कमेश के प्रेमी चुट कर ने में भें चुट कर ने गा फैर्ना हैं के नमद्रमा में शके देश हुआ या नुश्व का सम्माण कट देवट भें खुटा माठेश सुमा नमाय लें रासे न लें राया फूरा कर में शाया भी फीट ए कटा दूस टू फीटा त्यास्यास्य प्रमाणितः प्रमाणितः प्रमाणितः प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रम्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रमाणितः वित्रास्य प्रम स्र देशें या देवे देतु ये द व्या के अल्या या माया के। कर्षे असू द यह ये क विमायार्रा राया वे अपिया् प्रांशी या रायो या रायो या राया है। दे स्वराया या विमाया राया है। स्वराया विमाया या व वैश्वात्रायाः शुर्द्रायेषा श्वारायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विषयाः विषयः वि वैविद्रित्य या विश्वियाय म्या विद्राम्य पर्दे र प्राप्त में विद्रामा विद्रा हैं है दे दे हैं तुर्थ यू निबेह या तुर्य है निया उंतर मार्थ या है मार्च या है या है या या स्वार प्यार यत्रैं देव देक्य णे द्विर त्ये ह्या प्रवास क्षेत्र प्रवेद प्रवेद स्वाद क्षेत्र स्वाद क्षेत्र प्रवेद स्वाद मुँद्रस्य पं हे स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्य र्गेंदे क्षे वर्षा बेबूब्र उत् शैं देव कु कैव में 'वं शुट 'चादे 'खुट 'च क्षेत् द्र्य केट ' र्वेद्राविस्त्रायाहित दुर्द्र वृष्यंश्री द्र्या वह मार्था याद्र र त्राविद्र द्र्या विद्राविद्र द्र्या विद्राविद्र द्र्या विद्राविद्र द्र्या विद्राविद्र द्र्या विद्राविद्र विद्र विद्राविद्र विद्र विद्राविद्र विद्राविद्र विद्र विद नंडरापराणुटान्सून्यायुग्यायायुर्भान्यायुर्भान्याय्हेनास्त्रायाहेनास् यर पश्चा बेटा उपरंप प्रतिप्यंत प्रश्निय प्रश्निय प्रश्निय विश्वा वि

मालुक् र्ण्या दे दुर्श मार्स्य मुक्ष मुक्ति मुक्ति मालुक् र्ल्य है स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व सर्दि हैं दृ णे चु दाये लुग्या से प्रेम हे है द लें सर्य प्रेम हैं पिट प्रवाद मित हैं स्ट्रिंग से प्रेम से प्र ञ्जगरास्याप्तरास्त्रम्याप्तापात्रा विन्राम्डेग् न्या स्ट्रीट मी न्या से देश त्यर्मिं। यं त्री प्रमा श्रमा देश प्राप्त दिन प्रमा स्मार्थ प्रमा श्रमा स्मार्थ प्रमा स्मार्थ स मुं इंदें बिट कुँन मुरें ना हुन जुट पर्ने पा नु ठेंपा न प्रें ना बुट्य हो। दुरा मुंद्रेश ने सूर् निर्देश पहिंग्या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त त्या भुर्वेळ्युर्यार्थे गर्यायायाय वित्यायये विवासर हेतु प्रचेया ग्रीके प्रमा न्में न्ये हो केंया क्षेट खुट या इसयायामा हट रमा न्याय क्षेत्र से पास्ट कया र्मेत्यूरं रुप्त्यूर् रुप्त्यूर्यं मुर्था स्थान्य प्रमान प्रम प्रमान प्र यहें त्रेन निर्मा में अर्ध्यया निर्मा कुर्य क्षेत्र के निर्मा निर्मा में प्रमा निर्मा के निर्मा निर्मा के निर्मा न स्टर्ट्रिं क्रेंश कुं के दर्भेश अर्केट् केट्रा ट्या प्राय क्रेंद्र केया श क्रिंप के प्राये के र्योप र

হুন্দান্ত্ৰ্ৰ্ৰ্ত্ৰ্য্য স্ক্ৰান্ত্ৰ্ত্ৰ্য্ত্ৰ্য্ত্ৰ্ৰাম্য প্ৰমান্ত্ৰ প্ৰত্ৰ্য্ कैंस्प्र ग्रुश में प्रिंति क्या रेस प्रैंस खुया है। से मौरा के बिर्मा सु मारा गूरिस ॸॖऄॱॺॊ॒॔॔ॱॿॖॎ॓ॸॕॱक़॓ढ़॔ॱऄ॔ऄ॓ॱ॑ॻ॑ॸॱॸ॒ॸॱॸॻॖॺॱॺॖॗॾ॔ॱॕॕॺ॓ॱॺॸ॔ऻॺॕॺॺ॑ॱख़ॱऀ ॺॕॖॺऻॺॱय़ऄॖॱॺॱढ़ॺॱॻॖॸॱॸ॒ॸॱॺढ़ॱय़॓ॺॱॸ॔ॱॾ॓ॱढ़ॣॾ॓ढ़ॖॱय़ॱक़॓ढ़ॖॱय़॓ॱय़ॣऒ॔ॱॺॗॹॖॺॱ मुं भू अळ्यस् नित्रं या गासुंस नित्रं से से हो नित्रं भें त्रा नित्रं में स्था गारेश मुं स्था यहाँ या मार्थे यो से दूर्य या विवास है। सुं लिमा देया के लिटा प्रसाद प्राण्ट रे सहया यद स्रमा से दूर्य या स्रमा या दूर्व या कर का या मार्थे या स्रमा स्रम स्रम स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रमा स्रम स्रमा स्रम स्रम स्रमा स्रम त्रार्थित्यान्ति विद्याति विद्यात् । विद्या लेंकिन केंट दुनं चकु हेर ने दुन र्ट रेट रेच चुट च रु ने रेन या केंग या के या केंग या केंग या केंग या केंग या केंग या के या विक्र या के यश्रम्भायश्रम्भार्थः स्थार्थेयः द्वार्थेयः द्वार्थेयः केतः स्थार्थे व्याद्वार्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्य क्ष'यरे इसर्भायायाये रूभें यस्यूर्यम्य प्राप्त क्षेत्र मुंवापिम्यावाम्बर्याप्ये क्षावरे से मुस्यायस्य वर्षा उरा रयवा से हे वहें स्य भेष्ठु केत्र न्ययु मे पर्वे प्राणाय १९ म लिट न्याया माम्या महा महा स्याय प्रा मार्नेर्भान्यान्यान्यान्याः श्रीत्राष्ट्रीत्यान्ताः निर्माण्याः स्वीत्राष्ट्रीत्यान्ताः निर्माण्याः स्वीत्राष्ट्रीत्याः निर्माण्याः स्वीत्राष्ट्रीत्याः स्वीत्राः स्वीत्रः स्वीत्राः स्वीत्रः स्वीत्राः स्वीत्रः स्वीत्रः स्वीत्राः स्वीत्रः स यद्रम्बर्धास्थ्रास्थ्रास्थ्रास्थ्रास्थ्रास्य स्थान्य स श्रेंद्राचा शुराया वस्रा उत्रादे वासा नित्र स्तर प्राश्व मा विस्था श्रेंद्र प्राश्व मा स्था श्रेंद्र प्राश्व स र्युग्राश्वर्यस्य उत्रुक्ते संदेश स्त्रुग्य स्त्रुत्र से प्रमुत्य स्त्रुत्य स्त्रुत्य स्त्रुत्य स्त्रुत्य स्त्र

पर्मा हेश म्माराशी । दे तराहे है द दम्द माद्य संभित्र प्रेत्य प्रेत्य प्राप्त स्था । यद्रमें र्ने में प्रचेषां यं द्रमें द्रमें द्रमें द्रमें द्रमें प्रचेषा यं प्रचेषा यं द्रमें प्रचेषा यं प्र कें हैं के निर्मा क्राया ग्रेया अहू या पुत्राया प्राया के प्राया में या प्राया के प्रा मान्त्रश्रामां प्राप्त स्थान क्षेत्र मान्य स्थान मान्त्र श्रामा स्थान क्षेत्र मान्य स्थान स् नमा है में ट्रांभाश्याणुट तर्वस्यास्ट्रम्य पायित णटा हे हेर्रणे घनस् अपर्याणुर्याक्षेत्रम्थाद्रम्याध्यापुर्यायाच्याप्रम्याप्रमान्या वस्तर्भर अंद्राचु न् वस् नकु रहे द्वा र नर म् माना संदे मा र तू स् र्र् म्बर्गन्ति यर र्वेत्र वित्र बेट र्वेय पित क्षेत्र प्रत्य प्रत्य प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र माट परेंद्र दुस्य बेटा माबुक पूर दमाय शेट कमाश के प्राया स्टर्म उर्दर्दिन्द्र अर्द्र विचयायद्र द्रा दे स्वचयात्र स्वापना द्वेद माद्र यद्भान्य प्रत्याय विर्यय क्षेत्र पर्यो क्षेत्र पर्या क्षेत्र क्षेत्र पर्या क्षेत्र क्षेत्र पर्या क्षेत्र क्ष नवट्रं र्यू र र में ८ अ में ८ अ में भार्के मावक मालक में ८ र रे प्या हो पहें मां अ थ सूर्रा है से 'सूस्रापर'सर्दि। यय केर 'त्या सहया मस्दार में सामे 'त्रेया पार्य

वर्षे निर्मा द्रिकेत्य कुत कुत कु स्वा न्यून्य म्यून्य स्वा स्वा विष् य्ते स्वरार्ट एया कुर्चेत् णूट कुर मुराके के के लिट येग स्ते न्यूट मेर् में अर्द्धार्य स्वर्धा स्वर्या र्मग्रापनुपार्कत्र पूर्णपठ्या प्रमुखापवार हेत्या हेरामा हो मावुग्रा वहेत्। श्वितः स्यां माञ्चम्या प्रचारा स्यान्य स्त्री प्रस्ति । श्वितः स्यान्य स्त्री प्रस्ति । श्वितः स्यान्य स्त्री प्रस्ति । श्वितः स्त्री प्रस्ति । श्वितः स्त्री । श्वितः मून केन में या मुल गुरु श्वा परे मूर न श्वर है है भे भेग र गुन दूर र नर युंदे त्यम्य गुं म्यूर्य देनेय्य सहर रे म्यूर्य मेल्के अट हे हैं र गुंये अहर मद्भम्भा मद्भद्भा मद्भद्भा म्यून्य भूम् मुद्देश मुद्दे वर्त्रायं रन निर्देश अवे है अर्था यो का मार्थाय हो दें रहेगा स्वित्र हो दें राष्ट्री हो है ।

मानेर र्चेन तुः अ दर्गे दश ५५ श भूश चुट चर मार्ड ५ माधुय मुया अ निये युग्राणु प्रहेश र्युट्श र्गार भेंदे श्रूय घ्रयश सकेंद्र भेंदे केंगु द्र नं उश <u> रूष्ट्राख्यायाणें कें त्यमां भेत् हें मा्डेमें तुस्मा्डेमें मी त्येट प्यति हा</u> नदे मिन्त्र मिन्द्र स्वाप्त स् युमार्था णुं में हे 'द्रोहेमार्था चुंदा क्षाले 'द्रम्या अदि क्षुचा र्यूचर्था द्र्णिया क्रेमा द्रोदा प्रकर्था यं मीर्मार्याम्बर्द्धार्यादेश्वर्रात्र्या द्रयाया भीत्र्या भीत्र स्वीत्र स्वीत <u>लट्ग्र्राय्वेद्ञ्चयात्रम्यगत्मु उत्रा सर्गेन्द्रमञ्जूरादेग्य क्रेर्प्य</u> यां भर्भा भ्रामालुमा द्वापाद्वा स्वापाद्वा मार्थित मार्थित भ्रामा स्वापाद्वा मार्थित म यहाँ निस्ता म्बर्भयो म्बर्भयो म्बर्भर्थे म्यूर्भयो क्रिया म्यूर्भयो क्रिया म्यूर्भयो म्बर्भया म्यूर्भयो म्बर्भया म्यूर्भयो म्बर्भयो म्यूर्भयो म्यूर्थयो म्यूर्थयो म्यूर्भयो म्यूर्थयो म्यूर्ययो म्यूर्थयो म्यूर्थयो म्यूर्थयो म्यूर्थयो म्यूर्ययो म्यूर्ययो म्यूर्ययो म्यूर्थयो म्यूर्थयो म्यूर्ययो म्यूर्यययो म्य र्गेंद्रे क्षेत्र प्रां न स्या पार्य दान प्रां सेन्य सेन्य क्षेत्र हिन प्रां मेन स्था सूर र्पेट्र कुट्र 'ट्रेनर्थ्य अ'र्क्टर न स्थ्यू । या स्थ्य केन्य है केन्य न्या के नहें हैं निया में जुन के निया के किन्य किन्य के किन्य किन्य के किन्य क्षर्यंत्र्यंत्रं र्णेयायांत्रं में कंषा हे मार्थ्यं इससा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त उंत्रअष्ठेंन्ययक्षंत्राम्यर्थेश्यह्यस्य अटाय्येलेगार्श्यभ्रवस्य न्रबुंद्रमूर्वाञ्चराद्वार्यार्यात्राय्याद्वार्याः मुक्ताय्यायाः विष्यायेत्रा द्वीया मेट'अ'द्रअश'णु'रुंश'येष'णुट'षुट्र'यर'ष्ट्रेम्'ठेट'क्रुद्र'य वट'यर'अर्हर्

मालक'यार देते के भ्रमां के मान के के मान के के मान के का के मान के का के मान के का र्द्यन्त्रार्दिते मुल्यसमित्रिं भ्रायम् अर्मेत्रिं भ्रायम्यम् अर्मेत्रिं भ्रायम् अर्यमेत्रिं भ्रायम् अर्यम्यम् अर्पेत्रम् भ्रायम् अर्यम् अर्यम् अर्यमेत्रम् भ्रायम् अर्यमेत्रम् भ्रायम्य कंके'नर मुर्ने हो द्र्यां प्रांश्वां मुक्ते प्रांति केता केत्र मि हो केर प्रमुद्द किर में रे नश्चर ने प्रांति प्रांति स्थान केता केता के प्रांति के मिल्ली मिला के प्रांति के के ग्रुव्यायात्र्यात्र्र्यात्र्र्यात्राय्यात्र्यात्राय्यात्रायात्र्यात्राय्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया यत्। है। विश्वायक्ष्यं भेरायुट्योयायायें पश्चरद्ध्याप्तर्यायायायें । मैट हे राप्ता क्षेत्राया वर्षा प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता स्याने स्याने प्राप्ता स्याने म्रियान्त्रभाष्ट्रम्भ्रियान्त्रभाष्ट्रम्भ्रियान्त्रभाष्ट्रम्भ्रियान्त्रभाष्ट्रम्भ्रियाः मार्श्यां अमारे क्रियं मार्थिय दि मार्थिय दि स्वर्धिय स्वर्ये स्वर्ये स्वर्य स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धि र्या बुद्ग्या श्रुभायाँ मिद्रा स्वाप्या साम्या र्या प्राप्ता मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप श्रमामारुवामदे हरायहूम् त्राप्यं कार्यकायदेवावार्यं स्मार्थायायाः वर्षे नशुप्रापलुग्राक्षप्राच्याक्षाक्षाप्रापलुराने केशहे प्रचे गुप्यर

पर्यायकेन'यन'ग्रुन'में'पर'रु'पर्याय'यरू'अर्हा पुराञ्च'य'म्बे'पहेर' र्मया मुर्मयम् र्रेचि भ्राम रमा उत्तरमाय लिमा मुद्दे स्था में भ्राम प्रमान र बर् श्रेर है।य हर यूग्य प्राप्त न न स्यास स्था से पार के या स्यास स्था स्था से प्राप्त के या स्था स्था स्था स विमेण यं प्रांच क्या व प्रविदे हिंदे निया नियं हैं का नुष्य प्रकेष मार्थ प्रकेष मार्थ प्रकार के विभाग प्राप्त के विभाग के विभाग प्राप्त के विभाग क तर्वमाश्चेत्राविमाराताराक्रीयाचित्राचारात्रा सर्वेत्राचरान्हान्रासंक्रा यर्गर्यार्यार्गर्वार्द्रायारेय्यार्थेरान्त्र्यार्थेरान्त्रायार्थाय्यार्थात्र्वार्थेराञ्चेत्राञ्चेत्रार्था यहर्। मुश्यू म्यू प्रमानम् कृत्यहित्र मुश्यू गुश्यू प्रमाण्य स्त्र प्रमाण्य स्त्र प्रमाण्य स्त्र प्रमाणिय स्त्र यामुगराभा केरापर प्रभावना हिटामालक सम्भायोग पर्माण्टा र्रेट्रिन हिट हैं श क्रिन्से केन्य स्थान स्थान केन्य स्थान केन्य हैं से स्थान केन य चट्ट्रम्मार्याय र र हर् न्या साम्राय केया स्वार्य क्राय्य म्या हिट्रा महिस्य प्राया सा मान्याकेटायाकी स्याचुट्रायदेवायादेव्हर्म्यायामें द्राक्टायादेश्चेयाबी सेया म्याप्त स्थान के स्था वयायलुग्र्यार्भुग्। दर्गेहायहेवानुः अपके अद्भ्यां मुयालेयायादे हेतुः קאריבוליאאימילָשׁאיבולילָקררימָאימבאיאאוֹאַלָּא־באיבויקאיבולי व्यर्भियामानुमार्था ने रेट्ट मी र्ज़ित्य रेट्ट में र्ज़ित्य रेट्ट में स्वर्ध प्रमुक्त प्रमुक् स्थाहित्याप्त्रात्रीया शामाप्तिस्यायास्याप्तेयार्यस्यात्रात्राम् मार् भेर मार्य अत्राप्त विश्व के मार्य के मार्य के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य सिते हिट निर्मा के संविद्या निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा के स्था क श्रा द्वा देवे दर्ग द्वा देव देव देव देव पर्या के प्राप्त के प्राप શું ઋતેંચત્રું સાવવા હવે વાર્સ તે તુચ કે વાંડ્ર સામાન સાથે તે ત્યાં મુખ્યા સામા છે. માં તુ સામા સામા સામા સામા

ल्याक्षेत्रामुन्यानकुषा दे हो माशुका मो किटा क्वांत्रस्व खुन्यानु प्रमाया स्वा दे हो । नव्नारायाया नेते मेट सुमार्थ एहें का पंत्रे ता संप्राण विमा मीर प्रीट प्रविम उर्वेगि नर्गेन या निता अगरा शेरी क्षेत्रा शेरी है है नर्गेन शेंगे शेरा नित्र है क्र्यार्यायास्त्रित्यार्यायाया नगायाम् इस्यान्यार्यायास्यायास्यार्यात्रमा स्व यदें नेद्रायुगैशादिं तारानेशार्यम्य वित्रात्राया वित्राया वित्राय वित्राया वित्राया वित्राय वित् रुषात्रेव नगेषा स्पुटा मुले साञ्च म्या सामे प्राप्त स्मान्य स् भूँर परे कर मुंच र्यू में घर भूँर मुंग में लेश मानाशं भ परे भेरा है पहें से पु म्नेट'रुअ'सु'नर्डु'ग्रेअ'र्रअअ'सु'च्चित'त्रअ'ग्नु'नत्तूमु'र्रट'नर्डू'नंमुर्'सुग्र' नभाभागरु र्यभार्श्वेयायम् अर्दि। खदायम् मदामेरा सेट्यायुर्ने मुन्यम क्टार्श्ना स्थानेगा देशे पर्भा पश्चाम्य मार्गि मार्गि स्था स्या ग्लुट रु रें ये चुंट त्रुं अं ये दें मार्थ क्षेट्र प्रदेश केंद्र रहे त्र से या अंदे क्षेर्य पर रूट श्रेम्बर्दित्र श्रेन्थ्रित्य्याम्बर्धाः मुस्यर्देन् स्थित्र स्रि पर्ना'स'गुर्नेग्रा'हे। रा'रे'पा'ह'राकेग'क्षर'वियारीट'एरेगयासहिंद्र'क्रा' ह्यू तीत्र में अर्दे हुट् है र दे हैं अर्देग हैं । वह र निहा दे देश सुर हैं दर्गे हें दूर होते में या दुर्गे हैं से गाया निहा है । वहाँ दे हैं निहा हो हो से स्टू हैं दर्गे हैं । वहाँ हैं । वहाँ है यस्य न्यान्य स्वायां स्वयां स् न बुद क्र मा जुलु मा अप स्पर्भ प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ क्र स्पर्ध के स्पर्ध के स्पर्ध के स्पर्ध के स्पर्ध के स त्यादे देव केव दु ग्वें वेगवा है। हैट द्येव खतु के सेट पिट सदे हैं गार् हैट दु

हेन'न्द्रम्बेन'य'स्र प्रतेन प्रतेन्ष्र'स्य स्वा से से प्रत्या स्वा प्रा स्वा प्रा व्यवित्राचित्रं म्याचित्रं मीं प्रति क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं प्रति क्षेत्रं क् न्ययां नविद्यां न्ययां प्रयाः राष्ट्राण्यां ने का राष्ट्राण्यां स्थानिता स्यानिता स्थानिता स र्सुम्बर्श्यन्त्रेत्युत्र्युत्रार्द्यम्यद्रा श्रम्बर्याद्रम्बर्द्या दम्यद्रम्बर वस्याप्त्रमुयास्र्व्यार्थम्यायान्त्र्रम्ययार्देशायरार्युवास्येरस्या द्वासूर् समा खेते कर मार्गिया स्ति नाट्या मार्गिया मार्गिया कर से स्वार्धित कर मार्गिया स्ति मार्गिया स्वार्थित स्वर्थित स्वार्थित स्व र्नोत्र न्द्रां निया चर्मा नुष्मान्त्र या चूर्न के रेने हैं रेने निर्मान या विद्या निर्मान के या के राम्य के रा र्गरातिरा त्रेमा श्रिमा श्रिमा श्रीम से प्रस्ति सम्प्राम्य प्रमान राग्ने राभित्र सिर् मार्याण्यात्र्याम् । यमान्यानमाञ्चराक्रमार्थाद्वरान्या द्वरान्या द्वरा त्वुमामदिकेंशक्षेत्रचं इससर्द्रिंग्मा ३ विमामदि मक्कि दिसं इसस्ये ग्रीसास

रद्यारार्ज्ञ अपयमा स्ते सेमारासु मार्नेमारा स्ते लें मुरा री पर्मा लें दुन ज्ञ भाषित्राचित्राचित्रायामा अस्ति । यद्या अस्ति अस्ति । यद्या अस्ति । यद्या अस्ति । यद्या अस्ति । यद्या अस्ति । य यते मार्वे यां इस्रयाण्य मार्वे रे देशायायया मार्वे र में व से र प्रेर र भिर्वे प्रेर र स्थाय स् युगरा के 'दमो 'स्व 'मेट' के 'या क्राया का 'या का प्राया का का के किया है 'देश में 'या सुमारा मैं नेश्वर्णित्ये प्रति ग्रीट्रप्तिम्यायदेश्वर्म्स्यायप्तिम्ययम् वित्रम्यदेश्ये में में द्विर्म्ये स्वर्म्यदेश्ये स्वरंभित्रं स्वरंभित्रं स्वरंभित्रं स्वर्म्यदेश्ये स्वरंभित्रं स्वरंभ या इसर्य मार्ग्य या कर्ण स्वाप्त विष्य में निर्वार में मार्ग्य के 5८ हे हे र र गुट गुट सू र्ये दुग प्रवेश भारी ये सू सू या या त्रेर विस् शुं र पुरा से त श्रे मिर लेश म्मायाय राष्ट्रे यह विद्याय विद्या स्थित स्था मिर प्राची विद्या है से प्र यं ठर्ने यार्श्वाम्य सिक्ता मिन्न स्मान में यद्र यम्भायम्य एक सिन्द्र स्मान स्मान स्मान र्वेगर्यापन्यस्थानेटासी'त्रुतासी'त्रापिमानुसाटनास्टारीस्' झुनात्र्रेत्' युग्रांश्रुत् धुट्र्णंट्रा वहेंग्राय प्टर्मा क्रिया के क्रिया हो स्टर् स्माप्त के ते के मार्ड है स्माप्त है प्रमाप्त स्माप्त के प्रमाप्त स्माप्त के सम्माप्त के सम ह्मर्पाद्याम्द्रा प्रम्यायाप्ताप्तामाक्ष्यापाद्राप्ताप्ता

नबुगराने। र्रेन्सॅरायुयामान्याउन सुंधे हिन्यात्या ५५ रापेन्यापेन रूप यश्यत्र्रश्यत्रभूनायाण्यात्र्व्यस्य विश्व क्षर्यं क्षर् ठ्या विवार्यक्षेत्रा वसवार्गावायटास्याबाद्धाः संयोदायाः समबार्दाः निवार्याः वैश्वां चें अमेर्द्र सेश्वाद्य प्रदेश स्वर्ध मेर्द्र महिंद्र म तर्वासट में देश शेर्विया या दिए। हैं मा सम् स्री पिमा हिंदे हिंगाश मार्सिमा है मा उत्तरमा्रा में द ग्री केश लु सद में अर्के नाम में नद हिया मात्र हिए सर् ग्नित्रपहें तु सर्गुर्थं पूर्यं तु अ र्याय स्व वेर प्रार्ध्र देर बुँग्रां पर्म्याक्षेत्र देते देर हेते रेस में प्रायं द्या प्रायं प्रह्माया अते बुँग्रां गुरा व न्युंद्रम्भरायर्थेर विवापुर्शेद्रा रेसियर वार्ष्वायम् वार्ष्वायम् विरायर्थम् विवास् र्ते में रायर मेर्न्य देने हे द्वार सहित से मेर प्रमाह है है रिन्य मार्य श्रीम्मुन्यवेशर्ये अम्बार्यमायाम्बर्ध्यम् स्वार्ये स्वर्ध्य यदे कुर् यवट से प्रशंकुर् सुरायहरा द्राया है है से प्रमुद्र में दें पर्य हैत् मुं केर मनद्रा दें ने यह हैं ते यह महिता यह महिता है ने यह ते हैं है है ने यह से स्वार्थ र्यात्र्यं न्यात्र्यं विभयाणे स्वार्यं प्राप्त स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वायं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार् न्में द्रशं है। गृंब श्रिष्ठें प्रमुं प्रमु र्रा गूर्य हे हेत्र यरे क्षेय र्यं तर् न र्यं र्यं र्यं यह के य य'यश'णु'य'श्रेट'यो'द्यो'पदुर्रा'र्ग्यठश'क्षर'द्यो'श्लेट'श'श्रयुर्रायाशेश'

इट्च्रियायामार्सेट्रिंद्राचेश्येत्राधेत्र्युत्र्युत्र्युत्र्युत्र्युत्र्युत्र्युत्र्य्यायायान्याः है। सुंग्रायात्र्यं न्गें प्रवृत्यस् प्रत्ये क्रिंगें में क्रिये स्रायात्र्यं क्रियं स्रायात्र्यं क्रियं स्राय यम प्रवृत्रायात्रे न्गे प्रवृत्यस् प्रत्ये क्रियं में क्रियं स्रायात्र्यं क्रियं स्रायात्र्यं स्रायात्र ॻॖॸॖढ़ॣॵॺॺॱॻॖ॓ॱॶ॓॔ज़ॱॸॖक़ॕॱॺऻऄॺॱॸ॔ॱॱॱक़ॖढ़ज़ॱय़ॏढ़ॱॸ॔ॶॱॸ॔क़ॱऄढ़ॎॶॱॸॖज़ॱॺऻऄॺॱॸ॔ॱऄॣॱ अट्बर्चुर्यप्त्रुवे क्षेत्रभा र्या दुः चुट क्षा युक्ने व पर हेग्य वेट । दे नगत्र क्षेत्रं संहित सेट्रा कें गार्ट्र क्षेत्रं खुंयां कुंस यम नगायते नगो सेट्रा क्षेत्र स ने प्राचन मानुमार्था प्राचन कि प्राचन कि स्थान क्षेत्र से प्राचन कि स्थान क्षेत्र से प्राचन कि स्थान क्षेत्र स वस्रा उर् में भी पत्रा रहा। या बर्ग रहा। रिस्टा या रेवा रहा। यस रहा। यह अ'र्गे दुर्गेट्श'र्गु'र्फेट्श'शु'हेग्राश'मेट'र्कटश'रूर्र्भुरु'र्यादे'र्के'र्ट्ट'अर्हर्'र्थ' स्वर्ने भ्रेतं ने। ल्राश्यु सु प्रम्य हैंग्रास्प्रेयस्' छे क्षेय प्रेय प्रमुद्ध प्रम्ये प्रमुद्ध प्रम्य मान्न प्रमुद्ध प्र श्र्मां प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत ŴEN'शु'नेष्टमारा'स'स'ने'मालुE'। शे'शे'घर'पदे'सर्ने'स्स'प'मानेश'५E'।

मुर्बन बिट्या न्र्यायदे केंश वनुवान के शर्श मुर्वाण मञ्जून यदे स्वान्त श्रीमामार्थाःश्रीटार्धेराण्युराह्य माद्रायद्वयायाया चित्राप्त्र प्राप्त क्रिया चित्र प्राप्त चित्र चित्र प्राप्त चित्र चित्र प्राप्त चित्र चित्र चित्र प्राप्त चित्र च द्रमेंद्रिंग्यम् र्याचुद्रं यक्षेत्रं हेंग्यं यक्ष्यं प्रं द्रायं प्रं द्रायं में विष्ट्रं या से म्याचे प्रयोग्ये प्रायोग्ये प्रयोग्ये प म्बर्भः द्वार्यद्वा व्याप्त्रां स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स् विम्याक्ष्याची में विचान विचान है। श्री कार्य पित्र प्रिया प्रिया के प्राप्त वैस देवा है से देवा मार्थित विद्या से हिंद ने मार्थित विद्या है ते से मार्थित के से हिंद है। विद्या के से है। विद्या के से हिंद है। विद्या के से है। विद्या के से हिंद है। विद्या के से है। विद्या के से हिंद है। विद्या के से है। विद्या के से हिंद है। विद्या के से हि नम्राणेकेत्रस्याभाषान्य स्थायाम् नुरात्ये हेर्ने व्या भेर्ना मुर् येट्रियहर्ग देश्याम् भ्रायम् मॅथ'ग्रें मुव'र्येश'नद'केत'य'ऄ'मॅं ३२'व'ओ'संदव ओ'र्सुमॅश'ग्रे'देषुव'

वर्षर्रिकेषद्दर्भा स्ट्रिक्षा स्ट्रिक्षा सम्यानस्य हे प्रमाया स्ट्रिक्ष्या सम्यानस्य स्ट्रिक्ष्या सम्यानस्य स्ट्रिक्ष्या सम्यानस्य स्ट्रिक्ष्या सम्यानस्य स्ट्रिक्ष्या सम्यानस्य मु अट्टेंदे दम्भ ग्रें पुत्र क्रें प लेशू प तथा वैमु न में मा ते पिद्या गु के पे दूर र्ने प्रतिमा गुंके में इस मुंधिया थे हिस के सुना के स्वाप्त के स् नेंग्रेश्मार्शम्य्रेर्प्यात्राद्यात्राय्ये प्राचित्रः स्वायास्या त्रायाच्यात्रात्यात् यर्ने प्रति प्रति प्रति । त्रिणे मुला परित खुला क्षा प्रति । स्वी प्रत मार्नेद्रायदेश्वाद्राय शटार्न् ट्रियार्श्नाशाय स्वापार्त् अशु हूर्ग्श्यु र्नेट्श्क्रा हे हु र् हूँ श्वापा या् उँ के से दोर्चे अपने अंक्रिअं से तूर्य में मानुस्था या माने मार्थे में दिया प्राप्त अर वर्षियानमाद्रम् मूल्काण्टाहे हेत् सुप्तसूटामार्थम् वर्ष्याकेमा चूल्का त्या पत्ना में हे देहें पहें ने मकेत में प्रें में नर्गे न्या मा नर्या प्राया मार येम्बार्यिक्यम्बेर्यायम् अह्रिक्ष्यम् स्ट्रिक्ष्यम् स्ट्रिक् उँटा यम् दुन येग्वा र्श्वें राशे र्या १ रत्युं या हे वर्षा आप्या ग्रें या के र्या के र्शे के या यान्यान्यान्याः विद्राप्तिः द्र्यान्याः द्र्यान्याः यान्याः विद्राप्ताः विद्रापताः विद् यासाहेमासानित्रप्राप्ते वाकितात्राकेतात्राक्राप्त्राच्यात्राच्यात्राच्या

मर्ड्र शेर्शेर मूर्वेव वृंगुव रम्व रन्य नम्व भाषा नग्र पा स्था न पर्दे स् र् क्षेत्र के निर्मे में भाषा में भाषा के स्वार्थ के मान्य के मान मोप्पेर् पर्मा इस्राण्ट् के पर्म पुर्व पह्मा पर्वे रमी हा है र यादित्रक्षं मुचा अविदे कग्रां सूट्रिट प्रसुट अट प्रसुट प्रमाणिया यादि । यादि प्रमाणिया स्थापित र्वटमीशर्ट्यायाश्रम्परम्यूमिश्वायाश्रम्ययाष्ट्रित्याण्याः विदार्शेष्ट्रित्याः स्टिन्से स्ट्राय्यायाः स्ट्राय्यायाः स्ट्राय्याः स्ट्रायः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्रायाः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्राय्याः स्ट्रायः नगर व्यास्थिमाश केट संदेश्वास समस्पर्टा दे प्राप्ति स्थास में प्राप्ति स्थास सम्प्राप्ति सम्प्रापति सम्प्राप्ति सम्प्राप त्रुया रेकिंगशत्रुया नप्तुया यट पर्तुया व्यप्तुया व्यप्तिया स्था यदे तुं सम्बन्ध के समा देनो द्रायम् समे स्रोध के के समे द्रायम् עדיקקקיקקקיאידריאטיקישקיין ואָריקרין ואָריאָאיישֶריאַריאַלּ चनुदार्वर्शं चलुंगूंशं कुंगेंदां मी तुं शूंगंलकं इश्रंशं दूदां वदां स्थार्ते वलुग्रादेशं स्थार्ते वलुग्रां स्थार्थं विदारित स्थार्ते वलुग्रां स्थार्थं विदारित स्थार्थं स्थार्थं विदारित स्थार्थं स्यार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्था स्थार्थं स्यार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्था स्थार्थं स्था स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थं स्था स्थार्थं यूर्यात्राभदेग्वा वार्षा पङ्ग पहिंत पार्सभया ग्रेश सूगा देगा द्रा प्यात सेस्या लेर्र्न्न्न्यम्रस्य स्थार् सुंग्रेम् सार्य सुंग्रेन् सायर सुंद्रमान्य सुंग्रेन् त्त्यान्त्रं निर्माश्राम्य विश्वा क्रियान्त्रं निर्माश्राम्य विश्वा राते, रचट जंशा इ.४२ दिवाश रूप स्वाश ता श्री की श्री वा सिंदा से वा से ती वा एष्रेम् श्रेट निर्मे निर्मे

ञ्जगर्भग है। र्इन में हैं द र्भ में हैं द र्भ में हैं द र्भ में स्वार्भ में स्वार्भ में हैं दें हैं द वियो में द्राद्यां चर्यां कृदा वियो क्या वियो के प्रत्या के मार्थ देशों हैं के किया में द्रा के प्रत्या के प् स्ट्राल्यां वंश्यायं भें प्रायां कें प्रायां कें मुक्रा में के सामय प्रेमीय कें माश पूरा परिश ने सर्व सायर सूर्व सुमार चुँव वर्ष पर्माय र मुंभा परे हुव मुंभू मोजैमोबाको स्यार्थेबानम् र्वेत्र्यमा स्टायक्त्रमा स्टायक्त याणुक्रे प्रतिव्याय्य प्रतिव्यायः प्रतिविष्य प्रतिविषय प्रतिविष्य प्रतिविषय प यंचर्यां विराद्यायक्तात्व्यां प्रदेश दें के संविद्या केता के विराद्या के विराद्या के विराद्या के विराद्या के व भ्रमशं में भेतु खर्मिं हैं प्रमानिक प्रमानिक के कि स्मानिक के में स्मानिक के में स्मानिक के में स्मानिक के में से प्रमानिक के मे से प्रमानिक के में से प्रमानिक के म यदें के के 'शे 'में मूद में के देश क्या प्रयान है सम् हैं सम् हैं सम् हैं में के हैं के से में स्वार्ध में मूद्र में क्राश्चित्त्र्यात् स्मा तूर्मेम् अपायहेमा हेने या इस्या प्राय पात्र मान्या प्राय प्रीय प्रीय ૢ૱ૄૢૢૣઌૢૹૻૻૻ૽ઽઌ૽૽ૡઽૢ૱૽ૄ૽ૺ૽ૹ૾ૼઌૣૹઽઽૻઌ૱ૹૣઌૢઌ૽ૡૢ૽ૻૹ૽ૼ૱૾ૢ૽૱ૹઌ૽૾ૢ૽ૢૺૼ૱ૣૢૼ૾ૼ૱ र्ग र्म्यान्त्रं न्यां प्राप्त स्थान्य क्षेत्रं माया में प्राप्त स्थान्य स्था मुश्रास्याया अग्अव्यक्तिर्देश्यायोशयम्बर्यदेश्रेर्द्रा वर्षर वसरा ग्रे अव रो सदेव ये रास के पार भू या ब्रुस ब्रु र यह र या र सि र

रम्मर्याक्ताक्ता क्षेड्रिके प्रति प्रक्षा पर्से सूर र्से प्रते हेम प्रवेश प्रति । सहैं स्प्राप्त प्रमुक्त पर्दे लया मुं प्रमुक्त प्रमें के स्प्राप्त के स्प्राप्त प्रमुक्त प्रम माञ्चेर्देन्दर्भुंना न्तुः यूं दार्वेर नद्वे कं मार्ट् क्रेनिं सदि मीना नश्वे के कर्रो न्र-न्रां-रन्ने स्रंसेन् रादे मानुमार्या स्रां में यूँन रहेटा मायस मूर्येन स्रांस मुत्रे के प्रकृत भी भावता में स्वाप्त के स् वैशक्ते र्रेट्न श्रुप्तित्व रेट्स भागि । यहां प्रमास स्थित स्था विश्व र्या । विश्व र्या विश्व र्या । विश्व र्या विश्व राया विश्व र्या विश्व राया विश्व रा लेंन प्रवेश ट्रेंन्य रेंग यारा हैंने स्टा हुते से ए से माया के के ने हुते यद्रम् इसरा ग्रेंश मान्त् (यद्रेन 'बुर्ग् 'हे 'खुया से 'सेम 'न्यू ' 'त्र प्राय के सा से ' यत्र्यापाष्ट्रमान्यस्यान्। द्वाराष्ट्रम्यास्यान्यान्या देन्या र्नार्सुमार्क्ष स्वार्षे खुयार्गायार्गायार श्वेट मोग्रानश्चेरा है या निवार्गार्गार् निवार कैं शा है देश शुं सुना से नशा वेना से र प्रसान देत मा है सार दिया से देश है में व्यामुयान्यर हेते गान्य यान्य स्वर्के गया मोटे र् र्में अवस्पर स्वरे इसम्याप्टार्नाट कें सूर्यो प्रतियाया येना है। केम्यो क्राया उत्तर्ता सर्वा र् वयाश्चरं यदं भुगश्रेते वगायुगर श्चारं या यहेता दे वयाश्चरं यदं हुगा नवेश दे क्याम कुन कुन कुन न्त्रम् इस्य कुरा कुरा निर्मा क्या कि स्वार स् वग्राकृट ५८ । गु.रू. भूट दुव ग्रेव हैट्य पर्टेर में बुग्या पर्टे था ग्रुट व

पर्ने नम् मुं भुम्यासु र्चुन पर्वे पर्वे पर्वे प्रम्य मुन्ने प्रम्य मुन्ने प्रम्य मुन्ने प्रम्य मुन्ने प्रम्य श्रूरण्याः श्रूष्टाः रुप्ताः वर्षाः म्स्राह्म स्वाह्म स्वा सक्त रहत त्रीत्। विश्व माश्चर्य प्रति श्वर प्रति श्वर प्रति । श्वर प्यति । श्वर प्रति । श्वर प्रति । श्वर प्रति । श्वर प्रति । श्वर प् कर्णुं सूट्याहिटा र्ययूप्यां रूपं र्रें अप्याद्रां के अप्य यवित्रीत्र न्त्रीत्र न्त्रीत्र पर्वित्र श्री द्वार्थ में वित्र क्षेत्र 5 नुर्गोर् पर्दे केट प्टें दहें के श्रेश चुक श्रेश नक्ष नस्य स्था देश है गए स व्यायाना या या स्वाय क्षेत्र महिमाया मिट केता से देवा या मिट केता से देवा से द चैर्यास्य स्वाप्त स्वा र्। ५८ र्भेट्रे मेट कें द्रे में हे हे प्रचेष श्री ५ न है प्रचे हैं प्रचा के प्रचा देवे चे अदे वेना क र्षे द से इसरा मार्चेनारा सुरम्भा के रूप स्वरं राजे रहे

न्रभूश'यश'वेट'र्हेट्'केर'र्ये'श्चे'र्नेते'र्केमशुंअट'र्यश'नश्चेत'र्सुन्स्'र्पते' हिर्'स्न'र्ट्य'म्र्य'म्र्य'म्य्र'या'स्'र्'येन'न्या मुद्धी'यूमा'ग्रट'केन'रेपे गा न मंग्रें या के प्राप्त में देश प्रमानाशा मोलन प्राप्त में प्रमान के कु में केतर येते सुन्य श्रीय केतर है ने सुन्य मार्थ मा द्रिश्चा चुट प्रश्नित्र द्रुश कुर मुंदे द्रुश मुंदे द यद्वे प्रमाय के मान्य न् श्रुरं नित्रे भे नित्रे भे भूष्णमेन भे त्रिक्र नित्र वर्ष भाषा से त्र्रे नित्र र्यद्भार्यार्थ्यस्यार्थ्यस्य प्रति स्वर्धार्येष्ट्रात्य प्रति स्वर्धार्येष्ट्रात्य प्रति स्वर्धार्येष्ट्रात्य प्रति स्वर्धार्थ्य स्वर्धि स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ये स्वर्ये स्वर् माधिन् निगत्त्र दुर्ग निमा देश निवास परि विग स्पर्न निमा स्पर निमा स्पर्न निमा स्पर निमा स्पर निमा स्पर निमा स्पर निमा स्पर नि सूर र भूते तर् वर्ष तर् तर् ते त्या स्वार्थ कार्य र मासुन का मूर्य का स्वार्थ का स्वार् त्रूट्यायायायात्रायात्र्यातुः क्षेत्रायायेत्या ते हिराहायते होते मीशुभारत्य रेप्ट्रिश्यित्रे हैत्यते वेद्येयं यश्मा स्वाप्त्य केत्रं ये प्रदेशेय हैत्य विद्या विद्या केत्रं ये प्रदेशेय हैत्य विद्या केत्रं ये प्रदेश केत्रं या प्रदेश केत्य केत्रं या प्रदेश केत् र्देश राष्ट्रे गुरुष सु गुरा राषे हेर्ने पर्वेष प्रथा ग्रुष्य में हिर्यू घट पूर्ण प केंद्र'येदे'ये'त्रदालेबे'बब्धा अदादाययायायकेमा'क्षुद्र'र्द्र्यामा वेगवायां गुरुषा

त्र्यायह केत्र मूर् हूर्य या मान्य या या या या या या या या या विष्य या है या ह भे मिना भर्ट्यू पर्सिम् मो मा दुना प्रमा गर्दा लेखा अंक्ष्य मार्थिया क्टा हेत रूटा मुंद्रम्य विश्वाम्य म्यान्य म्यान्य म्यान्य स्थान्य स् इद्रायान्याक्रेयां मुयायक्रियां न्यां न्यां प्रायां प्रायां स्वायां स्वयां स्वय नर्भेर्भेर्न्न म् भेर्भेर रन्भू सहर या नगाय पर्मेश्या सहर रो मुखा विस्या मार्थर मिहार मिहार मिहार मिहार मिहार मिहार मिहार में महिता है। ने दुस्य महिता है से महिता क्रमांशं स्ट र्सेमांशं रेशं से क्रेंमा्शं श्रें से ट्रायं द्वारंश राज्या प्रतिशं ग्रीश सर्वर्यायाँ निष्ठान्त्राहित्यां वित्राप्त स्था ने स्थ र्यश्राम्य विकास स्थान इ'रे'या गुं'र्म् निले'या र्सेम् अपनिर्दे ने हुं या देश पर्मा पार्टि रे र होना यं द्राद्रीट क्रीट चुंब बबा क्रियाया प्रवित्र प्रक्षा हे सुर क्रिट प्रवित्र क्रिया क्रवी दु

व्यायया ते ने गा हेत पर्वेषा प्रवट्टा प्रयाय स्मीत हो पवि प्रया ही ग्राय नेंबिराय निक्षे नेर्यस्र रेंदि ने प्रति प्रक्रिय या से में ये ये से स्र में से प्रति हित पर्चित्राधित राज्ञा न ते हैं ने राज्ञा नाज्ञा न त्राच्या न त्राच्य यनमाक्रेयनुन्द्रियम् यस्तर्थेत्य प्रित्य न्यान्य स्थित्य प्रित्य प्रत्य प्रित्य प्रित्य प्रति प्रित्य प्रित्य प्रति प्रित्य प्रति प्रति प्रित्य प्रतित वैतुषार्थे वर्षान्य प्रविद्या ने वर्षा में द्रवा में प्रविद्या में प्रविद्य में प्रविद्या में प्रविद्य में प्रविद्य में प्रविद्य में प्रविद्य क्षेत्रभर्ग्रम् वापट में वर्ष्य प्रमुक्त रेगा सु अहित त्रश्त्र नाट में निश्च न्या पात्र र न्यानकेर्मात्यार्क्ट्रान्द्रान्द्रम्य म्यान्यार्म्यात्रात्रम्या ॻॖऀॺॱॸ्रॅॱग़ॕ॒॔॔ॱॸ॔ॱॺॖग़ऀॱॗॹऻॺॱॿॳॱऒढ़ॱढ़ॸॱॻॖऀॱॺ॑ॱढ़ॱॸ॔ॱॸ॔ॗग़ऻॱॸॖॱॶ॑॔॔॔॔॓ॱ बिटा रेर्द्राय निबेर्धेये मुयायममायरे र्म्या स्रुवाय मुगायरे करा येऽ निम्मुस्य म्यूना निम्हेर्स्य मेन मिर्मेन समेन सेंदे से ने उर्मेन चॅर्रियाचा केया मुर्दे केवा यो अर्थों के पेंदिर क्षे के प्रायम के त्यान्यस्थान्तियाणेत् विद्या यस्यानित्ति । द्रार्थेयाः स्थानित्र स्थानित्ति । द्रार्थेयाः स्थानिति । द्रार्थेयाः स्थानितिति । द्रार्थेयाः स्थानिति । द्रार्थेयाः स्य द्यायस्थ्राक्ष्यः स्ट्राच्याक्षः स्थ्राण्यात् स्ट्राच्याः स्ट्राच ᡛ᠋᠋᠋᠋᠋᠋᠋᠋᠋᠋ᡪ᠘ᢤ᠘ᢩᢂᠵ᠘ᢩᢣᢩᡏ᠗ᢩᡳ᠘ᢣᢖᢆᢃᡛ᠕᠄ᢖᡳᠽ᠄ᢓ᠂᠖᠘ᢀ᠂ᠸᢣ᠘ᢊ

त्या यही सर्वे स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्धित्य स्वर्धित्य स्वर्य स्वर्धित्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धित्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धित्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वयः स्वर्य स्वयः चियायायी स्ट्रिंग् स्थानीयानी स्थानीयात्री प्रियाप्ति स्थानीयात्रीया स्थानीयात्रीयात वृति श्रुम्तर निर्मात्र विनास स्थान विषय हैं निर्मास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स रेप्टिन निप्ते केश हैट मे जुला अप सुट्यू यूट मुर्कट तय नेस्या अट होर गार्न सिंहित पहार नार पेंदि स्निम्स रहे रे रे रे ना रे र र र र हित र सिर केते न्माक्षास्त्राम् स्थानम् । निया स्था स्थानम् । निया स्थानम् । निय <u> प्रयापान्त्रेम मानुसार् प्राप्त के बाही क्षेत्र प्रदेश सके र माने प्राप्त प्रवाह है है र</u> वस्यावस्य प्रमुया यट श्रुत्यस्य प्रम्य प्रमुख्य प्रमुय स्वर्ष मुया स्वर्ष स्वर्प स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् नम्न त्येय् में श्रे तहुमा यदे त्रु भाकु नम्य द्या या भ्रेया सु न'क्षेत्र'केश'हे'न्या'न्नन्'कुय'सक्त्र'चुत्र'त्रश'ये'नकुन'चुं'नत्र'तुं'न्त्र'

אַבַּלן שִבְיָּשָׁיאַבּאַאִיקִאַישָּאַיבִיהָי אָבּלאָדִייִּאָביאָנאַזיקיאָקאִיקָּבוּיָבָּיאַבייִּאָריאָיִנּאָאי बिटायंगायर्डें प्रमुद्दाया मुंद्दाय क्रिया के प्रमुद्दाया मुद्दाया मुद्दाया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया र्ममर्गरम्ब्रूर्जूय्वम्करकेर्जुंनूर्युगर्भेत्। नेवरम्बर्द्युग्रुर्भुक्ष्म्य इस्ंमुयंहे हैं रें ग्रे में नगरें संयोधन यश हो रे क्या में स्राह्मेय होते हैं पी उर्द ब्रेश्वेर्णातर्मात्रस्यां नहूत्रद्भा विषयादुर्देतर्भे के श्रेर्विष्ठे श्रेर्वायां वर्षे क्रेन से के श्रुम्पा हे निर्देश में प्रेन स्था नर्गा तहा मार्य है है तह निर्मा क्रिय में से से हैं है तह निर्मा जेमारा प्रेक्या म्रांभा प्राप्त र्यू हिंदा हिंदा द्याया राष्ट्री स्था स्वार्थ है परा द्या है। र्भेषा स्कें रू पें कु 'येगवा बें कू र ग्री र वा र या या या या र या या विकास वितास विकास व ॻॖॸॱॻॖॖॺऻ ॸ॓॔ढ़ढ़ॕॱॻड़ॕॸॱॻ॓ॱॿॖॗॖॗॣज़ॱॸ॓॔ॾॖॱॸॕॹॸॱख़ॖॸॱड़॔ॺॱॺॣॱॻऻॸ॓॔ॻॺऻॖ र्केश हैं त्वमा स्ति ने इत संया मार्केन स्ति ने स्वाम म्यार्चेत्याम्बर्यस्य न्यम् न्यम् न्यम् न्यम् न्यम् न्यम् न्यम् स्यम् स्यम् केंश हे त्व्वगं यदे नम्रुत्याया गर्वे दार्क राज्य सुर्वे चूर से ग्वेद से विपये न्तू अश्चित्रु न्याद्रे रे यासुत्र् सून स्म्अत्याया वित्र देसया निर्देश्या र हैं ते ख्रम्या स्ति अमें कामार दे असे से प्राप्त का से किया है ते ख्रम्या स्ति का स्त म्। स्र-र्न्यन्यस्य द्यम् द्र्यम् स्यम् स्यम्यम् स्यम् यदेगानुभार्यन् नुभूत्रभाष्ट्रा । निष्त्रभाषकन् प्यत्न न्यान्यान् न्यायान्या स्राम्

र्देश'क्श'र्रुशम्'र्थम्'णूट्रा युश्रुरुद्धूट'र्ट्राय'च'त्रु'खुम्'केक'र्यश्राक्षे'सूट्र्ये' नियम क्रमाहाद्विमायस्हित्राक्षात्राम्यम् स्पर्केत्रित्रात्रम् यद्मा स्थारा यापा प्राप्त स्थारा स्था स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थार मार्वेव चुर् लेखार्वेट रूट् इस्राय श्रीय हैं द प्रार्चेट रेट्र देयम् प्रायेश त्यत्रीं सर्गेत्रमें त्रमें हर्षेत्र हर्षेत्र स्यान्य प्रयाणीय माने माना प्रयासीत म्नेन रेश्निम्। एकुश्मित्र्याम् विष्याम् विष्याम् स्टिश्निम् प्रभार्भ्यम् शुर्भार्भ्यम् स्याप्त्रा यूक्तं र्ग्यार सेते क्षेत्र शुर्भे राश्येक स्रित्र निश्च प्राप्ति। अप्रेंत्र प्राप्ति। वर्षे प्रम्य विष्ट्र प्रम्य विष्ट्र प्रम्य हे केंद्र र्नेद्र केंद्र वार्ष म् के प्रश्रूर पर क्षेर पत्र मुक्य पर मार्थ प्राप्त पत्र पा मार्मोक्षंमा्र्राय्याक्षेपायम्बेरम्गादावनायाः स्रास्यात्रस्यावनामारुमासः बुद्यंद्यंग्री लु हेतर्रेयायर पर्वेर प्रयाद्य द्वेर प्रवेर प्रिया है । प्रयाद्य प्रय प्रयाद्य प्रयाद्य प्रयाद्य प्रयाद्य प्रयाद्य प्रयाद्य प्रयाद्य सर्वास्त्रीं नेर्गेत्रा संगिति। विसर्वे सर्वे मार्टेन स्वर्षे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्ये स्वर्णे श्रम्भूम् नर्भः रंग्यं रंग्यं रंग्यं रंग्यं रंग्यं रंग्यं प्राप्त विद्या में स्ट्रा में स्ट्रा स्ट्र सुवानामानेटाटा ।देवशासुनशासमीनमीटासाहेदारेटान्यर्वद्रस्मिन् ८८१ मट्टानकुर्टमार्चटारहस्य र्ययार्टा से यार्चु सर्टि सुँद्यावटा

5'नव्यायायाया क्रिन्टार्नेन'यनेयायदे नस्यानस्ट्रामीयान्यटार्हेटार्टा मुद्रम्यं च्रांच्याम् भ्रेत्रं भूत्रं प्रत्यास्त्र प्रत्यास्तरः प्रत्यास्त्रं प्रत्यास चम्रेन्दिन्यः सुमार्थर् न्यारेगं न्द्रां न्यारेगं न्यार्थः स्वार्थः स्वरं या सुद्रां न्यार्थः स्वरं या सुद्रां या सुद्रां न्यार्थः स्वरं या सुद्रां न्यार्थः सुद्रां या सुद्रां न्यार्थः सुद्रां न्यार्थः सुद्रां या सुद्रां न्यार्थः सुद्रां न्यार्थः सुद्रां या सुद्रां न्यार्थः स्वार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्थः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार्यः स्वरं न्यार् मिटा निया प्रस्ति क्षेत्र स्था निया में स्था में स्थ में न्यू लेश सक्ते मार्थिय क्रा मार्वे स्त्री मार्थिय न्यून श्रेम प्रति मुक्ष पे दिन प्रमा श्रेक प्रति श्रेम प्रमा श्रेम प्रति स्त्र प्रति स्त्र प्रमा श्रेम प्रति स्त्र प्रमा श्रेम प्रमा श्रेम प्रति स्त्र प्रमा श्रेम प्रम प्रमा श्रेम प्रमा श्रेम प्रमा श्रेम प्रमा श्रेम प्रम

यतः श्वेतः यन्नामार्दे र्ये प्रेत्रायते लुया एत्रेशाया यहेता श्राप्ति शुटा दुः न्टा यङ्ग्रीत्राप्तां भीत्राप्तां विष्यां विषयां केंगि में हे से ए प्रीय प्रांप प्रांप प्रांप प्रांप प्रांप में मुके त्या प्रीय अर्के र माया 5'नम्भ्यापूर्वेयायाष्ट्र'नेर'यद्याप्यापया हे केरण्टाश्रम्या यूर्य र मुक्ता यूर्य विश्व र प्रमेश प्रकार है कर रे वित्र शंचर है प्रकर्ष कर प्रकार प्रकार प्रकार है के प्रकार प्रकार प्रकार है कि प्रकार प्रक मिटा भूनश्मिन हैते निर्मात यथा हर्न स्थापे देर सक्ते हैं दि ग्री निन्में विना मून्य मिना हैते निन्में स्थाप देन स्थाप है स्थाप है स्थाप है से स्था स्थाप है से स् र्शेन्यं म्युट्यं देशं देते श्रेंचं दर्येद यद सम्बद्ध केत् हैंद या सहिद देन विषय स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य सुन्य त्योग्याया चुटालेटा यायम् केम् कुर्णटा र्नेम याये म्याया सुनार्था प्रमान प्रमान स्थान कर्षा स्थान गुंगुं सर्युक्रभंका दमां प्रमेशम्मा मोश्रारम् संसुर्यं प्रार्ट्या प्रमानेमास्क्र ररारमाश्रापुराशमाश्रामाश्रामाश्रामात मालुट 'भुमूब' दमा' भारे मार्च 'भारा' द्रार्थ दे 'मनु द्रार्थ है दुर्के 'धुक' से द् सुद्धार्यते सामस्य पाद्माम् साम्य ग्राह्म स्थान्य स्थान स्यान स्थान स्य श्रम् उर्जे पर्य वित्रापा । यह श कि श कि श कि है दे में लेटी । विश्ट न'नबैक'नेन'णु'त्रु'श्रेदे'माओ'श्रनश'न्।'श्रेमा'न्श्रमा'मो'न्येक'ये'न्यो'श्रेमा'ये'

क्षं र्रेट्रिन्ग्णूट हर्रित्रम् निर्देश्या रिस्ट प्राया पर्दे क्षेत्र प्राया स्थाप यटार्वेर में द्वार यथा दार्द या प्राप्त में स्वार में स्वर में स्वार में स्वार में स्वार में स्वर म्लायम् न्यान्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्याः क्रियायाः क्रियायाः विष्णायाः विष्णायः विष्णाय यार्शनियायित्यर्द्धन्ति। व्याप्ति विद्याप्ति । व्याप्ति । व्यापति । व्याप मुर्रिसम्भित्रे प्रमानित्रमानित्रमानित्रमानित्रमानित्रमानित्रमानु हीं न स्वायम् में प्रति कि प्रति के प् वर्हिम्'राम्बुद्रामुद्रेसमें ने रूपि भ्रम्पिद्रेष्ट्रेस्य प्रिट्य म्र्ट्रिय म्र्यूनित नैवर्द्दर्ग्यक्ष्यं मेदर्वस्थरं दुर्विद्धां चित्रद्धाः चित्रप्ताः देवर्थाः क्षेत्रप्ताः स्वर्थाः के प्यदर

तुर्यत्रुग्राम्यम्वराष्ट्रायाः श्रीं या द्वारा विता व्याप्ता से तस्या दार्चे स्री दे त्या दे नहें न के के कि कि क ८८ संमिन्ने स्वर्षित्र विट क्षाश्राम दिए स्वरिकेषा संमान्न पर्य पर्या स्वर्ष द्वात् न्ने भेर्पे प्राप्त प्रमुक्त प्रमुक्त के मान्य के ॻॖढ़ॱॾॕॴॱय़ॸॱढ़ॻॖऀॸॱॸॺॱॻऻढ़क़ॱॳक़ॱख़॔क़ॱय़ॱऄ॔ॻऻॺॱॻढ़॓ॱक़ॗॱॻऻॶढ़ॱय़ॖॻऻॺॱॻॖ॓ॱ अपूर्व देन देन के नुषा थे मूर्य अमें न देनि सुमा अर्वन भे मान दुमा शुर्ध दुषा म्हर्मायायस्य प्रत्येत्रयाम् मार्थेर् क्ष्मायाः मेर्द्रित्य स्वार्थे प्रत्येत्रया स्वार्थे स्वार्थे प्रत्येत्रया स्वार्थे स्वार्थे प्रत्येत्रया स्वार्थे स् मैंट्रा यट दे देश अर्गे व्याप्त के मालिया में भगवा देश प्रति मी श्रीट्र मी प्रति मी भगवा प्रति मी श्रीट्र मी प्रति मी भगवा प्रति मी श्रीट्र मी प्रति प्रति प्रति मी भगवा प्रति मी श्रीट्र मी प्रति प्र म्ट्रेन्सम्रम्भूम्यस्यार्थम् म्यूर्यार्थम् स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति निवेत र्यंति में ते से हो हरा निश्च निवास नर्रेयापेन् नुर्मेगाग्रेट्र्वाधैयासूनायमानुनार्येनायुनावेना मेथा मानद्राप्तरासदिरादी । विशाद्यायाञ्चनायज्ञमायार्यन्याकासशुरकेनाकार्या

मैल्रम्राटमार्चरास्थामुल्रम्भास्यराम्राध्येत्रहेत्र्रेट्राय्या नचुराम्ब्र मैं हिंदायग्पित्र कुंवा अंदे र्डभ प्रस्त पंते सूप्रा के प्रें र्ड्या प्रा कि ।। म्रेश्यार्स्यम् म्रेन्यं म्रेन्यं यह्यार्थं या म्रेश्या र्यार्थे म्रेन्यं क्ष्या स्ट्रायम् यह यह स्ट्रायम् स्ट्रायम् यह स्ट्रायम् यह स्ट्रायम् यह स्ट्रायम् यह स्ट्रायम् यह स्ट्रायम् स्ट्राय णैं हैं राष्या ने ने ने द्वार्थी ने क्या अदा है कि ने निया ना किया निवेश नत्रिन्द्रभाष्ट्रभाष्य न्मूर्यात्रेवरक्राल्यात्रा श्रेयार्येयात्रात्र्यात्रात्र्या म्बिम्याभिद्रं हिम्यायं केत्रं सेत्रं बैच् केयाम् त्रित्रं म्बिम्यायं केय्यायं केयाः स्थायं स् गुरुषेनू निर्मियेये नगरे नगरे नगरे नगरे नहीं नहीं नहीं नहीं नगरे ने के नाम निर्मे नहीं निर्मे भगरापुरेर'अट'खें कुत्रेत्र'ये केर'युट्'गङ्गत्रेत्रु'वार'अर्टि 'ठेट'। युट' नम्भन र्षेन कुषान्य गोट र्येते ख्या क्षा मार्त्य न र्त्ते श्रूष मुष्य मार्ट यत मुंबिय, स्पृं क्रीं रम्रा नर्मा नर्म मार्थिय त्रा नर्म नर्भ र स्प्रेय हिंदा मार्थिय है से स्प्रेय हैं हैं 5. रेण. मी. स्या के. वैद्राप्तरा के. प्राप्तरा मी. का. मांचिया के का. के. या. ये. सहिंद्रणूट देर पर्वेमायायायया विषया द्वट देव देव केर् स्वामार्थ्या देवा धैं क्षेत्रं चैं खुट न्यू कृत्रं कृत्यं स्ट्रं रे रे रे रे रे रे ने रक्षेत्रं स्ट्रे र् स्त्रं र् स्त्रा र स्वार्य क्षेत्रं स्वार्य क्षेत्रं र स्वार्य क्षेत्रं स्वार्य स्वार्य क्षेत्रं स्वार्य क्षेत्य स्वार्य क्षेत्रं स्वार्य नम्भन्यास्मिन्राक्षाः क्षेत्राके द्वारा स्वारा स्वर रैग्'र्देहें के क्रेंटर्सेश बुश र्देर रूट खुया दु र नेर क्रुग दे दे कर कट शिख

तुषामार्थे वर्षा गुषा देन दूर में ए शुमा परि न गुकूत इष्रषा परि र हेरी मुं वित्रां सुं नहिंद्र रहे के देश हैं है या ने रें वुरा पा ने वित्र मिन्द्र से हुट्या है दिया ने पा ने पा ने के से के हिंद्र में हैं के हिंद्र में के हैं के हिंद्र में के हिंद्र में के हिंद्र में के हिंद्र में के हैं में के हिंद्र में के ह येत्या देर्भ्यात्तु सूर्द्रात्रा गुरुर्या गुष्ट् त्रहें समारेश गुर्या स्त्रीत मार्श्ने निर्मा क्षेत्र मार्श्वेद मार्ग्य निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा मार्थेद मी मार्थेद में मार्थेद केंद्रे में प्रचार्ति ने स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान यर् र्या एं के त्या रे क्या अयो का यूट यर् ये अळक प्यट या पुरा सुवा अयो के पिट कर् सर मार्थाय है सम्बद निले प्रार्थ हुस पर मुख्य निते मुख्य सर्व र दर तस्र द्राप्त वार्ष्य क्षेत्र क्षेत् गुर्नामुश्राश्ची दिर्देन प्रिन्दि स्वाप्ति कर्षिन राष्ट्री स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति शुगुपुरम्यस्थियान्यम दर्भरपञ्चमायायान्यस्य प्रतिपेत्रां शुं श्री ये र्युट्यू सुरविदे प्रयोग्या मुन्यू रे म्यूया र द्या र्यं र्या स्थया मार्भेर पार् नुमा सम्यू मुण्णेन प्रभा विद्योग् य् प्रदेश मुप्याप्य प्रवाद है। पहेंत्रा मार्रेर पाषा ठ्री द्रेत्रा मार्रेर पाप सुमा हुम सुमा समात मार्ग मार्रेर द्र नर्गेर्'यश्नम्ब्र्न्यपे'पर्येक्'यश्चरम् शुर्म्य प्येक्'क्र्री । प्यटः हे 'हेर्'र्ग्यूट'

मिट्राट्मिश्राचिरार्तिनेट्नियात्मार्यार्मिट्रायात्र्र्यायते स्वार्केता त्रस्थान्य मान्य प्रति न्योगर्भेन्द्रस्प्रस्थरायुगस्यान्ध्रस्य द्विरंपेन्यस्य न्यान्य यहिट लिट । सेट सेंस अर्थनाश्चास मूर्य है मान्त्र शक्त सेंप प्रहान से केता से प्रहान से किता से प्रहान से प्रह नर्भेषा देश रेत सुरश हैं रंगे प्रशक्र प्रमुत परि भ्रवशंत्र या सूति मिश्ट,नेतु,मिले,जुन्नामिल,नुतु,स्र-निज, टे.मैज,प्र,चेवी,नन्न, युन,न्तर, हेन तर्ने भर्देश में तर्ने में में भर्दे त्य ने या ने वंशान्य्व के मोटा द्वा अट्य पेया हु यहा याव्व एएट हर हुस पकट हट न्त्राक्षेप्तर्द्वित्यान्र्रेश्वान्यत्र्व्याः स्वर्देन्द्वेन्द्वेत्र हेत् न्त्रेश्वान्य स्वर्ध्या र्देर भेग हैट निर्ने भे रेर भेग निर्मेश गरिए के हिए निर्ने भे मार्ट्यमार्थेर प्रापासेसारा समारा खुया सुमारा सोर्या सामार्ट्य हो।

नुति हैं ताम्मा इसमा णुट् याया नहना बैक् यूया यहे नमा निका मा व्याग्नित्मुत्रे न्याद्पुर्वेश्राग्नित् वर्षे वर्षे केत्रत्याद्याद्याद्याद्यात्या चलेश्रां पत्र भे हि या होना न र्यं न पहुं ते सुना श्रामें ते हो हो न र्यं पहुं हो न र्यं पहुं हो न र्यं पहुं हो हो न र्यं पहुं हो हो न र्यं पहुं हो न र्यं प वयार्यात्मानेगुर्या यात्रभुत्यां स्वयं प्याते सेट्राटेत् स्राते द्यो पुटाव शंचामायरंगर्टिल्म्गर्धरमा स्मार्टि सुंगरेर प्रमासमा वर्षास्मा विद्रादर्भाग्यास्त्रा सूद्रायालेगां क्षेष्ट्रात्रायं दुर्यायसूद्राक्षां स्त्रायासूद्राक्षेष नुँउरा हिंद्रम् वर्ष्णिव मश्देर्या समा स्मा केंद्र वर्ष्णव लुया देर द्र र्हेर्भावन शुः र्येर र्शेम् शं माशुर्या गाः र्शेम प्रते मुं रैम्य तुम् तर्येर रेश्यु सु मक्त मुर्ग पूर दुर्ग विर्मा क्यार क्र रेग्र नार मुं रूरे के ना पर्मा नार राज्य किया मार्क्सायद्वेषायद्वेषायां मार्क्साय्ये के स्वार्क्सायद्वेष्ट्र के स्वार्माया स्वर्माया स्वार्माया स्वार्माया स्वरंभाया स् न्नरम्भवस्य न्यात्यायायाः सम्भवस्य स्रम्प्वेतः स्रम् श्वायाः न्रम् स्रम् यं इसरू न हो र दर्शे कर पर्यो कर्ष भी रा ने हर या इसर्थ र यो में हर या र र रे के दर्श भूग्रान्गा उर्ग्नापाय सुरापाय विकास्या कर्मा कर्मा स्वार से प्रस्था वर्ष श्रुं सुमा मुत्रे पर्वेर मिन्या रे प्या क्षा मुन रे स्र केर् सुर पर्वे सुमा र्दे हे पहें तर्भ में ठेग में शं परमें ठेश हे तु अर खुट प्रस्त पा हेर् सुग र्द्र मी भून भे प्रममं उद्देश पुना कुना भून । महिन महिन प्रमाहिन प्रमाहिन प्रमाहिन । प्रमाहिन प्रमाहिन प्रमाहिन । प्रमाहिन प्रमाहिन । प्रमाहिन प्रमाहिन । प्रमाह अह्य ति ति ति स्त्र के सिंद्र के कि ति के स्वर्ध के स नगाय प्यश्न देन देन केन भे प्यञ्ज प्रचुट मानश ग्रेश ग्रेन ग्रेश तुनश भा लेगा

लेव क्षेत्राताल्य क्षेत्रात्रा वारकेव त्याया के के के ते के पार्ट के के ते के रे भि रीये क्या मानमा अटा यहें सम्पर्दे मारा है से साम स्थान स्थान सम्पर्दे सम्परे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्परे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्परे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्पर्दे सम्परे सम्पर यगुर्ने विद्या विश्व प्रमुद्दी द्रा द्रा द्रा क्षेत्र यहन्त्रमा स्रूप्ति मेन में प्रिया में प्रिय में प्रिया में प्रिय में प्रिया में प्रिया में प्रिया में प्रिया में प्रिया में प्रिया में प्रिय में प्रिया में प्रिया में प्रिय में प्रिया में प्रिय मिर्शायद्वार्यम्भूत्रं में प्रद्राप्त प्रदेश प्रदेश के प्रति के प् वे से प्युर्वे भी पूर्वे मुर्या गारे रे निर्मे कर्न स्थर् भी में मार्थ र न्या युर्न ना **イニリ てめ、世刻、如りな、如られ、ち、当刻、おいうに、刻に、前、コエンち、慢に、コ、てたり**

श्चरः श्चरापाद्वरायाध्वराकुण्यरामानेरातुग्वराय्वरायायाः विनामी त्र्रिर्भिट रागय गर्रेमानयों नायट स्नामा श्रीय स्राम्यी सुन स्थयों स्यटा गर्रे सकेना स्याप सुन राग्या महना नाहें से सह स्थायों मानव गवि। नायट यूर्य सेनाया त्रु सेन सुन स्या केर रु. ना स्वा नाहें से स्था ना हुन स्थय यम्द्रित्र मार्चित्र मेर्चित्र मेर्चित्र प्रमाण्य स्थानित्र स्थानित्र मार्थित्र प्रमाणे स्थानित्र स्थानित् नर्डम् फ्रैश्ने प्रथानु के त्या दे किन श्रीका बेट पान्गा दानका महिट प्रकार सुन सुअ विन्दी स्मर विद्यान दिया के न्यार के न्यान विन हमार के न्यान विन हमार के न्यान क वनायं हिंदी वर्षे स्थान के विषय के विष यद्गर्भयम् न्यूयं कर्ष्यं म्यूनक्ष्यं चुन्यं क्ष्यं चुन्यं म्यून्यं व्यास्य चुन्यं व्यास्य व्य न्द्रा त्र्रा न्यू न्यू मार्था स्थान हो स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स र्रेयं देशमा यात्र अधित प्रचिमा मदे प्रहित् र्केन् र्शेमार्य यूट खार्सी हिदे सुन्य भ मिं तुर्भूट लेट १ एट्रियर द्राह्य ह्या हू से प्रस्य रूट से मूर्य या रेना है वर्षेय न्दी हे शे संशक्तिणी कुयारी निता देना एहें त लेगारी ही त स्था मीनत श केन्द्रां स्वाद्रां स्वाद्रां स्वाद्रां स्वाद्रां स्वाद्र्या स्वाद श्रूट र्याटा मिर्टिश शेश्रश्च रहत या सर्व र्षेम् श्री राष्ट्री श्रूट्र मुंश की र्यो स्रुद्ध राष्ट्र रा सुरा श्रेंन'न्येंन'हेन'णेंश'हेमा'क्ट 'शेमाश'मानश'केन'इसश्रासा सु'स'

न्म्रियास्य प्रित्रास्य केता केता पर्माया प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्रम प्रमाय द्रमान्य अर्थना या मान्य या प्राप्त प्रमान्य या प्रमा उन् ग्रीस्थाने स्थान स् हैन दुर्गे संस्कृत में मुर्गे रहित में भेटें के सुरा दुर्ग से स्वर्ण में स्वर क्रम्यायम् मृत्र्यास्य म्याया प्राप्ता अमा त्रुस्य स्थाया यो स्रिम् ही इस्यायमार्स्त्रेर्भवायाष्ट्रियार र्योदी रहिता हुन या वस्या हुन सर्वे स्था र्योदी र्योद सबर नमान्द्र निर्माण्या नमान्य संभागान्त्र यते हैं त्रित्ते प्रें त्रुं से के स्था के स्थ द्याना यत् केशू च दुते केनाश तर्षे र चुन स्त्र में दूर केश च दुश केन से प्रमाण विश्व के तर्ष के तर्य के तर्य के तर्ष के तर्ष के तर्ष के तर्ष के तर्ष के तर्य के तर्ष के तर्य क न्में द्रशायु शायु प्राय प्राय प्राय विश्व में द्रशास है मार्श यो प्राय मार्थ मार्थ स्था में द्रशायी द्रशायी द ५८'५५'मा धुन'५५न'चुन'५नम'शेगाश'५श'५श'शु'शु'गुन'भपे 'नेप'कन'

ष्ट्रित्रं स्थ्राण्ये द्याप्त्रं क्ष्यां के स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थ्रं व्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थापत्रं स्थाप्त्रं स्य माश्री मानमायूर्वेर यो हेरास्युक्त्रिय प्रमाया सामक्ष्य प्रमायक्त र्जं त्रमा या नर्श्य दे न्या केम हें हे मार्वेम सु य में दे स्थाय दे नरि में न यरमार्थर् सुमा उँ हु न्रथर र्येर अर्के र मुर्र सुरा सार्ट्य याता वरामार्टर न्यमानुः सेन्यस्मित्रं म्यामित्रं म्यास्मित्रं सेन्यन् स्मित्रं स् उर्ग नर्रें हैं तें नेरें संयोग में कैट में देश से दारा नियं से पार्य में में देश में मार्य यमेम्श्रम् उद्देर्भया स्वाधित्र स्वाध्या द्वाध्या स्वाधित्र स्वाधित स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित् युग्'रूट'यमें भें 'सुग'र्शग्रांग्रांट अर्ध्य उत्राद्ध सुग'रूट ये प्राप्त वित्रा है वे प्राप्त के प् में निर्दे पहिंग्रा ने दे तारा में हों मी बारा निर्देश हो तकर ने निर्देश मी बारा निर्देश हो ति है। लट के से म् वेश रायर या बेय यक्षिय या विट मार्ट शया नम के बेश है. केन के रेट्या भ्रुप्तेत्वा वीमा स्पृष्ट्य स्पृत्त ना नुह मुर्द्रवारे वा ने देख हैं ठाव्र. टे. चर्चात्राश्रम् चाश्राचा र्वेश. तश्राचीश. श्रींचा श्रवट. चश्र ईचा. म्चैन'न्में'या नस्न्'यशं गुट'क्न'र्येन'या सुन'यशं न्देश'गुन'यसस्ठन'

यार्नद्रम्निक्र्मिक्र्रम्रह्मार्न्यायार्देष्ठेर्याम्याम्यासहराम्ब्रीयान्चिर वा के मार्डमा स्मा पहें के मार्डा प्राप्त के मार्डी के मार्डी प्राप्त के मार्डी क न्यार प्यार प्रदेश होते प्रवित्त प्रदेश होते प्रवित्त प् स्त्रमण्णित्रवेषायम्भवायाय्वरायम् प्रमानुषानुषानुष्य स्वापिद्देनु हैराया देता स्वापिद्देन हैराया स्वापिद्देन स्वाप वहें तर् केर् में क्षु वेर्षिर पुर पठ राष्ट्रा पर पहुने पण्य हो लु सुन सुर् केषार्थ यम्बुंशिने सूर्रे र्चेत् वेति त्यमार्के या परित्य या प्राप्त से मान्य से मा युन्यान्य वित्यं वित्यं प्रें रैम्बं कें केत्र यश्य पृष्टि पार्ड्म पार्थित की पिरं पार्वित मुद्दी पार्थित की प्राप्ति की प्राप्ति पार्थित की प्राप्ति की प् माँतेश'य'म्य पुंगश'णुं हेट'पिमा हुमा'य प्रयाद्धाय प्रयाप रहा श्रीश का

ૄૼૺ૱ૡઌૹ૽૽૱૽૽ૢ૱ૣૻઌ૽ૼૹ૾૽૱ઌ૽ૢ૽ૼ૱ઌઌ૽૽ૡ૽૽ૼૼૺૼૻ૱ૹ૾૽૱ઌૣ૱ૻૢૺઌૢૼૹઌ૽૽ૢૡૢઌૣૻૡ૱ૣૹ इसरासुम्म्यार्भामारुमामार्थाप्याराम्याराम्यार्थाप्याराम्यार्थाप्याराम्यार्यार्याराम्याराम्यार्याराम्याराम्याराम्याराम्याराम्याराम्यार्यार्यार्यार्यार्यार्यार्याराम्यारा मुलाशुम्प्रद्राम्प्रद्रम्पद्रम् कर्ता स्मामान्द्र मुख्ये के स्वाद्य निष्ट्र में स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य कर्ता स्मामान्द्र मुख्य से प्रमाद स्वाद स्व यद्रायारेषां में यूर्योरे यूर्यस्र रेषा मया स्वर्ये प्राया में प्रया है दा में वर्षे । यूर्य स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्थे । यूर्ये स्वर्थे १७५०८८ स्प्रिट् १११५० से स्पामी प्रियक्ष स्पर्धि स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध स्पर्ध <u>न्यं का श्री ना निर्मा के बा कुया के प्राची निर्मा के ना मिल्ला के बा के ना मिला के ना मिला के ना मिला के ना म</u> र्याष्ट्रेन निर्म्य के के निर्माण के के निर्माण कर्म के निर्माण के ह्येत्र पर्ने मा स्थार्थ राष्ट्र प्राया प्राया के र्योद्ध या स्थार स्थार स्थार पर्वे प्राया स्थार स्था स्थार चॅलेंत्र्वर्यं सुंग्राणे प्यया सुंग्राय द्रम्या शुंप्टा शें शेंपे केंश सुग्राय प्यर दे अमोर्नेम्बर्केन्स्यर्व्ह्रम्ख्राद्व्याख्रान्त्राम्यद्वस्यासुम्बर्धान्तर्नेत्राण्या नुभाष्ट्रकेश्वापेर्भेर्भेराणुक्ष्याचेर्न्यभेक्षुर्द्रत्यदकेर्यभा गेदामास्र नर्मित्रर्ह्मिण्णैश्रास्र्वेन्यरार्धिन्यविक्षे नर्प्युगशंन्यस्त्र्यस्त्रंश्र्यशं वेरा नंदुंगियेट मुगुर्भ नदे न द्रार्थ अधुक संसूष्वित्र दुट सूर्भ केर भूनश नर्देयालु'नर तें द्रश्रं क्र्यं ल्यां अह्या ने र्ड्या श्रे श्रे भें पें दें प्रते प्रते प्रते ते से ते प्रते प देश्यू श्रु द्रा निवास क्रिया स्थान स् नॅंदें हैं दें हैं नर्भ न हो द रहेगां रहेश नगाय गानद ना नविन केश रेट सेट न्या

इर्येम् र्सेन से त्युर नम्म पार्ट्य सहिया निगय में स्थार्थ निर्म्य भी निया णुं मुर्यायम् नम् दुर्यायाः विषयाः भेष्ययाः मार्गियः दुर्यायाः निर्यायः नि त्रिं र हे या नर्स्य न्या न्या वर्षे हे निविष्य द्वा कुर्य क्षेत्र न्या कि वर्षे वर् व्यानुमाया मार्द्र निह्न प्रयो र्थेन नुमाया प्राप्त निया मूर्प निर्मा में स्वाप्त निया मूर्प निर्मा में स्वाप्त निर्म में स्वाप्त निर्मा में स्वाप्त निर्म में स्वाप्त निर्मा में स्वाप्त निर्म में स्वाप्त निर्मा में स्वाप्त निर्म में स्वाप्त निर् मिश्र्रभ्रम्भ्रण्तू थें द्रिकेष के मिन्न में नुस्य मिन्न मिन्न मिन्न मिन्न स्था स्वारायात्वाहर हो स्ट्राट्यस हो प्रवासी स्वारायहर स्वाय मुंग्राश्यायम्निन्दिर्देश्चर्या देवियाची श्री वर्षाया युद्धम्यारो ट्रेट्र्यक्षेर्वेर्येर्यर्थर्थर् क्रिक्रिक्ष्ययायामीय् हेर्या मिर्वेट क्षुर्र या इसस् केंट सुदे मुखे ये रेस्स् सुर्र राष्ट्र या बुट में दसमा देसूट *ଵॖॱ*नरॱढ़॓॔॔॔ढ़ॺॱय़ॱॸढ़ॏक़ॱॻऻॿॖढ़ॱॻॏ॔ॱॸॺॻॱऄॗढ़ॱॶढ़ॱॷॕॻॺॱॶॕॱॻऄॗ॔॔॔ॸॗऄढ़ॱऄॗढ़ॱ

स्ति मृत्यार्थेश न्यमा न्यम्य प्रत्मा मृत्य स्वार्थे स्वर्थे स्वार्थे स्वर न्यानिया ने त्यामालुट मेर्निया निस्टामालेट सुर त्या से त्या पर प्रमान प्राप्त प्रमान प्रम प्रमान प्र न्दार्यर क्षुन्यं नर्रेय लुबं संदे कुया दे कें प्रन्द क्ष णुद्द न्दर से प्र शु'नलम'नेग्'नेश'क्षर हैट'ने हना दे तथ दूधमा देवेत्तु अ इस श्रा र्यट्रिट्राच्ड्यायाम्बद्राक्ष्रम्यव्यास्ट्रायाः स्रेयाचस्र रैगेंश ईस गशुस यूसर्य उद्देश में बुद में सद विद्या सुन हो। म्वियामा भूटा हैटा देश यो का क्या हैटा मार्थिक या पार मार्थिक दूर्य के क्षेत्र ฃ๊ๅ๚๛ๅ๚๎๛ๅฃ๚ฅ๎ๅๅ๚๛๎ฃฺ๛ฃ๎๛ๅ๛๛๚๚๚๛๛๛ <u> ५ वैर हे नर स्वार् के खुया विस्रार श्रीय र द्र ५ नवर क्षेत्र से नद्र प्यार प्र</u> নঞ্জুম'নুঝ'য়ৢন৾য়'য়ৢয়'ড়৲ড়৾ঢ়'য়৸ঢ়য়ঢ়য়ঢ়য়'ঢ়৾য় वश्चान्युं ए ए सुग्मां लु ए या ख्या न न ए सुया प्रमेश सदे न न न ए सुर् चर्णित्रतेष्ठ्रं स्वार्थः सुया चर्या नर्यक्रिस्य ग्रीचा ग्रीन्य मित्र म र्युगर्या शुं र राया प्षता पृत्रुं मारा पुरायुगरा माने राष्ट्री राष्ट्रेत हो राष्ट्रीया या या या या या या या य वुर्ग्रार्र्द्रम्य कर्मा तुभा व्रार्थ्य क्ष्य क्ष्य मान्ने भा है द्राप्त क्ष्य उर्'र्ययाक्षेत्रप्रम्यापे अटेपं विचयाशु मस् मदी मापे देता स्ता स्त

न्य मुर्मेयाया में प्रदूर्य इसया स्वा मुया र्यू म् इमा मीय् द्राय स्वा या सुर प्राय स्व व्या ट.कु.ट्.रमा.श्रेंश्रानिर्द्रमा.मेंश्राचीश.ट्रेम्श्रानश्राम्यां मानुमार्यमा.मेंर र्योदे निर्मेत् में क्षे न्या क्षे के ते ने निर्मेत में निर्मेत के तुन्य के निर्मेश में मूर्य के निर्मेश में मूर्य के निर्मेश के निर नगर ना केंट्र सुम्य में या प्राप्त में प्राप्त में स्टूर मुया में दूर मुया में त्या गर्वर्ष्वरकेषासद्रात्यारायाम् इत्। नामेदासुयायार् स्यो गरेत् श्रीयरं में यां में श्री सेट्रा में यां सेट्रा में यां में या में यां विनर्गं दुर्रारम् निर्मा कुषा मुर्था सुर्या मुर्थे न में न सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर यहन्या त्रांभा संभाश्या द्वांभाद्द्रां स्था क्रिंग्स्या क्रिंग्स्या वितात स्था वितात स्था क्रिंग्स्या क्रिंग्स्य क्रि मुंश्रान्समान्त्र्रात्मा क्ष्मा केत्र यो हेम् शाही वर्षे स्वार्थ वित्र व हूट रियेन रे प्रमेश है किया है रियय हुन प्रचुमा यद करा शेर खुमाया शेरा णै'त्रमूत्र'यं र्युग्यायं वर्धया उठ्दुर्दुर्द्र विद्वाया या स्वार्यक्र राष्ट्रवाया म्प्रियाम् इति व्यवस्थित कर्षित विद्यास्य विद् नगाय विभग निर्मेष्य अनुम् सेन् दे पर्मेर हो देगो अने प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्य प्रम नगाय देव नशुप्य है। ये ये वे युवा दु । ये प्याव वे के में ह्या द्रा प्रकार ।

स्वास्त्र त्राम्याव क्षेत्र मुत्रामय तर् सुत्र मुत्र मुत्र क्षेत्र कर क्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व स्वास्त्र स्व न्या नेरम्वर्यायये से इसय जुट नमुं ह्या दुर्यमा यासूरा छै 'से में या देर्क' ना र्द्रभुद्रा रे ग्लाद्रश्चर्यस्य उद्राखराह्या यो क्राप्त विद्रा में दाद्र नमें मुर्ग्यम् दुर्गम्य प्रतित्यायायायम् करायायस्मा यूर्वम् पुराप्ति । यं पर्ने क्षेत्र भेत् येर्ग युट यदे के क्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वर्थ के क्ष्य क्षेत्र विक्र क्षेत्र विक्र क्ष्य क राद्वीयां क्षामुला नदा नद्वार क्या ठक क्यें निस्ता को यो का नदा नठका अवतः अक्षअयू प्राय्वेयाययां माया के यम् माञ्चेम्या ने श्रे र्योग ७ ५ ८ प्राय शर्भे नु भेंदे स्वार्यना मुंदा नु भेंद्र भेंद्र स्वार्यन स्वर्यन स्वार्यन स्वयं स्वयं स्वायन स्वाय्य स्वार्यन स्वार्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् वैया । ब्रेट ब्रेट प्रमय्मासुम द्वाट दुः सूट याया । प्रत्न रुट यट या या निक्र शुंगां यं त्युर्गा विच केते द्वा यं गूर् चेरेर आवेशं कु यं पि । दिन स्वार्थं द्वा अद्य च स्वार्थं के स लटा लिनेब्द्धलेन्यात्रकरामायायत्र्वेम । श्राबेट असमूब्ययार हे हे यायया श्री शिक्षेत्रक में या स्वाप्त माना या श्रीती निक्षित में त्रामी त्रामी स्वाप्त स्वाप् र्शर्माशुभार्यामार्गरमार्गरमार्गरमार्गरम् । द्विष्टे प्रकर हेन प्रोक्त रेश निस्मार्थ मार्श्वर नवर्गा मिट्ना तात्रात्वाट या क्षेत्र द्या यो । क्षेत्र त्यस द्यट योश वस्य उत्

उनम्बार्भो सम्बार्श्वेट दे हो विषाप चुट ना क्ष्म वित्राप चूट्य शुरि प्यापन यश्चार्ष्मित्राक्षेत्रम् स्ट्रिस्य स कुमिट मो अनु ट्रमी अपन निर्मा क्षेत्र और कु अपन के निर्मा अपन हो । यह । र्भगा इस्या र्रोस स्वर्र स्वर्र स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर् न्रभूयानिये इसू पस्। ने नु खे भूर नुया इससू या विरम् के से पर्ने वा सम म् त्रिर्द्र द्रेत्र श्रेन् केन संमाणिया है त्र्मा स्तर द्रामा मीया माने दर्देश स्त्र प्रमा केना केना क्ष्मा क्षा स्तर द्रामा स्त्र प्रमा क्ष्मा स्त्र प्रमा स्वर प्रमा स्त्र स्त्र प्रमा स्त्र स्त्र स्त्र प्रमा स्त्र स म्नांश से प्रमाश रूट सुर द्यां भर्मी में त्याया या रिया के कित स्वा भर्मी में प्रमाश से द्या से मार्थ से मार्य से मार्थ वर्चेमा ने यंन्य कर में र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त वार्ष खेर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विष्ट क्षेत्र व्यापारित्रास्तरम् वर्षाया निर्मा वर्षाया वर्ष स्ट्रिम् द्र्यम् द्र्यम् द्र्यम् त्रम् स्ट्रिम् त्रम् द्र्यम् द्र्यम् त्रम् त स्ट्रिम् त्रम् ८८.ह्रेट्रेट्रेच्रेच्र्य्यूयूर्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर,यश्वर <u>५माप क्षेत्र केश क्षेट मो मा५८ रम्या केत्र ये अर्ह्प रो । पे ते अमीत येपे क्रुप</u>

यथा नमया स्वानमार्ये केवार्ये हो। यिने या वे स्वाने या प्रान्य प्राम्य प्राम प्राम प्राम प्राम प्राम्य प्राम प्राम प्राम प्राम प्राम प्राम प्र सह्दर्वेत्र्यंश्कर्तेत्रं वा पार्वेक्ष्या श्रुत्व का के क्ष्यहत्त्रं वा दाक्षात्रायाः त्विंयार्श्वाश्वर्यम्य न्यूरार्था । देराश्वर्षा र्याष्ट्रार्था विषय । वि भ्रेंम्यायात्रवास्याकेताना निवायायात्रा हिन्दा विवायायात्रा हिन्दा विवायायात्र श्चाराम्याराष्ट्रप्त्रप्त्रप्त्रप्त्रप्त्रप्तिता गर्रे र्तेत्रभूतार्वेर्प्याहे शेप्यरार्वेश मुवाधी द्युं र्वेदं द्या भर्में कुर्ये प्राणंत प्रमुद्धे र्वे रेवे स्मूय र्वेद ख्रद्ध र्येद रेवे रेवेद स्मूय रेवेद ख्रद स्मूय रेवेद ख्रद स्मूय रेवेद ख्रद स्मूय रेवेद ख्रद स्मूय रेवेद सम्भूय सम्भूय रेवेद सम्भूय सम <u>त्रमायते त्रक्षेत्र यायायार्ये, में मुत्रामें दाया स्त्राप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प</u> यद्भार्याक्ष्यं में द्वाना विषयं क्ष्यं प्रमानित विषयं विट.ये.म्.अक्त्र.क्रेश.पॅटब्र.त.परिवा.तबाह.रट.रट्र.रच्या शक्ति.लय.वाशेटब्र. मा त्य्या चल्दाम् जैता क्या द्वा क्या चार्या क्या चार्या क्या चित्र क्षेत्र क् <u> शे.ब्रेट.पश्ट.पश्टीयश.केयश.केय.त.केय.त.चीट.खेश.५.टश्या.तथ्यश्वीश.टे.</u>

वंदशकेंत्र नम्याध्नात्रिन्यहेन्यहेन्यहेन्यहेन्यायामेर्नेत्रभेर्द्रम्या यम्बयाग्नेयानवेयायय्यापेट्यायुटानस्त्रान्यस्यागुमा य्टाहार्त्रा युंगंश न्या नुं नं अर्के नं हेत शुं धुग पूर्श यें न्यू केन शेया बेट सुंदी पेर्वे र शुं मेंत्रा मानुद्रम्या स्थाया खेँ मुत्र देत् ये केते सुत्र माने र तेंत्र से रे प्यार मान्य विद्या मानुद्रम्य स्थाया स्थाया मान्य प्यार स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाय यर्गार्डेट्रम्ण्या मुंयां लेश यदे अळॅड्रम्थियां अहँ ट्राह्मां क्षें मुंद्राहेश यड्देश अळेट्र यद्दा यश्चित्र द्राह्म्य हो । यादा यो के हे छ्ट्रह्मां क्षें मुंद्रे क्या ळंड्र या येवश लेर हा सुद्रश धुगा यदि हो अप्ट्रायूट्ट्रिक लुख्या द्राह्में स्था र्शन्य प्रति प्रति स्थान स्था व्याप्तर्त्वाद्याः कृतं पात्रे देवा देवा देवा प्रमाप्त विद्या के विद्य के विद्या के वि त्र्यायी । विषामाशुर्षाया भूमा पर्माविषया वर्षामा मञ्जूमा प्राप्त । विषया वर्षामा मञ्जूमा प्राप्त । वर्षामा मञ्जूमा पर्मा वर्षामा मञ्जूमा प्राप्त । वर्षामा मञ्जूमा पर्मा वर्षामा मञ्जूमा पर्मा । वर्षामा । वर्षामा मञ्जूमा । वर्षामा मञ्जूमा । वर्षामा । वर्ष त्मिर्भे हैं अपादिष्ट्रिष्ट्रिय्ते प्राप्ति स्वाप्ति प्राप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वाप त्रिंरें तें र्रेस पाल्यामा वेर्गास नियास केया शुक्र देवे सम्मूय क्रिया प्रस्था प्रते

यत्रेत्रं मुंशंनून्। यद्यायात्रेन्यं मुर्गं प्रवित्रं प्रम्यं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुर्गं प्रवित्रं मुर्गं मुँद्रमिर्द्रम्थाने द्वार्थाने द्वार्याने प्रमाने स्वार्थी स्वर्धाने स्वार्थाने स्वार्था न्नार्द्र न्याद्र केंशा न्रेनेट्र हैंगाई केंगादि संभागिलम् गर भी निर्मा निर्मा मां शुक्षा धे मो 'वं चे 'तूंमा दयें क 'यर पर्ने का क्षायर क्षेत्र (यर मां श्रूर) नबर्था नेपात रिश्वर निर्मेष्ठ तश्चर मोशर नेब्रम्य स्वाय स्वय स्वाय यम्। दर् केश मिलेश प्रदेश पेर्ट्य प्रमा श्रीमाश सेत्र द्या प्रदेश दर्ग वर्ष मा सेत्र सेत्र प्रमा कर में प्रमा सेत्र प्रमा प्रमा सेत्र सेत्र प्रमा सेत्र सेत्र प्रमा सेत्र सेत् ठ्रं र्नोत्र अर्केम अर्केर् प्रांदे क्रुर्न म्था न सूक्र न्या प्रवाप उत्याप देगूंब वित्य प्रद्या अर्दे के श्वेत हैं न हैं क्या क्या कि प्राप्त के प्राप्त के वित्र के हिन के कि कि कि कि कि क्षें विसम्भेरायाविसमार्टा हासायार्यायात्यात्र मान्याया ने बूट अर्द्धे मार्थ प्रमें द रूपे निमाय देन अर्द्ध द रूप दे प्रमामी में देश ग्रही मठिमामिष्ठेशं र्शेम्यां शं प्रेत्यां में में में मान्यां मुक् ग्री प्रेत्रं प्रेत्रं सेत्र प्रयानिते । स्यानित स्यानित स्यानित्रं स्थानित स्था अवतः इतः मात्राने सुराण्याने शुंगिहेतः णुं खुवाययात् द्रयाययाते या समात्रा मान्न केमूर्य सुन्य प्रमान्य प्रमान्य । दे र्ड्य हैं द्या हैं द्या हैं देय हैं प्रमान हैं सुन्य स्थान हैं द्या हैं द्या हैं देय हैं हैं स्थान हैं हैं स्थान हैं हैं स्थान हैं हैं से स्थान हैं से स्थान हैं हैं से स्थान हैं से स्था से स्थान हैं से से स्थान हैं से स्थान हैं से स्था माश्चर श्रुप 'गु' द्रमेश 'पा इश्रश माट 'ठेंदे 'घट 'क्श गु' प 'क्रुपश केक 'ये 'पण्चेट '

नमें या लेया नगापान सुरापन सार्दि दें। दिया सुनय् दें त्रया न सुद् द न्यूया स्व प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य क्षेत्र में क्षेत्र में क्षेत्र प्रम्य तर्मा निर्मानिक्त के स्त्रात्ति हैं ते स्वार्थ है स्वार्थ है स्वार्थ है स्वार्थ है से स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य येम्बर्भें न्यां वैश्वेषणे लयं न्याम्येष्यं यात्रा व्याम्यम्याद्वेष्यं यात्रा वेष्यं स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स् रुष्। तर्रात्रेट ब्रैट मु झ ते पिते रूप हार प्रज्ञा रूप मुंश स्वा के राय यासुयाबुदा सुंबाक्षुं अळअबाणुं क्षेत्रबायत्द्वायत्युय् केवामादेवाके यासुया न् येन की मिलक येट कु मिर्दिता नय सेंदे कुया से द्या यह सुद रुद ये मैर्भात्य्यं क्रिंद्र्याम् प्रवेश्वेर्यम्यामभ्यादित्यं प्रदेश्यम् स्वावस्य प्रदेशेष्यम् स्वावस्य स्वयस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वत्य स्वयस्य स्वयस ईनर्यं नं मुन् 'णे ्रेंमा 'मं ्येट 'मृत्ट 'क' मि त्या मु अळअय <u>'</u>य्या न्या त्या हुत' यदें भेंटब हुं र ले त्रुव कर रेब हु वर्ड पाये र्ट हूं पर्रे पर्रे रूप हुव शु'नमु'वर्ग्य'न्द्रें भूट'वर्ग्यं केत्र्रें प्रमावर्ग्ययानवद्रें नुशाकी । दे भूनश दे रामद्रमा रुमामी भूत्रशासमी द्रमाय का निमान देन हो से स्थापर म्याप्तरं वित्रमं हिंदू है। या पवि देवि म्यापम्य स्थाप्त वित्रम् स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत त्ममा इस यम में प्राप्त र्या पर्त प्राप्त प्राप्त किया है हि प्राप्त किया है ति सके हैं है है है

षटा शक्त प्रेते मात्रे स्वा ते स्वा में त्या में त्या में स्वा से स्वा से स्वा से स्वा से स्वा से स्वा से स्वा स्वारा स्वारा से स्व मुंद्र'श्रम्भंगां र पर्षिया न्या ध्रमा में अश्रां स्ति अश्रें में ह्र प्राप्त हैं ने प्राप्त स्वाय स्व र्श्वरायको अव्राप्तायको अव्याप्तायको मिन्न प्राप्तायको मिन्न प्राप्तायको मिन्न प्राप्तायको स्थापतायको स्यापतायको स्थापतायको स् दूर्याम् शुर्भायाये ने संग्रिक्त स्ति श्रीयां याये यो यो स्वार्थ स्त्र स्ति स्त्र स्ति स्त्र स्ति स्त्र स्त् र्ह्मिश्चार्यास्केतियां त्रं क्षणी देविर र्वेति सुग्य कुर्वे दिन्य पार्थे कर्ते प्रमा य्यान्त्रीयाः स्वार्त्त्रीयः स्वार्त्त्रा वियान्ता मुन्यान्त्र स्वार्थायत् स्वरः स्वार्थायत् स्वरः स्वरं स्व युगापर्या किंगाणे मुयामळत्याम्यापर पहिंगया। वियापाष्ट्रमा हुगापर्व त्रुंबायतें हेरामुयूँ नगरणां वाषा होता यहार ग्रींवंबायमुं रायतें नगरें विवास स्वास्त्र यक्ष्मी मालक यद् भूत्र प्राप्त के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के हें रें केंग्रंगिन्सं मिन्सं सहिर है। त्र समिल्स में ग्रंगिय केंस् हैं यह से मिन्सं से सिन्दें से पर्टे केंद्र से सिन्दें सिन् यां है ने महाने महाने होता है ने प्राया ने महाने महिला है ने प्राया ने महिला है ने महिला ह नमें भारा भेर्ने प्राप्त राम के राम में मार्थ में मार्थ मार्थ मार्थ भारत स्थान स्था मान्द्राच्याः स्वाद्ध्याः मान्द्र्याः स्वाद्ध्याः स्वत्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्ध्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः वट्रमेरे मुक्ते भेर्दे भेर्द्य मि केट सुंग्राण क्रायत या पहल क्रिक्राय

माञ्चम्रा्राकृत मार्यायि हो त्यस ५८१ सत्त छी कु में कुट मोरा महिंद भारे भु भु पेर् केंग्राया या या या प्राया में प्राया में स्वाय के या स्वाय के या स्वाय के या स्वाय के या स्वाय के य र्द्भाषी भेर में श्रान्त्र प्रान्द्र प्रान्द्र प्राप्त के स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वर बुक्षः या अदः येति केषाका पर्वेषा या क्षेत्र । वदः या मान्य वर्षे । विष्णेषा व प्राणेषा संगित में इसमें ग्रेष्ट्रें प्रेपे भेत्र ग्रेपे प्रेपे प् इस्प्रह्ते भ्रायनुस्य म्याद्याम् देयां यू यन्ते न दे दे प्रायम् स्याद्या स् मोशेर मुं द्विर वे अठ्ठ दे दे प्रवेश मानेश रा दूश स्टें केंश मुं द्विर वेश कर्णाण्यायुरेमा व्यापनित्रात्र्यायूरे त्रिक्षात्रात्रे विकासी न्नाकत्यानद्वामा नुनायायनमामास्यायतेत्विम्ल्रांम्र्र्भान्द्र्येम्र्र्केम्न्र्ये यम्बर्केम्बर्म्यन्ति। यम्द्रम्यक्ष्यं विष्यं प्रति प्रवित क्रॅंस्ट्रिंदेश्वेद्रम्बर्ध्यक्षेत्र्येष्ठ्री विक्रिंद्रम्यक्षेत्र्येष्ठ्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम् माट्रिंद्रम्यद्रम्यद्रभ्रवस्यद्रम्यद्रम् वर्णाः वर्ष्यद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम् वर्षद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम्यद्रम् 型に「5月17日である」「5、多、日本、日本にコ、新と刻、2) 管に刻、4年上、日本、日本、

ग्रै'भे'र्नेम'कर'र्'पक्षेय'र्वेट'र्मे'स्वर्यस्य स्थायरमोट'र्ये सु'र्यूट्यार्यम् र्श्वतः में न्यू द्वार्य्य ने ने देते । ने भ्रम् के अवते ति वि श्री स्थार ने ने ने ने स्थार ने ने ने स्थार ने ने ने स्थार ने ने स्थार ने म्नित्रावनंगुन्धे स्युर्द्रन्धुर्या प्रति र्यं स्वर्ट्य स्वर्ट्य स्वर्ट्य स्वर्ट्य स्वर्ट्य स्वर्ट्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर् द्यायान्त्रव्याक्षेत्रं क्याक्षेत्रं देश्याक्षेत्रं द्या प्राप्त क्षेत्रं क् र्गशर्भे मुक्त के निवास चैर्रायहेर्युग्रायाद्यापायल्ग्रायराद्याद्याते। श्चीया १५०८८ रूपा चुर्रा ११००८८ स्वाया चुर्रा ११००८ स्वाया चुर्रा ११०८८ स्वाया चुर्रा ११०८ स्वाया चुर्रा ११० स्वाया च्या चुर्रा ११० स्वाया च्या चुर्रा ११० स्वाया च नेंद्रमा उमामी सुन्या अमें कि मीं टांस लग्या दुट में के पें के पें के पें मुं अर्क्स या यामुलुमार्था भेनर्था नेसामातायया नायसा सुनिर्मी मूर्गार सुनायस् तहें ते स्थान प्राप्त के प्राप्त म्या न्तु अहे न खें नू के से से से से ने स्थान स्वानित के स्थान स्वानित स्वानि रमायालेया पसुत्रापते पुर्वासारमाया घर्या उत्रापसूता सूत्र लेवा या मुर्वासारा र्। पूर्यास्तर्याणुं यो कुषास्त्रम् या नुषार् निषार् विषा के सूर्य सूर्य नमून लून पर नसुया तुषा श्रुषा अळमषा तुन मूषया क्रेन भेंदे हैं ट्रेप्टेंन सें क्यं तर्तिर या प्रविषय श्री । दे क्या क्ट क्या श्री द द्वा प्रति श्री वा या प्रति स्था प्रति । स्था प्रति स्था प्रति । स्था प्रति स्था प्रति । स्या प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्था प्रति । स्य अर्दर्'र्क्षे प्रअशं उर पर्या मीर प्रवेश भे पे हे 'शेर प्राप्त अर्दर के का के हो रे

वार्चमास्यात्वाराष्ट्रपार्चे कार्योक्षास्य स्वर्षस्य स्वर्षस्य स्वर्षा स्वर्णा स्वरं स्वर्णा स्वरं स्व मशुभं र्यं स्थानित स्यान स्थानित स्थान पर्रात्यम् र्ममारुत्या पर्ताया मेन कुर् कुर् दे दे ने स्वा द्या मारुम् अप्रेम स्वा पर् য়ॱॸऀढ़ॱ॔य़॓ॱक़॓ॱॸॖ॓ॱॻॱॺक़ॕ॔ॸॱॻॖऀॱॷ॔ॺऻॱॴ॔ॺॱऄऀॺऻॕॣॺॱॸॖॱॻ॑ॱक़॓ॱॻढ़ॺऻॱढ़॑ढ़ॱॻ॔ॸॱॸॖॺॱॷ॔ॱ য়ळॴॣॺॱॻॖॖॖॖॸॱॹॖॱॸॺॱय़॔ॸॱॻढ़ॖॺॺॱय़ॱज़ॸॱॵढ़ॱऻॖॗॗॗॾॱऄॣॗज़ॱॸ॔य़॔ढ़ॗॗॗ॓क़ढ़ॱय़॔ॱ म् इति खुट मङ्ग्रेन प्रश्चित मार्थ युषुग्रान भू किति हेन ए येथा प्रमेगू पर मार्युट्यं पार्ट्रा यट सेंयात्रु सायी देश सायते तर्मे केंयां सेंट्र समय ग्रेयार त्रभार्च करा मुरायलुगाया का सेत्राय्या स्वया मुर्या सुराय मुराय विकास विकास नद्भार्यस्था उत्भार्यदायन यने कुं केर विद्वार मुद्देश सूर्य स्था यदा यूटा म्बिम्यास्ति मुंद्राचेयात्स्या धुर्रा पठन् मुंयाद्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्रा स्त्र स् यहमां यं दिरं यह त्रां होते प्रांति यह स्वां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां व स्वां प्रदेश द्वां के मा या श्रेत प्रांति यह स्वां प्रांति के कुट स्वां वित्रां वित्र भाग्नेत्रभ्यास्थ्रीतिः मानेत्रभागान्य प्रति प्रत सेन्राचुट्यां स्राप्तां क्षेत्रां कुं दूर्वे श्रिक्यां मृत्यां प्राप्तां प्रोप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां म्याप्तां स्राप्तां स्रापतां स्राप्तां स्रापतां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्राप्तां स्रा द्राप्त विवास में प्राप्त प्राप्त के प्राप्त त्र्वे नित्रमु ह्ये निष्ट्रम निर्मा निरुषा भाषा वर्षा वर्षा

नवि'क्रा'निम्म'यते' हुम्या'धूक'व्र्वमा'यते' तू स्व'यूते'यू'कुर'वनद'य'या नश्री स्वरं मी कट मी शे निषेत पर्ने प्राम्हिमा निष्ठिमा <u>ॲॅर'८८'८मो'५५</u>८ भें पर्टे कूर्य सेंगिशंप्य त्रुश सें पूर्य संस्थाय नांप्य नांपि विन'मुंश्'र्भ्ह्'ना अप्त्युश्'र्भदे द्वेषास्'नक्ष्रे, रात्रे ह्वेत् नन्मा स्थ्र्यायस् र्निट्रॉबर्श्नें मुंन्युं संदेन नश्चिमं ने पर्त्यं म्यूं प्रेंबर्गम्युं देश स्र्रिष्ट्र र्धेन भ्रुप्तां सर्गेन में एक जिया प्रज्या में हैं है ने उत्तर में उत्तर में हैं है ने उत्तर में हैं है ने उत्तर में है है ने उत्तर में उत्तर में उत्तर में है है है ने उत्तर में उत्तर में है है ने उत्तर में उत्तर में है है है है ने उत्तर में उत्तर में है है है ने उत्तर में उत्तर में उत्तर में है है है है ने उत्तर में उ यहर्गण्ट्याम्यां अक्ट्रियाये प्रमान्य म्या स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्व र्शेश्वर्रास्थरप्रेट्रे तिष्ठ र वे स्वार्ट्र । ये दे तिय्द्रा में से स्वर्षे में से स्वर्षे रुभमामोशा क्षेत्र सुमा भदे भे मार्चेमा भाषा सुन् रुष् मामूमारा भव हो मार्च र केंद्र'त्रा प्रचेश शुद्रशं थ्राया मद्रामी श्री पूर्ण द्रियो प्रचेश श्री द्रियो प्रचेश श्री द्रियो प्रचेश प् तथा श्वार्भवार्टा येट्ट्सव्यापट्रेश्यस्ट्रें दर्ग्ट्रेक्यंवर्ध्रेथाय <u> श्</u>रेपेरग्'क्ट'शें क्रेर'चु'र्ट्'। गर्डट'अर्प'र्टेक्'पग्रं क्षट'क्श'ग्'केश' णैश्चर्मा स्वर्धित प्रति प्रति मा स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर प्रति स्वर्धित स्वर्य नुअ घट सुमार्य तर्थ है या नर्शन तर्थ नुमार्थ मुखा मार्ट्र क्या या र्थ समार्थ द्रा नगुःविश्वः स्ट त्र्यः भ्रम् र्याः र्याः श्रम् रायः र्याः स्वाः द्रेषः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः भ्रम् स्वाः द्रम् प्रमाः मो द्रम् र स्वाः स् भ्रम् स्वाः द्रम् प्रमाः स्वाः स्व

त्रिं पुष्टिं भे प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप त्त्रां प्राप्तां त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्राह्में त्र इत्राह्में त्राह्में त्राहमें त्राहमें त्राहमें त्राहमें त्राहमें त्राहमें त्राहमें त्राहमें मर्ड में क्षेत्र रे वेश रेम्य प्रम्य विम् अवर में द्रा केट किट । केट रेक एक्रिस्बुम्यमुङ्गार्द्यायङेन्द्रुप्तबुद्या द्यानुस्युस्य्याम्बद्य मर्देट खुँग न्ट्र स्नेन त्रमास्या नु में द्रा न्युंट इस्में से स्या केर रे नु मासाम्य क्रूं र्शेम्यान् न्यादे प्रयाप्त स्वाप्त प्रमाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इस्र में स्वाप्त स्वाप इस्र के स्वाप्त स्व स्वाप्त स् हैर्राम्हिटे नगरमे वहां प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त मे यदीयहैंग्रायायां या प्राप्त है ग्राम्य है ग्राम्य है स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वर्ग स्वरंग स्वरं रूथमा अप्तर्वेत प्रेर्म्यम् या प्रियम् मान्य उत्तर्थे देश मार्थे मान्य के यात्रमभारत्राचर्षेत्रपुर्व्यसम्बुराया कुत्त्रसमामोगाप्रित्रस्यासुरमामो

ઌ૮ૻ૾ૣ૽ૺઌૢઌૢૼઽૢ૽૽ૺઌૹૻઌ૽ૺઽ૱ઌઌ૽ૻઌ૽૽ૢૺૺ૽ૢૼઌૡૢઌઽૢ૽ૹ૱૱૾ૢ૽ૢ૽૱ૹૄૻઌૣૻ૱૽ૢ૽ૢ૽ૢૢૼૢૼ न्। सिमान राज्य मुन्यसा नद्र गुर्देगसासासुरा प्रसा निर्म्या के समि। यम्बर्धर्यं देशः दुं द्वै प्रम् श्रुम् केंब्र हिंद्यं वा मान्य प्रमाया प्रमाय न्द्रियाण्ड्याप्त्रीर्याप्तुम्बार्याप्त्रीत्रास्त्रीत्रम् न्न रु निर्माय नुषे निया केने यो निया मानेन विस्था कर प्योत् किया ग्री निर्माय र रेंदेज्ञ स्रामर्थानेट गुराया राहेशया गुग्रायरा पर्याया सारा दुर्गुहु प्यटा क्षें भेर्त्रे में मार्या व्यय र्द्रित्य प्रदेश के त्र्रा व्यय भाषा व्यय है के त्र मार्देश शें भ्रेश प्राप्त प्राम्बून क्षे दे मुयान एप प्राप्त केन प्रेश मुद्दामा प ट्ना र्चट इस मुग् में प्रेंत प्रांय सार्थ सार्थ स्राप्त हैं र चना देना परित केत्र भेर्दे इस प्रमे समाय सु सु ८ न इत न हुतू सम न उस् स समाय प्रमाम चेत्'णे वर्त्रया हे क्ष्र संद्रण्टा वर्क्त गाँवे हैं साझ्य स्वान प्राप्त है ने प्रमुद्र स्वान प्राप्त केता स्व स्य हे त्रा स्वीत प्रमुद्र प्रमुद्र स्वान प्रमुद्र स्वीत है के प्रमुद्र स्वीत स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्व विमामी के प्रेमं दुर्भ कमा भे नियम कि समें दिन में नियम के मिन में नियम के मिन कि समें कि में मिन कि समें मिन कि स नमुन्यरकेषा गर्रेर्षर्यं नर्ते मुन्द्रिं स्त्रेर्षे नर्ते स्त्रेष्ट्रा से विद्रासेषा तथा सर्भेट्य वनश्मट्योशण्ट्याचेत्र्मायरम्भयानभूत्रान्याण्ट्य

विनायम् याप्ता मुद्दान्त स्वाप्ता विद्या प्रमाय क्षेत्र प्रमाय क् र्भे विश्व पिट्य सुमाना या प्रियम्बर्भ सुन् सुन् सीन परि विट न विना प्रमान सुन है निवेत्र देवे वियाने ये में स्था मे स्था में स्था 5्रोंन् न्यू प्रदानिका मासुद्या है। द्वे नसूत भात्र मात्रा मात्र ग्री प्रमान बूर्न्याणु निया प्यार कुर्या कर्षा कर्षा स्थान के प्राप्त कर्षा करा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर करिया क या भूर ने ईक ने श्री शांते श्री ने स्था में स्य में स्था मे स्था में स देन स्वाप्त का स्वाप् र्यत्रह्याम्हायायाया गुर्धेम्यान्देयवुराम्राविरामुयार्वेत्रार्वे त्रान्त्रन् र्भेश्विष्ट्र प्रते मुयाप्यस्य केंद्र पार्टा स्याप्त्रीट र देके सेर्पेसमें कर्मे सर्थे सर्थे

भ्रेषार्रे हेषाश्वेतार्या वि्षयायायर्गेतायू तता इसायमात्री या सेत्याया र्टा नेश्वासर्ह्यायासर्प्राण्याम् स्वेट्रा मामास्यास्य स्वेट्रा सेट्रा सेट्रा राज्या यश्चर्रियायहेत्र्रम्यत्र्यं सायत्रत्येत्रेत्रं स्वार्यः द्येत्रं केषाः सुद्रम्यत्रं स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स् रुष्या यहा मुन्या विषय में प्राप्त के प्राप खें मुक्द ए दूर हैं में 'हु 'चगाव 'चंर्ये सं अहं दा हैं दे 'हु 'सु सद 'चर्टें चं 'ठर्क 'दु ' भुशा विश्व माहेर 'म में ए 'वंग प्रस्न 'ठर 'दु 'अट 'अट 'यु सूम् श्रे हैं 'दु हैं हैं 'हु हैं हैं 'हु हैं हैं 'ह नहर्भाष्ट्रमा भून्प्रामालकु ग्रेशमानुवानम् रुगावानद्वे ब्रेटामस्यावद्वे दे मृत्यं मु इंश्रेष मु दिन्। दूर्य दिन प्रमुद्द प्रयो क्षेत्र या मुक्र या कि स्थित प्रमूत प्रमू रूकर्णुं अर्दर्यापे । दे क्षर्यायन् विष्ठमा सम्भू शुं क्षेत्रा अर्गेतः हैर में के में या श्रेश देवार प्रदेश प्रश्निया प्रदेश के प्रश्निय श्रेर हैं प्रदेश हैं हैं हैं में प्रश्निय स्था प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रवेश के प्रदेश के प्रदे ह्म र्यम् श्री प्रमादित प्रमादित स्थाप के स्था के स्थाप र्रे। विश्राद्यांया व्यव प्रमाय देव ये के अध्य के वे के शे की माय ये दिया द्या प्रमार द्यामुण मुंद्र स्याय्राम् अर्वत् श्रेट्रायायस्यायाया युग्राप्रायलुग्या यदिरस्टिं स्थायर् देया यहत्य प्रति स्वयं ने प्रति प्रति स्वयं में प्रति स्वयं स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय्य स्वय स्वर्य स्व क्षरात्र्ययात्र्वाप्यार्द्र्वार्यार्द्र्वार्याः केषायाः केषाः केषाः केषाः केषाः विषाः यो प्रवाद्र्याः मुंप'ग्रें इस' घर मुं सर्वेदे हैं ८ 'में 'बेर्घ' गुं 'प' दे '' अ८ । ब्राया हु ८ 'में त' में 'के '

शुग्रान्य नुट्र एह्मा केन भेरी र चिट्रा सु र जुग्रा भरी पर्या भी सुरा र चु श्रें वृग्दर्ग श्रें ये १९८०८ ए स्याये १८७१ स्मिन श्रें स्वाये से १ ल्ह्र्म्यास्त्री म्ट्रिये क्रिक्ट्रिया ल्यया क्षेप्या क्षेप्र क्रिया क्षेप्र क्रिया क्षेप्र क् नम्रम्यं मुर्याचुर् देना वियानया थुर नम्भर्यानाया नमुर छ। यर्भन्य प्रति स्वार्थ न्म ल्यापके निवस् । श्रुया मित्र मानु माय हिंदा के में निवस् ग्रीका भी । न्ययां व्रवाद्व्यां यादे ने व्रवाया कुंश शुरु होना विश्वया गुना हे वे केवा पहुंदा र्नेन पर्र हेर्दे कुना किया योदे दुया कुना रूप प्रचेना स्था कुर्या प्रमा । दूराया ष्ट्रंत पर्वेग पर्दे वें कें ने चें के सूचे पर्वे में सूचे पर्वे ने के सूच के सू

ह्य निया विमार्केमा मानुषा भुगाषा सुगा के ते पेरि देनू । १३ सरा पानेषा तस्यार्त्रे स्यू त्यू र यूँ या । त्यय स्वेत् त त्यू या यू त्यू व्यू या यू य त्रुगार्ये प्रस्त । श्वित् प्रस्त स्वार्थ । श्वित प्रस्त । श्वित । श्वित प्रस्त । श्वित । श्वि ह्मश्रास्त्रम्यूर्यरायदेश्यराक्ष्यम् सुगार्यस्त्रम् सुगार्यदेश्यस्त मशुँभ खेत हें र तुर गाँ र नद है है र गाँ भा विश्व र नगाँ र मादे र भा ति है र नगाँ र मादे र भा ति है र नगाँ र मादे ॻॖऀऒऻॴॺऒड़॔॔॔ॻॻॖॸॕॱॻज़ऀॱक़ॖॱॸॱऄॗ॓॔ॱॱऀॸॣ॔ॿ॓क़ॱड़ॖऻऻॎॸॺॢक़ॱढ़ॾॕक़ॣॸॖॖॖॖॸॱॸऒऒ केंत्र'गुंत एत्र है। दियय हेर्त यहामा यदे यहा पाय हेर्त हमा यह तथा । विद्या स्ट्रिंग वित्रम् वित्रम् वित्र कुर्त्य प्रतेन्य प्रते स्वार्ष स्वार्ष प्रविवास वित्र विवास वित्र विवास वित्र विवास वित्र विवास वित्र विवास वित्र क्षित प्रति विवास वित्र क्षित प्रति विवास वित्र क्षित प्रति विवास वि

त्विनाः पत्रः चक्षेत्रः चन्त्रः चन्त्र अक्षेत्रः न्द्रः । । त्रिन्तः अक्षेत्रः चन्त्रः चन्त्यः चन्त्रः चन्त